@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 11 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 125 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

कोविड वैक्सीन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा निर्देश

गंभीर दुष्प्रभाव के मामलों में बने 'नो-फॉल्ट कंपंसेशन' नीति

एजेंसी

नई दिल्ली। कोविड-19 टीकाकरण से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि कोविड-19 वैक्सीन लेने के बाद यदि किसी व्यक्ति को गंभीर प्रतिकूल दुष्प्रभाव झेलने पड़ते हैं, तो ऐसे मामलों में राहत देने के लिए 'नो-फॉल्ट कंपंसेशन सिस्टम' तैयार किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह व्यवस्था केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के माध्यम से लागू की जानी चाहिए। अदालत के अनुसार, इस नीति का उद्देश्य उन लोगों को सहायता देना है, जिन्हें टीकाकरण के बाद गंभीर प्रतिकूल घटनाओं का सामना करना पड़ा है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस नई नीति में ऐसे मामलों के लिए मुआवजे का प्रावधान होना चाहिए, जहां वैक्सीन लेने के बाद गंभीर दुष्प्रभाव सामने आए हों। हालांकि अदालत ने यह भी कहा कि

टीकाकरण के बाद होने वाली प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी के लिए जो मौजूदा तंत्र पहले से काम कर रहा है, वह आगे भी जारी रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि इस निगरानी प्रणाली से जुड़ा प्रासंगिक डेटा समय-समय पर सार्वजनिक किया जा सकता है, ताकि लोगों को सही जानकारी मिलती रहे और पारदर्शिता बनी रहे। अदालत ने वैज्ञानिक आकलन से जुड़े मुद्दे पर भी टिप्पणी की।

कोर्ट ने कहा कि टीकाकरण से संबंधित मामलों की जांच और मूल्यांकन के लिए पहले से ही कई वैज्ञानिक और तकनीकी व्यवस्थाएं मौजूद हैं।

इसलिए इस विषय में अलग से अदालत द्वारा किसी नई विशेषज्ञ समिति नियुक्त करने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि 'नो-फॉल्ट कंपनसेशन फ्रेमवर्क' तैयार करने का मतलब यह नहीं माना जाएगा कि केंद्र सरकार या किसी अन्य प्राधिकरण ने अपनी कोई जिम्मेदारी या गलती स्वीकार की है।

अदालत ने यह भी कहा कि इस फैसले के बावजूद किसी भी व्यक्ति के लिए कानून के तहत उपलब्ध अन्य कानूनी उपायों का रास्ता बंद नहीं होगा। यानी प्रभावित लोग जरूरत पड़ने पर अन्य कानूनी विकल्प भी अपना सकते हैं।

जैसे मुगल साम्राज्य के अंतिम बादशाह बहादुर शाह जफर थे, उसी प्रकार राहुल गांधी अंतिम एलओपी हैं- गिरिराज सिंह

• 'राहुल गांधी का आचरण एक 'अर्बन नक्सली' की भांति है'

एजेंसी

नई दिल्ली,। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर कड़ा हमला बोला। सिंह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी का आचरण एक 'अर्बन नक्सली' की भांति है और यही प्रवृत्ति कांग्रेस पार्टी के अस्तित्व के अंत का कारण बनेगी। संसद परिसर के बाहर पत्रकारों से चर्चा के दौरान गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी की तुलना मुगल वंश के अंतिम शासक बहादुर शाह जफर से करते हुए उन्हें 'नकली गांधी परिवार का अंतिम युवराज' करार दिया। उन्होंने कहा कि वे कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'अबोध बालक' समझते हैं, क्योंकि वे जो बोलते हैं और जो सोचते हैं, वह कोई समझ नहीं पाता। उन्होंने कहा कि इतिहास देख लीजिए, राहुल गांधी हर मुद्दे पर अर्बन नक्सली की तरह प्रतिक्रिया देते हैं। वह अपनी हर बात से पलट जाते हैं। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि किसी ने आज तक राहुल गांधी जैसा विपक्ष का नेता (एलओपी) नहीं देखा। पहले खुद ही

सदन को जानकारी देते हैं कि इन विषयों पर हम चर्चा चाहते हैं और जब उस पर चर्चा होनी होती है तो वहां से भाग जाते हैं।

उनका कहना है कि राहुल गांधी को अब केवल अर्बन नक्सली की तरह पोज देना होता है, बाकी उन्हें किसी चीज से मतलब नहीं है। वह पहले तो मुद्दे खड़े करते हैं, लेकिन जैसे ही चर्चा का समय आता है, वह सदन से निकल जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सदन के कार्य और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेना विपक्ष के नेता का फर्ज़ है, न कि केवल पब्लिसिटी या नाटक दिखाना।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं कांग्रेस के लिए कामना करता हूं कि राहुल गांधी के नेतृत्व में इनकी सरकार चलती रहे, लेकिन जिस तरह से उनका स्वभाव है उससे यह हो पाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि जैसे मुगल साम्राज्य के अंतिम बादशाह बहादुर शाह जफर थे, उसी प्रकार अंतिम एलओपी राहुल गांधी हैं। उन्होंने गांधी परिवार को नकली बताते हुए कहा कि राहुल गांधी अंतिम अबोध युवराज हैं।

गिरिराज सिंह का कहना है कि राहुल गांधी जब सदन में कोई मुद्दा उठाते हैं और चाहते हैं कि उस पर चर्चा हो तो उन्हें उससे भागना नहीं चाहिए।

मध्यप्रदेश कांग्रेस मुकेश मल्होत्रा मामले में सुप्रीम कोर्ट जाएगी - जीतू पटवारी

भोपाल । कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा सीट से निर्वाचित विधायक मुकेश मल्होत्रा के निर्वाचन को उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ द्वारा शून्य घोषित किए जाने के खिलाफ कांग्रेस मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय में अपील करेगी। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र (जीतू) पटवारी ने ग्वालियर खंडपीठ के फैसले को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यह मामला भाजपा की खरीद-फरोख्त और उसके चाल, चरित्र और चेहरा को उजागर करता है। पटवारी ने भाजपा पर आदिवासी विरोधी होने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा की सोच घृणित है कि वह यह सवाल उठा रही है कि विजयपुर से एक आदिवासी विधायक कैसे चुनकर विधानसभा पहुंच गया।

कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा आदिवासी नेता प्रतिपक्ष की 'औकात' पूछना उनकी आदिवासी विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। यही व्यवहार विजयपुर के नेता मुकेश मल्होत्रा के साथ किया गया है। कांग्रेस की आगामी रणनीति का जिक्र करते हुए पटवारी ने कहा कि मुकेश मल्होत्रा के चुनाव शून्य किए जाने के फैसले के खिलाफ कांग्रेस आज मंगलवार को ही सुप्रीम कोर्ट जाएगी।

पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र खत्म, संविधान का हो रहा है अपमान : नायब सिंह सैनी

• 'पश्चिम बंगाल से उद्योग पलायन कर रहे हैं और यहां कानून का राज कमजोर हो गया है'

एजेंसी

कोलकाता। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता पहुंचे और राज्य की सत्तारूढ़ सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र कमजोर हो रहा है और राज्य सरकार संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान नहीं कर रही है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचलने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'बंगाल में अब लोकतंत्र नहीं बचा है। संविधान का उल्लंघन किया जा रहा है और संवैधानिक पदों का अपमान हो रहा है। बंगाल की जनता ने तय कर लिया है कि आने वाले समय में यहां मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी।' नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस और ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दलों को देश की संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कार्यक्रम के साथ

भी राज्य सरकार ने सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू आदिवासी समुदाय के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बंगाल आई थीं लेकिन राज्य सरकार ने अंतिम समय में कार्यक्रम में बदलाव कर दिया। उन्होंने इसे शर्मनाक बताते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है और इससे राज्य सरकार की मानसिकता उजागर होती है। इसके साथ ही सैनी ने राज्य की कानून-व्यवस्था और औद्योगिक स्थिति पर भी सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल से उद्योग पलायन कर रहे हैं और यहां कानून का राज कमजोर हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग अब बदलाव चाहते हैं और वे चाहते हैं कि बंगाल भी 'विकसित भारत' के लक्ष्य के साथ आगे बढ़े। यहां उद्योग आएं, युवाओं को रोजगार मिले, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो और किसान खुशहाल हों। उन्होंने कहा कि यहां की जनता भाजपा सरकार बनाने जा रही है। देश में सबको पता है कि कौन सी पार्टी इनका विकास कर सकती है। इस दौरान बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा भी परिवर्तन यात्रा के समापन के अवसर पर पश्चिम बंगाल के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे चंद्रकोना विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीआईएसएफ के स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीने मंगलवार को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के स्थापना दिवस पर बल के सभी कर्मियों को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा में सीआईएसएफ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपने संदेश में कहा कि सीआईएसएफ अपने दृढ़ संकल्प, अनुशासन और समर्पण के लिए जानी जाती है। बल के जवान पूरे देश में महत्वपूर्ण संस्थानों और परिसंपत्तियों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सीआईएसएफ के कर्मियों की अटूट कर्तव्यनिष्ठा भारत की सुरक्षा और प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देती है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की स्थापना 10 मार्च 1969 को हुई थी।

यह बल देश के प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों, मेट्रो नेटवर्क, बंदरगाहों और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाता है। वर्तमान में सीआईएसएफ देश के कई संवेदनशील संस्थानों की सुरक्षा में तैनात है।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र की शक्ति और समृद्धि की कामना की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पवित्र पृथ्वी को राष्ट्र की शक्ति का स्रोत बताने वाला एक संस्कृत सुभाषित साझा कर पृथ्वी की महिमा और राष्ट्र को ऊर्जा और बल प्रदान करने की कामना की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर संस्कृत सुभाषित साझा करते हुए लिखा, यार्णवेऽधि सलिलमग्र आसीद्यां मायाभिरन्वचरन्मनीषिणः। यस्या हृदयं परमे व्योमन्त्सत्येनावृतममृतं पृथिव्याः। सा नो भूमिस्त्विषिं बलं राष्ट्रे दधातूत्तमे॥इस सुभाषित का अर्थ है कि पृथ्वी, जिसके भीतर समुद्रों का जल है और जो चारों ओर से जल से घिरी हुई है, जिसे विद्वान अपने ज्ञान से समझते आए हैं तथा जिसका हृदय व्यापक आकाश में शाश्वत सत्य से आच्छादित है, वही पवित्र पृथ्वी हमारे श्रेष्ठ राष्ट्र को ऊर्जा और शक्ति प्रदान करे।

राज्यसभा में एसआईआर के मुद्दे पर हंगामा, विपक्ष का बहिर्गमन

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया। इस दौरान विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद विपक्षी सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। राज्यसभा की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होते ही आवश्यक दस्तावेज और रिपोर्ट को सदन के पटल रखा गया। शून्यकाल में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कई राज्यों में चल रहे एसआईआर को लेकर सवाल उठाए। खरगे ने इस प्रक्रिया को 'फ्रॉड' बताते हुए कहा कि इससे मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं और कई वैध मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं।

उन्होंने सरकार से इस प्रक्रिया पर स्पष्टीकरण देने और चर्चा कराने की मांग की। इस पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि चुनावी सुधारों पर पिछले सत्र में पहले ही विस्तृत चर्चा हो चुकी है। उन्होंने विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे मुद्दों को बार-बार उठाना उचित नहीं है। विपक्ष सदन के अंदर वास्तविक बहस नहीं चाहता और बार-बार हंगामा कर कार्यवाही बाधित करता है।

नड्डा ने विपक्ष के बहिर्गमन की आलोचना करते हुए कहा कि विपक्ष ने एक बार फिर सदन से बाहर जाकर यह दिखाया है कि वह सार्थक चर्चा नहीं चाहता। विपक्ष का रवैया गैरजिम्मेदाराना है। वो अराजकता में विश्वास रखते है। संसद में मुद्दों पर बहस के लिए पूरा अवसर दिया जाता है, लेकिन विपक्ष चर्चा करने के बजाय विरोध और बहिर्गमन का रास्ता चुन रहा है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता तीन काले कृषि कानूनों से भी अधिक खतरनाक: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 10 मार्च: पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को चेतावनी देते हुए कहा कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौता देश के कृषि क्षेत्र के लिए तीन विवादित कृषि कानूनों से भी अधिक खतरनाक साबित हो सकता है, जिनके कारण ऐतिहासिक किसान आंदोलन शुरू हुआ था। पंजाब विधानसभा में कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर चर्चा का समापन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारी सब्सिडी वाले अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारत का बाज़ार खोलना पंजाब सहित पूरे देश के किसानों के लिए गंभीर चुनौती बन जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि यह समझौता लागू हुआ तो भारतीय किसानों को अमेरिकी उत्पादों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए अत्यधिक संघर्ष करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समझौता भारत की कृषि संप्रभुता के लिए बड़ा खतरा है और इससे देश का कृषि क्षेत्र विदेशी शक्तियों के प्रभाव में आ सकता है। उन्होंने कहा कि इस समझौते के संभावित नकारात्मक प्रभावों को देखते हुए पंजाब विधानसभा ने सर्वसम्मति से इसके खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया है। सदन को संबोधित करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह समझौता केंद्र सरकार द्वारा पहले लाए गए तीन कृषि कानूनों से भी अधिक खतरनाक हो

सकता है। उन्होंने कहा कि पहले ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में प्रवेश करके देश को आर्थिक रूप से लूटा था और अब ऐसा प्रतीत होता है कि एक तरह की वेस्ट इंडिया कंपनी भारत की कृषि व्यवस्था में प्रवेश करने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इस प्रस्तावित समझौते के बारे में संबंधित राज्यों से न तो सलाह की गई और न ही उन्हें इस बारे में कुछ बताया गया। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका समझौते को लेकर अब तक किसी भी राज्य सरकार से कोई परामर्श नहीं किया गया है और न ही किसी को इसकी जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि पता नहीं इस मामले में प्रधानमंत्री जी की क्या मजबूरी है। उन्होंने कहा कि इससे सभी को यह सोचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है कि क्या भारत के फैसले अब व्हाइट हाउस के हस्तक्षेप से लिए जा रहे हैं और क्या केंद्र सरकार का रिमोट विदेशी ताकतों के हाथों में है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि जिस तरह से बड़ी से बड़ी बात भी विदेशी नेताओं के साथ साझा की जा रही है, वह अपने आप में गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि जब भारत-पाकिस्तान युद्धविराम हुआ था, तो इसकी जानकारी सबसे पहले डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एक ट्वीट के माध्यम से साझा की गई थी, जबकि भारत को बाद में इस बारे में पता चला। यह स्थिति केंद्र सरकार के कामकाज पर बड़ा सवालिया निशान लगाती है।

शेष पृष्ठ 3 पर

एलपीजी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार सख्त एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में रसोई गैस की सप्लाई को सुचारु बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। होटलों और रेस्तरां में कमर्शियल एलपीजी की कमी की खबरों के बीच सरकार ने एसेंशियल कमोडिटीज (ईसी) एक्ट लागू कर दिया है, ताकि घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति बिना किसी बाधा के जारी रह सके। सरकार ने रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल यूनिट्स को निर्देश दिया है कि वे एलपीजी के उत्पादन को अधिकतम स्तर तक बढ़ाएं। इसके साथ ही इन इकाइयों को प्रमुख हाइड्रोकार्बन स्ट्रीम्स को एलपीजी पूल की ओर डायवर्ट करने के लिए कहा गया है, ताकि घरेलू उपयोग के लिए गैस की उपलब्धता बढ़ाई जा सके

और सप्लाई स्थिर बनी रहे। इसी के साथ सरकार ने नेचुरल गैस (सप्लाई रेगुलेशन) ऑर्डर 2026 भी जारी किया है। इस आदेश के तहत प्राकृतिक गैस, एलएनजी और री-गैसिफाइड एलएनजी के उत्पादन और अलग-अलग सेक्टरों में उसके आवंटन को नियंत्रित किया जाएगा। इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर गैस उपलब्ध कराना है। सरकार के मुताबिक, प्राथमिकता वाले सेक्टरों में घरेलू पीएनजी सप्लाई, परिवहन के लिए सीएनजी, एलपीजी उत्पादन, पाइपलाइन कंप्रेसर के लिए ईंधन, फर्टिलाइजर प्लांट, चाय उद्योग और अन्य महत्वपूर्ण औद्योगिक उपभोक्ता शामिल हैं। इस व्यवस्था को लागू करने की जिम्मेदारी भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड (गेल) को सौंपी गई है, जो पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) के साथ मिलकर सेक्टर-वार गैस आवंटन और सप्लाई व्यवस्था की निगरानी करेगा। उधर, बाजार में घबराहट के कारण बढ़ती मांग को देखते हुए सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की दोबारा बुकिंग के लिए न्यूनतम इंतजार अवधि 21 दिनों से बढ़ाकर 25 दिन कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, ईरान से जुड़े युद्ध और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण लोगों में सप्लाई बाधित होने का डर पैदा हो गया था, जिससे बड़ी संख्या में लोगों ने घबराकर सिलेंडर बुक कराना शुरू कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि देश में एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है। बुकिंग अवधि बढ़ाने का फैसला केवल स्टॉक और इन्वेंट्री को बेहतर तरीके से संभालने के लिए लिया गया है।

एसआईआर के नाम पर हर जगह हो रही है धोखाधड़ी - मल्लिकार्जुन खड़गे

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को राज्यसभा में एसआईआर को लेकर चौंकाने वाली बातें कहीं। उन्होंने कहा कि एसआईआर के नाम पर हर जगह धोखाधड़ी हो रही है।यह सबसे बुरा है और सारी कवायद चुनाव जीतने के लिए हो रही है। इस तरह की कवायद बंगाल में हो रही है, तमिलनाडु और कर्नाटक में हो रही है। हर जगह और हर राज्य में धोखाधड़ी ही धोखाधड़ी है। मतदाता सूची को सही करने के लिए देश के कई राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। एसआईआर को लेकर विपक्षी पार्टियां चुनाव आयोग को घेर रही हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 9 मार्च को आरोप लगाया कि राज्य में कराई जा रही स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के जरिए मतदाता सूची में बदलाव का मकसद आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को फायदा पहुंचाना है। ममता बनर्जी ने धरना स्थल से पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि चुनौती देते हुए कहा कि अगर भाजपा को चुनाव आयोग का समर्थन भी मिल जाए, तो भी वह चुनाव नहीं जीत पाएगी। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता अपने अधिकार छीनने वालों को करारा जवाब देगी। तमिलनाडु में 23 फरवरी को सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद विशेष मतदाता पुनर्निरीक्षण (एसआईआर) के बाद अंतिम मतदाता सूची आधिकारिक तौर पर जारी की गई थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने विधानसभा में की भाजपा विधायक दल की बैठक

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को भाजपा के विधायकों की बैठक राजस्थान विधानसभा के लॉबी में की बैठक के दौरान उन्होंने विधानसभा सत्र में विधायकों के प्रदर्शन की सराहना की और उन्हें अपने आचरण व जिम्मेदारियों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने विधायकों को चेतावनी देते हुए कहा कि उनके कार्यों पर जनता लगातार नजर रखती है, जिसे उन्होंने 'तीसरी आंख' द्वारा देखे जाने के समान बताया। शर्मा ने कहा कि सरकार ने विधायकों द्वारा उठाई गई मांगों को पूरा किया है और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी चिंताओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने मंत्रियों को निर्देश दिया कि अगले पांच वर्षों में वे सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करें और इन दौरों के दौरान 8 से 10 घंटे जनता के साथ सीधे संवाद करें, ताकि जमीनी स्तर की समस्याओं को समझा जा सके। सरकार के प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग दो साल पूरे होने के बावजूद सरकार को सत्ता विरोधी रुझान का सामना नहीं करना पड़ रहा है। मंगलवार को विधानसभा के बजट सत्र का अंतिम दिन है। चर्चा के बाद महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी विधेयक, 2026 भी पारित किया जाएगा।

पंजाब में बीजेपी के नेता अमित गोसाईं अकाली दल में शामिल

लुधियाना (एजेंसी)। मंगलवार को पंजाब की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर हुआ, जब भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित गोसाईं ने इस्तीफा दे दिया और कुछ समय बाद अपने समर्थकों के साथ शिरोमणि अकाली दल में शामिल हुए। अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने खुद उन्हें पार्टी में शामिल करवाया और साथ ही लुधियाना सेंट्रल से हलका इंचार्ज भी नियुक्त किया। बता दें कि गोसाईं पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय सतपाल गोसाईं के पोते हैं। बादल ने अमित गोसाईं का शिरोमणि अकाली दल के परिवार में स्वागत कर कहा कि अमित अपने दादा सतपाल गोसाईं के काम में उनका साथ देते रहे हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के स्पोक्सपर्सन पद से भी इस्तीफा दे दिया है। सुखबीर ने भरोसा जताया कि अमित गोसाईं के आने से शिरोमणि अकाली दल और मजबूत होगा। अकाली दल प्रमुख बादल ने गोसाईं को लुधियाना सेंट्रल से हलका इंचार्ज बनाया और कहा कि अकाली दल में उनके साथ शामिल हुए है उनका भी पूरा सम्मान और अहम जिम्मेदारियां दी जाएगी। इसके पहले सतपाल गोसाईं ने सोशल मीडिया पर कहा था कि वह आज दुखी मन से भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक मेंबरशिप से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा था कि उनसे पार्टी की दुर्दशा देखी नहीं जा रही है, इसलिए वह इस्तीफा दे रहे हैं।

गुमला में हाथी के कहर से मासूम की मौत

गुमला (एजेंसी)। झारखंड के गुमला जिला के पतराटोली गांव में देर रात जंगली हाथी के अचानक घर में प्रवेश से एक चार माह की बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। घटना चंदन उरांव के घर में हुई। बताया गया है कि हाथी ने घर के पास दीवार को जोरदार धक्का दिया, जिससे कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई। तब घर में चंदन की पत्नी सुषमा उरांव अपने दो बच्चों के साथ सो रही थी। दीवार गिरने की आवाज सुनकर सुषमा ने अपने पांच वर्षीय बेटे को लेकर भागने में सफल रहीं, लेकिन हड़बड़ी में चार माह की बेटी अमिता कुमारी मलबे में दब गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सुषमा को भी चोटें आईं, जिन्हें ग्रामीणों ने प्राथमिक उपचार दिया। मां अपने बच्चे को खोने के सदमे में बार-बार बेहोश हो रही थीं, और गांव की महिलाएं उन्हें ढांढस बंधाती रहीं। घटना की सूचना मिलने पर करंज थाना पुलिस और बसिया वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। ग्रामीणों में जंगली हाथी के प्रवेश से भय और दहशत का माहौल है; लोग रातभर जागकर पहरा दे रहे हैं। प्रभावित परिवार ने वन विभाग से हाथी को खदेड़ने और मुआवजा देने की मांग की है। प्रशासन से भी परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की अपील की जा रही है। इस दुखद घटना ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है और यह जंगली हाथियों और मानव बस्तियों के बीच लगातार बढ़ते संघर्ष की चिंता को उजागर करती है।

नॉर्थ ईस्ट के लोगों के साथ मारपीट, सीएम संगना ने दिल्ली पुलिस सुरक्षा पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में एक बार फिर नॉर्थ ईस्ट के लोगों के मारपीट और दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। 8 मार्च को साकेत नगर के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट कॉम्प्लेक्स के पास मणिपुर की रहने वाली युवती और उसके दोस्तों से मारपीट की घटना हुई। पुलिस के मुताबिक सभी पीड़ित पार्क में टहल रहे थे, तभी कुछ लोगों ने उन पर कमेंट किए। युवती और उसके दोस्तों ने इसका विरोध किया। इस पर उन लोगों ने युवती और उसके साथियों पर हमला कर दिया। हमले में युवती घायल हो गई। इस घटना से नाराज मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा ने एक्स पर पोस्ट के जरिए दिल्ली पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाया है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सीएम संगना की पोस्ट पर दिल्ली पुलिस ने घटना की निंदा करते हुए लिखा- आरोपियों की पहचान की जा रही है, उन्हें पकड़ने के लिए कई टीमों को तैनात की हैं। मेघालय सीएम संगना ने लिखा कि यह नस्लीय तौर पर डराने-धमकाने वाली घटना है। मुझे मेनलैंड इंडिया में नॉर्थ ईस्ट के लोगों पर बार-बार हो रहे हमलों से नाराजगी है। इसके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

अरुणाचल के जंगलों में लगी भीषण आग पर काबू पाने वायुसेना ने संभाला मोर्चा

-शक्तिशाली हेलिकॉप्टर एमआई-17 वी5 से 66,000 लीटर पानी बरसाया

ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट स्थित मेबो और सिगर के जंगलों में लगी भीषण आग को बुझाने के लिए अब भारतीय वायुसेना ने मोर्चा संभाल लिया है। मंगलवार को वायुसेना ने एक अभियान चलाते हुए अपने शक्तिशाली हेलिकॉप्टर को तैनात किया, जिसने कई उड़ानों के जरिए रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ती आग की लपटों पर काबू पाया। इंडियन एयरफोर्स ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश में पासीघाट के मेबो और सिगार इलाकों में जंगल में लगी भीषण आग को बुझाने के लिए एक तेज़ और दमदार फायरफाइटिंग मिशन शुरू किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आग पर काबू पाने के लिए एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किया गया है, जिसने आस-पास की बस्तियों को बचाने के लिए कई सॉर्टीज़ में 66,000 लीटर पानी छोड़ा। एक्स पर पोस्ट में आईएएफ ने आग और हवाई फायरफाइटिंग मिशन की शानदार तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। पोस्ट में लिखा- अरुणाचल प्रदेश में तेज़ रिस्पॉन्स और ऑपरेशनल सटीकता दिखाई, पासीघाट के मेबो और सिगार इलाकों में जंगल की बड़ी आग पर काबू पाने के लिए एक एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किया है। यह पहली बार नहीं है जब आईएएफ ने इस साल इस इलाके में जंगल की बड़ी आग में दखल दिया है। 18 फरवरी को आईएएफ के हेलिकॉप्टरों ने नॉर्थ-ईस्ट के मुश्किल इलाकों में लगी दो बड़ी जंगल की आग पर काबू पाया था। अरुणाचल प्रदेश के वालोंग में, फोर्स ने हेवी-लिफ्ट हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल करके 139,800 लीटर पानी गिराया, जिससे एक बड़ी आग पर काबू पाया जा सका। रिपोर्ट के मुताबिक अपनी आग बुझाने की ड्यूटी के साथ-साथ आईएएफ इंडियन आर्मी के साथ कोऑर्डिनेशन को मजबूत करना जारी रखे हुए है। 8 मार्च को दोनों फोर्स ने उत्तराखंड में टिहरी झील के ऊपर एक जॉइंट एक्सरसाइज की। इस ड्रिल में कॉम्बैट फ्री-फॉल और स्टैटिक लाइन पैरा-ड्रॉप्स शामिल थे। एक और पोस्ट में आईएएफ ने कहा कि 8 मार्च को एयरक्राफ्ट ने इंडियन आर्मी के साथ एक जॉइंट एक्सरसाइज में टिहरी झील के ऊपर कॉम्बैट फ्री-फॉल और स्टैटिक लाइन पैरा-ड्रॉप्स किए। इस एक्सरसाइज ने आसान इंटर-सर्विस सिनर्जी और ऑपरेशनल कैपेबिलिटी दिखाई।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त नसीहत: केवल मीडिया पब्लिसिटी के लिए जनहित याचिकाएं दायर न करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निकाय संबंधी कथित लापरवाही के कारण होने वाली मौतों को रोकने के लिए निर्देश जारी करने की मांग वाली एक याचिका को सिरे से खारिज कर दिया। याचिका को खारिज करते हुए न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया और युवा अधिवक्ताओं को केवल मीडिया और सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने के उद्देश्य से जनहित याचिकाएं दायर करने के प्रति आगाह किया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एक युवा वकील को सलाह देते हुए कहा कि वकालत के शुरुआती वर्षों में उन्हें कानूनी बारीकियों को समझने, अदालती कार्यवाही को करीब से देखने और मसौदा (ड्राफ्टिंग) तैयार करने के कौशल सीखने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो लोग इस पेशे में गंभीरता के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं, उन्हें राष्ट्रीय मीडिया या सोशल मीडिया पर छाने की होड़ से दूर रहना चाहिए। उन्होंने टिप्पणी की कि दफ्तरों में काम करने और कानून सीखने के बजाय निराधार याचिकाएं तैयार करना पेशेवर भविष्य के लिए ठीक नहीं है। पीठ ने याचिका को अस्पष्ट और व्यापक दावों से भरी हुई करार देते हुए कहा कि इसमें ऐसे निर्देश मांगे गए हैं जिनका व्यावहारिक रूप से पालन करना अत्यंत कठिन है, इसलिए इस पर विचार करने का कोई ठोस कारण नहीं दिखता। सुनवाई के दौरान जब सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के रखरखाव में विफलता से होने वाली मौतों का मुद्दा उठा, तो पीठ ने याचिकाकर्ता की वकील से पूछा कि उन्होंने इस विशिष्ट मामले में संबंधित अधिकारियों के खिलाफशिकायत दर्ज कराने के बजाय सीधे उच्चतम न्यायालय का दरवाजा क्यों खटखटाया। इस पर वकील ने तर्क दिया कि यह एक राष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है। वकील के वकालत के अनुभव (चार वर्ष) की जानकारी मिलने पर प्रधान न्यायाधीश ने जोर देकर कहा कि युवा वकीलों को वरिष्ठों के मार्गदर्शन में समय बिताना चाहिए, न कि केवल प्रचार पाने के लिए अदालत का समय नष्ट करना चाहिए। इसी कड़ी में, उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक ही वकील द्वारा दायर पांच अन्य याचिकाओं को भी निरर्थक बताते हुए खारिज कर दिया। इन याचिकाओं में अजीबोगरीब मांगें की गई थीं, जिनमें से एक में यह वैज्ञानिक अध्ययन कराने का आग्रह था कि क्या प्याज और लहसुन में तामसिक या नकारात्मक ऊर्जा होती है। अन्य याचिकाओं में शराब और तंबाकू उत्पादों की सामग्री पर नियंत्रण, संपत्तियों का अनिवार्य पंजीकरण और शास्त्रीय भाषाओं की घोषणा के लिए दिशा-निर्देशों की मांग की गई थी। न्यायालय ने इन सभी याचिकाओं को कानूनी आधार पर शून्य माना और स्पष्ट किया कि जनहित याचिकाओं का दुरुपयोग न्यायपालिका की गंभीरता को कम करता है।

हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता मामले में केंद्र से मांगा रिकॉर्ड, अगली सुनवाई 19 को

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खण्ड पीठ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कथित दोहरी नागरिकता मामले में दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी से जुड़े कथित दोहरी नागरिकता विवाद के मामले में केंद्र सरकार से संबंधित केस फाइल तलब की है। यह याचिका निचली अदालत द्वारा एफआईआर दर्ज कराने से इनकार किए जाने के आदेश के खिलाफ दाखिल की गई है। याचिका पर करीब डेढ़ घंटे तक विस्तृत बहस हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय का पक्ष रखने के लिए केंद्रीय स्थायी अधिवक्ता राज कुमार सिंह को भी तलब किया और मामले से जुड़ी मामले से जुड़ी ताजा कार्रवाई की जानकारी मांगी। हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 19 मार्च की तारीख तय की है। न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश एस विग्नेश शिशिर की याचिका पर दिया। याची ने 28 जनवरी 2026 को विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश को चुनौती दी है। उस आदेश में अदालत ने राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की मांग ठुकरा दी थी। विशेष अदालत ने कहा था कि नागरिकता के सवाल पर निर्णय लेना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। याचिका में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विस्तृत जांच कराने की मांग की गई है। याची ने राहुल पर भारतीय न्याय संहिता, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत आरोप लगाए हैं। यह शिकायत पहले रायबरेली की विशेष एमपी/एमएलए अदालत में दायर की गई थी। बाद में शिकायतकर्ता की अर्जी पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने 17 दिसंबर 2025 को मामला रायबरेली से लखनऊ स्थानांतरित कर दिया था। लखनऊ की विशेष अदालत ने 28 जनवरी को याचिका खारिज कर दी। इसके बाद याची ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

अपने पूरे परिवार के साथ पीएम मोदी से मिली पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे

-प्रधानमंत्री मोदी और पोते विनायक के बीच मुलाकात रही खास

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और उनका परिवार नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचा। इस दौरान वसुंधरा राजे के साथ उनके परिवार के सदस्य भी

मौजूद थे। यह मुलाकात शिष्टाचार की रूप में देखी जा रही है, लेकिन मरुधार के राजनीतिक गलियारों में इसकी चर्चाएँ शुरू हो गई हैं।

मुलाकात के दौरान विशेष ध्यान विनायक प्रताप सिंह पर गया, जो अपनी दादी की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने की संभावनाओं के कारण चर्चा में हैं। विनायक ने 2023 में पहली बार मतदान किया था और कुछ चुनावी कार्यक्रमों में भी दिखाई दिए थे। उनकी फिटनेस के प्रति सजगता और यूट्यूब चैनल पर फिटनेस वीडियो साझा करने के कारण युवा वर्ग में उनकी लोकप्रियता है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी और विनायक के बीच मुलाकात में खास बातचीत देखी गई, जिससे यह अटकलें लग रही हैं कि विनायक राजनीति में जल्द ही कदम रख सकते हैं। वर्तमान में वह दिल्ली से कानून की पढ़ाई कर रहे हैं और जिमिंग व ओपन एक्सरसाइज पर विशेष ध्यान देते हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि विनायक की पृष्ठभूमि और युवा छवि उन्हें राजनीतिक क्षेत्र में एक मजबूत उपस्थिति बनाने में मदद कर सकती है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यह मुलाकात वसुंधरा राजे और उनके परिवार के भविष्य की रणनीतियों का हिस्सा हो सकती है। फिटनेस और कानून की पढ़ाई के साथ विनायक अपनी दादी की विरासत को आधुनिक अंदाज में आगे बढ़ा सकते हैं। मुलाकात के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं, जिससे जनता और समर्थकों में उत्सुकता बढ़ी है। इस तरह, यह मुलाकात सिर्फ औपचारिक नहीं बल्कि भविष्य की राजनीतिक संभावनाओं का संकेत भी मानी जा रही है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का बचाव कर शाह ने गोगाई को सुना दिया... इतना गैर-जिम्मेदार विपक्ष भी कभी नहीं देखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। न मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर बहस शुरू होते ही, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पर निशाना साधकर कहा कि उन्हें उस केंद्रीय मंत्री के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने विपक्ष को सबसे ज्यादा बार बाधित किया। यह गोगोई के संबोधन के दौरान रिजिजू के उस बयान के जवाब में था, जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्षी सांसदों ने असंसदीय शब्दों का प्रयोग किया और मैं इसका जबाव दूंगा।

इसके बाद कांग्रेस सांसद ने कहा कि भविष्य में जब संसदीय अभिलेखों और प्रतिलेखों का अध्ययन होगा, तब आंकड़े बताएंगे कि रिजिजू ही वे संसदीय कार्य मंत्री थे जिन्होंने विपक्ष को सबसे ज्यादा बार बाधित

किया। इस पर रिजिजू का बचाव कर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस तरह की बाधाएँ तभी आवश्यक होती हैं जब कोई संसदीय नियमों का पालन नहीं करता है, और उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल का उदाहरण दिया।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मैं सहमत हूँ, संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू जी ने सबसे ज़्यादा व्यवधान डाला है। लेकिन हम लोगों ने इतना गैर-जिम्मेदार विपक्ष भी कभी नहीं देखा। जिसका मतलब था कि व्यवधान विपक्ष द्वारा सदन के नियमों का बार-बार उल्लंघन करने के कारण थे। अपने संबोधन में, गोगोई ने यह भी कहा कि यह प्रस्ताव सदन की गरिमा की रक्षा के लिए लाया गया है, न कि किसी व्यक्तिगत प्रतिशोध के लिए। निचले सदन को संबोधित कर गोगोई ने कहा कि यह प्रस्ताव सदन की गरिमा की रक्षा करने की जिम्मेदारी के रूप में लाया गया है, न कि व्यक्तिगत रूप से ओम बिरला के खिलाफ।

केंद्र सरकार चला रही 54 मंदिर-तीर्थ कॉरिडोर प्रोजेक्ट, राजस्थान में सर्वाधिक 4

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देश भर में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 54 मंदिर-तीर्थ कॉरिडोर परियोजनाएँ चला रही है। ये परियोजनाएँ 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू हैं। इनमें सर्वाधिक 4 राजस्थान में हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इन 54 परियोजनाओं में सबसे अधिक चार परियोजनाएँ राजस्थान में हैं, जो राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के केंद्र के प्रयासों को दर्शाती हैं। यह योजना न केवल तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने पर केंद्रित है, बल्कि मंदिरों और उनके आसपास के बुनियादी ढांचे को भी सशक्त करने का लक्ष्य रखती है।

केंद्र सरकार के अनुसार, यह पहल देश के सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों को सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से विकसित करने के लिए अहम कदम है। योजना के अंतर्गत कॉरिडोर के पास यात्रियों के लिए सुविधाएं, मार्गदर्शन और संरचनात्मक सुधार किए जा रहे हैं, जिससे धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी। इस प्रकार, 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैली इन परियोजनाओं के माध्यम से देशभर में धार्मिक स्थलों की अहमियत और पर्यटकों के अनुभव को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

वीएसआर के मालिक को दुर्घटना के तुरंत बाद कैसे पता चला पायलट की गलती थी?

एनसीपी(एसपी) के विधायक रोहित पवार ने वी के सिंह के बयान पर उठाए सवाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार और चार अन्य लोगों की विमान दुर्घटना में हुई मौत की जांच अब एक नए विवाद का केंद्र बन गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने इस मामले में विमानन कंपनी वीएसआर वेंचर्स के मालिक वी के सिंह की भूमिका और उनके बयानों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। सीआईडी ने हाल ही में वीएसआर वेंचर्स के मालिक से पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिंह ने इस दुर्घटना के लिए पायलट को जिम्मेदार बताया। इसी दावे पर रोहित ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

मीडिया रिपोर्ट कके मुताबिक सीआईडी के एक ??अधिकारी ने कोई विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा था कि सीआईडी ने पिछले सप्ताह वी के सिंह से पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया। सीआईडी ??ने सिंह से पूछताछ के संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है। वीएसआर वेंचर्स द्वारा

संचालित एक लीयरजेट 45 विमान 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती हवाई पट्टी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस घटना में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी।

मीडिया के एक वर्ग ने सीआईडी को दिए सिंह के बयान का जिक्र किया था। रोहित पवार ने मीडिया के एक वर्ग में आए सिंह के इस बयान का हवाला देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ब्लैक बॉक्स में वास्तव में क्या रिकॉर्ड हुआ था, यह अब तक सामने नहीं आया है। अगर ऐसा है, तो वीएसआर कंपनी के मालिक को दुर्घटना के कुछ ही समय बाद कैसे पता चला कि यह पायलट की गलती थी? वह खुद को इससे दूर रखते हुए दोष किसी और पर डालने की कोशिश कर रहे हैं।

रोहित ने बताया कि कभी रिपोर्ट में कहा जाता है कि विमान का 'ब्लैक बॉक्स' जल गया है, जबकि कभी दावा किया जाता है कि डेटा बरामद कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां ??इस मामले पर पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए हैं। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी दुर्घटना के बावजूद सीआईडी ने वी के सिंह से हुई पूछताछ को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। रोहित का मानना है कि इस चुप्पी से जनता के मन में संदेह पैदा हो रहा है। यह मामला अब एक दुर्घटना नहीं, बल्कि एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुका है। क्या ब्लैक बॉक्स का सच कभी सामने आएगा या यह फाइलों में ही दफन हो जाएगा?

एलपीजी संकट पर केजरीवाल का पीएम मोदी पर तंज... अपनी कुछ मजबूरियों के कारण ट्रंप के सामने झुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देश में संभावित एलपीजी संकट को लेकर केंद्र पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कुछ मजबूरियों के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुक रहे हैं और इसकी कीमत देश को चुकानी पड़ रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में अस्थिरता पैदा हो गई है, इससे तेल और गैस बाजार प्रभावित हो रहे हैं। इस बीच केजरीवाल ने दावा किया कि देशभर में कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को एलपीजी की आपूर्ति रोकी गई है। उनके अनुसार, शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोड़कर अन्य सभी कारोबारी प्रतिष्ठानों को फिलहाल एलपीजी गैस नहीं दी जा रही है और गैस केवल घरेलू उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने आशंका जाहिर की कि आने वाले दिनों में गैस और तेल

की स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

दरअसल, यह बयान उस समय आया जब पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दे दिया है। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और वैश्विक आपूर्ति में बाधा को देखकर देश में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। इसलिए अतिरिक्त एलपीजी उत्पादन को विशेष रूप से घरेलू उपयोग के लिए निर्देशित किया गया है। मंत्रालय ने यह भी घोषणा की कि मौजूदा आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित बनाए रखने और जमाखोरी तथा कालाबाजारी को रोकने के लिए एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए 25 दिनों की इंटर-बुकिंग अवधि लागू की गई है। मोदी सरकार ने रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल इकाइयों को एलपीजी उत्पादन अधिकतम करने तथा प्रमुख हाइड्रोकार्बन स्रोतों को एलपीजी पूल में भेजने का निर्देश दिया है। मोदी सरकार का कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य आम नागरिकों को रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करना और संकट के समय ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर बनाए रखना है। वहीं विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर सवाल उठा रहा है।

राजस्थान में बढ़ते प्रदूषण से लोगों की घटा रहा उम्र, साल में 20 दिन ही मिल रही शुद्ध हवा

-रिपोर्ट में खुलासा जहरीली हवा में खतरनाक कण मौजूद, शरीर को पहुंच रहा नुकसान

श्रीनगर (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। राजस्थान में बढ़ता प्रदूषण प्रदेशवासियों की औसत उम्र घटा रहा है। जयपुर में तो साल में 20 दिन ही शुद्ध हवा लोगों को मिल रही है। जहरीली हवा में मौजूद बारीक कण सिर्फ फेफड़े ही नहीं दिमाग की नसों तक पहुंच रहे हैं। किडनी डैमेज होने का खतरा बढ़ रहा है। एक ताजा रिपोर्ट में यह चौंकान वाला खुलासा हुआ है। रिपोर्ट बताती है कि जयपुर का हर नागरिक अपनी औसत उम्र के 3 साल 10 महीने और 24 दिन सिर्फ जहरीली हवा के कारण कम कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट ने 25 फरवरी 2026 को 'स्टेट ऑफ इंडियाज एनवायरमेंट-2026' नाम से एक रिपोर्ट जारी की थी। प्रदेश के लिए वर्ष 2021 से 2025 के बीच प्रदूषण स्तर एक्यूआई के आंकड़े जुटाए गए फिर प्रदूषित हवा में मौजूद सूक्ष्म कणों की मात्रा के आधार पर आंकलन किया गया कि ये उम्र पर कितना असर डाल रहे हैं। रिपोर्ट में सामने आया कि जहरीली हवा में इतने खतरनाक कण मौजूद हैं, जो सांस से हमारे शरीर में जा रहे हैं। इससे प्रदेश के हर व्यक्ति की उम्र औसतन घट रही है।

प्रदेश की अनुमानित आबादी 8 करोड़ है। सबसे ज्यादा आबादी जयपुर की है। जयपुर में रहने वाले लोग औसत से भी 7 महीने ज्यादा उम्र खो रहे हैं। आंकड़े के मुताबिक 1 जनवरी 2021 से 31 मार्च 2025 के बीच कुल 1,550 दिनों में से करीब 450 दिन एक्यूआई खराब से बहुत खराब श्रेणी में रहा। इसका मतलब यह है कि जयपुर का हर तीसरा दिन प्रदूषण के उस खतरनाक स्तर पर पहुंचा, जिसके संपर्क में लंबे समय तक रहने पर सांस और हार्ट संबंधी रोग हो सकते हैं। इसके विपरीत पूरे साढ़े चार साल में केवल 81 दिन ही ऐसे थे, जब लोगों को अच्छी हवा मिली यानी जयपुर वालों को साल में औसत रूप से 20 दिन भी पूरी तरह शुद्ध हवा नसीब नहीं हुई।

रिपोर्ट से पता चलता है कि जहरीली हवा आपके शरीर के हर हिस्से को छलनी कर रही है। हवा में मौजूद बारीक कण खून के जरिए दिमाग तक पहुंच रहे हैं। इससे ब्रेन फॉग, चिड़चिड़ापन और नींद की कमी हो रही है। लंबे समय में यह अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसी बीमारियों का रिस्क बढ़ा रही है। प्रदूषित हवा के कारण बच्चों में एनीमिया यानी खून की कमी और जन्म के समय कम वजन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। यह हवा किडनी की कार्य क्षमता को बिगाड़ रही है और डायबिटीज का खतरा बढ़ा रही हैं।

जयपुर के अस्थमा रोग विशेषज्ञ बताते हैं- वायु प्रदूषण के कारण अस्थमा की समस्याओं वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। इसके कारण सांस लेने में दिक्कत, ब्रेन फॉग, सिरदर्द, चिड़चिड़ापन और नींद की समस्या से जूझ रहे मरीज ज्यादा आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदूषित हवा का असर बच्चों और बुजुर्गों पर ज्यादा हो रहा है। बच्चों में एनीमिया, फेफड़ों का कमजोर विकास और कम वजन जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं, जबकि वयस्कों में किडनी से जुड़ी परेशानी, डायबिटीज और हृदय रोग का खतरा भी बढ़ता देखा जा रहा है।

डॉक्टर के मुताबिक जिन क्षेत्रों में प्रदूषण ज्यादा है, वहां रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। बाहर निकलते समय मास्क का इस्तेमाल करें, पौष्टिक भोजन लेना चाहिए ताकि शरीर की इम्यूनिटी मजबूत बनी रहे। साथ ही बच्चों और बुजुर्गों का खास ध्यान रखना जरूरी है, क्योंकि प्रदूषण का असर इन पर ज्यादा तेजी से होता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता तीन काले कृषि कानूनों से भी अधिक खतरनाक: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

समझौते के कृषि प्रभावों पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि डीडीजीएस और सोयाबीन तेल जैसे फीड विकल्पों का सस्ता आयात मक्का और सोयाबीन की कीमतों को काफी हद तक गिरा सकता है, जिससे पंजाब में फसल विविधीकरण के प्रयासों को बड़ा झटका लग सकता है। उन्होंने आगे कहा कि भले ही कपास के आयात को कोटा के माध्यम से नियंत्रित किया जाता है, फिर भी यह कपास की कीमतों में गिरावट का कारण बन सकता है, जिससे पंजाब के मालवा क्षेत्र के कपास किसानों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि कुछ गैर-शुल्क (नॉन-टैरिफ) शर्तों में ढील देने से जीएमओ सामग्री के प्रवेश तथा नए कीटों, फसल रोगों और खतरनाक खरपतवारों के फैलने का खतरा बढ़ सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी स्थिति पंजाब के कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में कृषि संरचना भारत की तुलना में काफी अलग है। अमेरिका की कृषि विशाल खेतों, उच्च सब्सिडी और पैमाने की अर्थव्यवस्था पर आधारित है, जो उत्पादकों को कम कीमतों पर भी निर्यात करने में सक्षम बनाती है। ऐसी स्थिति में पंजाब के किसानों के लिए अमेरिकी कृषि उत्पादों से मुकाबला करना बेहद कठिन हो जाएगा। उन्होंने बताया कि अमेरिका से पशुओं के चारे के लिए सोया फीड कथित तौर पर बड़ी मात्रा में आयात किया जाएगा। पंजाब लगभग 1.25 लाख हेक्टेयर में मक्का की खेती करता है और इस समझौते से मक्का तथा सोयाबीन दोनों फसलों पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसी तरह अमेरिका से कपास का आयात पंजाब के किसानों को बहुत प्रभावित कर सकता है, जहां लगभग 2.5 लाख एकड़ में कपास की खेती होती है। खेतों के आकार और सब्सिडी में असमानता को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अमेरिका में औसत किसान के पास लगभग 500 एकड़ भूमि होती है और अमेरिकी किसानों को भारतीय किसानों की तुलना में लगभग 35 प्रतिशत अधिक सब्सिडी मिलती है। इसके विपरीत पंजाब के किसानों के पास आमतौर पर केवल दो से ढाई एकड़ जमीन होती है, जिससे उनके लिए अमेरिकी उत्पादों का मुकाबला करना बेहद मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि बौद्धिक संपदा (इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी) से संबंधित प्रावधानों के कारण किसान अगले फसल सीजन के लिए बीज नहीं बचा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, किसानों को अगले फसल सीजन के लिए बीज बचाने की अनुमति नहीं होगी क्योंकि बीज पेटेंट सुरक्षा के दायरे में आ जाएंगे। किसान इसके कारण बहुराष्ट्रीय कंपनियों के ग्राहक बन जाएंगे और बीज डीलरों को नए लाइसेंस लेने की जरूरत पड़ेगी। इस समझौते से विदेशी कंपनियों को कृषि क्षेत्र में पैर पसारने का अवसर मिल जाएगा। प्रधानमंत्री के विदेशी दौरों पर कटाक्ष करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने टिप्पणी की, प्रधानमंत्री अक्सर ऐसे देशों का दौरा करते हैं जिनके नाम बहुत से लोगों ने कभी सुने भी नहीं होते। ये दौरे लगभग 10,000 की आबादी वाले छोटे देशों में आयोजित शो जैसे लगते हैं। ऐसे देशों में घूमने के बजाय उन्हें भारत के 1.25 अरब लोगों की आवाज़ सुनने पर ध्यान देना चाहिए। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने प्रधानमंत्री के वन्यजीव कार्यक्रम में आने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि डिस्कवरी चैनल जैसे प्लेटफॉर्मों का इस्तेमाल अपने प्रचार के लिए किया जा रहा था। ऐतिहासिक घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा कि एक बार अमेरिका से आयात की गई गेहूं के साथ खतरनाक कांग्रेस बूटी भी आ गई थी, जो आज भारत में एक बड़ी समस्या बनी हुई है। मुख्यमंत्री ने आगे चिंता जताई कि केंद्रीय बजट में कृषि के हिस्से में भारी कटौती की गई है। उन्होंने कहा, कभी कृषि को केंद्रीय बजट का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा दिया जाता था, लेकिन अब इसे घटाकर लगभग 7 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके साथ ही भारतीय फलों और कृषि उत्पादों को विदेशों में सख्त परीक्षण से गुजरना पड़ता है, जबकि अमेरिका से आयात किए गए उत्पादों को अक्सर वहां स्वीकृत प्रयोगशालाओं के माध्यम से ही मंजूरी दे दी जाती है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने यह भी कहा कि जब विपक्ष संसद में मुद्दे उठाता है तो उनकी आवाज़ अक्सर दबा दी जाती है। उन्होंने टिप्पणी की कि भारत को विश्व गुरु बनाने के बजाय नरेंद्र मोदी की सरकार विश्व चेला बनने की दिशा में बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र का पंजाब के प्रति नजरिया राज्य के साथ की जा रही अनदेखी को दर्शाता है। उन्होंने कहा, हालांकि बाढ़ के दौरान पंजाब को पर्याप्त फंड नहीं मिले, लेकिन अफगानिस्तान को वित्तीय सहायता प्रदान की गई। केंद्र ने पंजाब के ग्रामीण विकास फंड (आरडीएफ), जीएसटी और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से संबंधित फंड अभी तक जारी नहीं किए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि चंडीगढ़ और पंजाब विश्वविद्यालय पर कब्जा करने की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि केंद्र सरकार में ज्यादातर फैसले केवल दो नेताओं—प्रधानमंत्री और गृह मंत्री—द्वारा ही लिए जाते हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जब उन्होंने अनाज भंडारों की लिफ्टिंग और खाद की आपूर्ति के संबंध में केंद्रीय मंत्रियों से संपर्क किया तो उन्होंने जवाब दिया कि इसके लिए उच्च नेतृत्व से मंजूरी आवश्यक है। उन्होंने भारत की विदेश नीति को लेकर भी चिंता जताई। उनका कहना था कि कई अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में भी प्रधानमंत्री को आमंत्रित नहीं किया गया, जो देश की स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने पहले किए गए विरोध के बावजूद रक्षा क्षेत्र में 51 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (स्न्रष्ठढ्ढ) की अनुमति देने के फैसले की भी आलोचना की। मुख्यमंत्री ने कहा, सरकारी इमारतों और शहरों के नाम बदलने के बजाय केंद्र को लोगों के जीवन को बेहतर बनाने पर ध्यान देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की आलोचना करना एक लोकतांत्रिक अधिकार है और सरकार के खिलाफ बोलने वाले किसी भी व्यक्ति को देशविरोधी नहीं कहा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो जैसी एजेंसियों का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है और लोकतंत्र की आवाज़ को दबाया जा रहा है। पंजाब के कई राजनीतिक नेताओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह, सुनील जाखड़, मनप्रीत सिंह बादल, प्रताप सिंह बाजवा और रवनीत सिंह बिट्टू जैसे नेताओं ने पंजाब और पंजाबियों के साथ हो रहे अन्याय पर चुप्पी साध रखी है। मुख्यमंत्री ने अंत में किसान यूनियनों, कृषि विशेषज्ञों और बुद्धिजीवियों से इस समझौते के खिलाफ एकजुट होने और अपनी आवाज़ बुलंद करने की अपील की। उन्होंने आगे कहा, भारतीय कृषि के भविष्य की रक्षा करना समय की मांग है। नहीं तो केंद्र सरकार देश और उसके लोगों के अधिकारों को लूटकर उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका के सामने गिरवी रख देगी। ऐसा गलत काम न तो स्वीकार्य है और न ही लाभदायक। पंजाब विधानसभा ने प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित किया।

उत्तम नगर में युवक की हत्या के बाद तनाव, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में महिला पर पानी भरा गुब्बारा गिरने के बाद 26 वर्षीय तरुण की हत्या के मामले में पुलिस की लापरवाही को लेकर शुक्रवार को लोगों ने हंगामा किया। प्रदर्शनकारियों ने ने आरोपियों के घर के बाहर खड़ी एक कार में आग लगा दी। बीती रात प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोपियों के घर के बाहर तीन गाड़ियों को तोड़ दिया था। लोगों का आरोप था कि दो दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। दिल्ली पुलिस ने उत्तम नगर इलाके में अर्धसैनिक बलों और पुलिस कर्मियों को तैनात कर दिया था। अधिकारी ने कहा कि इलाके में सुरक्षा कड़ी की गई है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियात के तौर पर अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। इतना ही नहीं गुस्साए लोगों ने न केवल उत्तम नगर थाने का घेराव किया। शुक्रवार देर रात तक खबर लिखे जाने तक लोग उत्तम नगर थाने के बाहर सड़क पर बैठे हुए थे। हंगामा बढ़ते देख पुलिस ने

मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक नाबालिग को हिरासत में लिया है। बाकियों की पहचान की जा रही। मृतक तरुण के चाचा टेकचंद ने बताया कि होली की शाम को 7 वर्षीय लड़की अपने घर के ऊपर बालकनी में हाथ में गुब्बारा लेकर खड़ी थी, जिसमें पानी भरा था। अचानक गुब्बारा हाथ से छूटकर बालकनी से नीचे गिर गया, जो नीचे खड़ी दूसरे समुदाय की महिला के ऊपर जा लगा। इस पर महिला ने लड़ाई-झगड़ा शुरू कर दिया। बच्ची और उसके परिवार वालों ने माफी भी मांगी। परिवार ने कहा कि बच्ची ने गुब्बारा जानबूझकर नहीं मारा, बल्कि गलती से हाथ से गुब्बारा गिर गया था। बावजूद इसके समुदाय विशेष के लोगों ने उनके घर पर हमला कर दिया। आरोपियों ने न केवल घर में तोड़ फोड़ की बल्कि महिलाओं के साथ बदसलूकी भी की। झड़प में मृतक तरुण के दादा मान सिंह भी घायल हुए हैं। वारदात के बाद सोशल मीडिया पर भी लोगों का गुस्सा फूटा है। वारदात के वीडियो साझा करते हुए लोगों ने आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि मासूम बच्ची से हुई गलती की सजा उसके परिजनों को क्यों दी गई। वहीं पुलिस ने कहा कि स्थिति पर करीब से नजर रखी जा रही है और इलाके के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जा रही है।

डीडीए की नागरिक आवास योजना में 25 फीसदी छूट पर घर खरीदने का मौका

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने 'डीडीए नागरिक आवास योजना 2026' के तहत दिल्ली में फ्लैट्स पर 25 प्रतिशत तक की छूट दी है। नरेला और सिरसपुर इलाके में लगभग 800 फ्लैट बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। डीडीए के अनुसार नरेला में एचआईजी, एमआईजी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के फ्लैट उपलब्ध हैं, जबकि सिरसपुर में एलआईजी श्रेणी के फ्लैटों की बिक्री की जा रही है। योजना के तहत 25 प्रतिशत छूट के बाद फ्लैटों की शुरुआती कीमतें अलग-अलग श्रेणियों में तय की गई हैं। नरेला में एचआईजी फ्लैट की शुरुआती कीमत लगभग 95.88 लाख रुपये, एमआईजी फ्लैट की कीमत करीब 66.28 लाख रुपये और ईडब्ल्यूएस फ्लैट की कीमत लगभग 9.60 लाख रुपये रखी गई है। वहीं सिरसपुर में एलआईजी फ्लैट की शुरुआती कीमत लगभग 11.51 लाख रुपये है। डीडीए का कहना है कि योजना के तहत सभी फ्लैट फ्रीहोल्ड संपत्ति के रूप में उपलब्ध होंगे और यह रेडी-टू-मूव-इन है। यानी खरीदारों को फ्लैट मिलने के बाद तुरंत उसमें रहने की सुविधा मिल सकेगी। साथ ही इच्छुक लोगों के लिए सैंपल फ्लैट भी उपलब्ध कराए गए हैं, जिन्हें देखकर खरीदार निर्णय ले सकते हैं। फ्लैट की बुकिंग 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर की जा रही है।

डेयरी मालिक को चाकू से गोदकर उतारा मौत के घाट; दोस्त थे साथ

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। चिढ़ाने से नाराज नाबालिग ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर पालम गांव में एक डेयरी मालिक की चाकू गोदकर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त 25 साल के पुनीत यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले की छानबीन करते हुए मुख्य आरोपी नाबालिग समेत पांच आरोपियों को पकड़ा है। जिसमें दो बालिग आरोपी हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि 4 मार्च को पालम गांव थाना पुलिस को मणिपाल अस्पताल से एक युवक को चाकू मारे जाने के बाद भर्ती कराए जाने की जानकारी मिली। अस्पताल पहुंचने पर पुलिस को पता चला कि घायल पुनीत यादव को डॉक्टरों ने मृत घोषित किया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की छानबीन शुरू की। जांच में पता चला कि पुनीत डेयरी चलाता था और अविवाहित था। पुलिस महावीर एन्क्लेव की गली नंबर 7 स्थित घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस को पूछताछ में पता चला कि 8-10 लोगों ने उसपर चाकू से हमला किया था। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आस पास के सीसीटीवी कैमरों की जांच की। फुटेज के जरिए पुलिस ने दो आरोपियों की पहचान करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी नाबालिग समेत तीन नाबालिगों को पकड़ लिया। गिरफ्तार दो बालिग आरोपियों की पहचान 24 साल के महावीर नगर निवासी धर्मेंद्र और ओमकार के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक दोनों दूध बेचने का काम करते हैं। पकड़े गए दो नाबालिग दसवीं कक्षा में स्कूल ड्रॉप आउट हैं, वहीं एक आरोपी सातवीं कक्षा में पढ़ता है। पूछताछ में एक नाबालिग ने बताया कि मृतक उसे बार बार चिढ़ाता था। जिससे उसे काफी बुरा लगा। उसने उसे सबक सिखाने के लिए साजिश रची और अन्य आरोपियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ने वारदात को अंजाम देने के दौरान नशे का सेवन किया था। उसने ही पुनीत पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया।

PUBLIC NOTICE

SUPRIYA BISHT W/O SH. SANJAY SINGH RAWAL, D/O SH. HOSHIYAR SINGH BISHT, R/O D-8/248, CHATTARPUR, NEW DELHI-110074, do hereby declare that SUPRIYA BISHT and SUPRIYA RAWAL are names of one and the same person. Henceforth, I shall be known as SUPRIYA RAWAL for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MANJEET KAUR (Aadhar Card No 6411-1519-8532), D/o Sh. Sham Singh, W/o Sh. Pawan Kumar R/o E-68, J.J. Colony Sector-1, Dwarka, South West Delhi, Delhi-110075, declared that before marriage my name was SUKHWANT KAUR as per my School Leaving Certificate (School Record) during the academic year 2002-2004, but after marriage my name is MANJEET KAUR as per my Aadhar Card No. 6411-1519-8532.

NAME CHANGE

I Chirstina John, Christina John D/O Hari Mohan W/O Karan Sharma R/O H. No-B-30, Christion colony, Near Patel Chest, Delhi- 110007 have changed my name to Deepanjali Sahu for all future purposes

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री अंशु द्वारा खसरा संख्या 1600 में से 105 वर्ग गज (अर्थात 87.8 वर्ग मीटर) भूमि का एक प्लॉट, जो सिकंदराबाद (नगर पालिका क्षेत्र से बाहर), जिला बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश में स्थित है, श्री सुभाष गौर से क्रय करने का प्रस्ताव है। उक्त सम्पत्ति के सम्पूर्ण भाग के मूल स्वामी श्री शिव लाल पुत्र श्री जुम्मा थे, जिन्होंने दिनांक 12.12.1996 को एक विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से यह सम्पत्ति श्री खदाली गौर के नाम विक्रय कर दी थी। इसके पश्चात श्री खदाली गौर ने दिनांक 15.07.2014 को अपने पोते श्री सुभाष गौर के पक्ष में एक पंजीकृत वसीयत (Registered Will) निष्पादित की। दुर्भाग्यवश श्री खदाली गौर पुत्र श्री राम गौर का निधन दिनांक 27.10.2020 को हो गया। परिणामस्वरूप श्री सुभाष गौर उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी बन गए। यह भी पुष्टि की जाती है कि उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, ऋण या अन्य किसी दावे से मुक्त है। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति को वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw@wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरे मुवक्किलगण श्री राजिन्द्र कुमार पुत्र स्व0 लक्ष्मी नारायण व श्रीमती नीतू पत्नी श्री राजिन्द्र कुमार निवासी-सी-2/3, अपर ग्राउण्ड फ्लौर, वशिष्ट पार्क, रघु नगर, वेस्ट सागरपुर, नई दिल्ली-110045 ने अपने पुत्र जतिन कुमार उपरोक्त निवासी को आज के दिन से ही अपनी समस्त चल व अचल संपति से बेदखल कर रहे हैं। और उससे अपने सभी प्रकार के सम्बन्ध विच्छेद कर रहे हैं। उसके द्वारा किसी भी प्रकार का किसी भी व्यक्ति के साथ किये गये लेन-देन या अन्य कार्यों के लिये वह व्यक्ति स्वंय जिम्मेदार होगा इसमे मेरे मुवक्किलगण की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

PARDEEP KUMAR JANGRA
Advocate
CH. NO.211, CIVIL COURT
BAHADURGARH(HR)

NAME CHANGE

I Santosh Devi W/O Naresh Kumar R/O VPO-Fazilpur, District Sonipat Haryana 131001 have changed my name to Santosh for all future purposes.

NAME CHANGE

I Smriti Nangia D/O Papinder Kumar Nangia R/o 142-B, GG1, Vikaspuri, New Delhi-110018, have changed my son's name from Tavish Gulati to Tavish Nangia for all future purpose.

NAME CHANGE

I Md Noman Khan son of Abdul Basar Khan resident of 503B, Second Floor, Gali no. 5A, Govind Puri, New Delhi-110019, have changed my minor son name Mohammad Abdulla Khan to MD ABDULLA KHAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Mohammad Noman Khan s/o Abdul Basar Khan r/o 503-B, Second Floor, Gali no. 5A Govind Puri, New Delhi-110019, have changed my name from Mohammad Noman Khan to Md Noman Khan for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, KM HEERO D/O SUKHVEER W/O SUNIL KHARB R/O VPO-Mundela, Mundela Khurd, South West Delhi, Delhi-110073 declare that name of mine and my father has been wrongly written as HEERO and SUKHBIR in my Pan Card No-BJJPH0555G, and name of mine and my father has been wrongly written as KM HEERO KUMARI and SUKHVIR SINGH in my 12th Class Educational Documents that name of my father has been wrongly written as SUKHVEER SINGH in my all Educational Documents and OBC Certificate No-90500000943075. The actual name of mine and my father are KM HEERO and SUKHVEER respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री धीरज शर्मा पत्नी श्री राम गोपाल शर्मा, भूतल के मालिक है, जिसके छत टेंरेस के अधिकार नहीं हैं, क्षेत्रफल 30 वर्ग गज है, संपत्ति संख्या आरजेड-डी-3/133, प्लॉट संख्या 18 पर निर्मित, खसरा संख्या 89, गली संख्या 4 में से, गाँव नसीरपुर, आबादी जिसे महावीर एन्क्लेव, नई दिल्ली-110045 के रूप में जाना जाता है, के क्षेत्र में श्रीमती पूजा रॉय पत्नी श्री शशि भूषण रॉय द्वारा निष्पादित बिक्री विलेख दिनांक 16.12.2025 के अनुसार और संपत्ति श्रृंखला में मूल बिक्री विलेख दिनांक 17.01.2015 को श्री कपिल देव द्वारा श्रीमती विजय लक्ष्मी शाह के पक्ष में निष्पादित, विधिवत पंजीकृत दस्तावेज संख्या 492 के अनुसार, खो गया है और पहले ही ऑनलाइन एफआईआर आवेदन संख्या 128629/2026 के माध्यम से दिनांक 28.06.2026 पर दर्ज की गई है। 25.02.2026, और इसे शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किया जाना है, आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी के पास उक्त संपत्ति पर कोई शुल्क / ब्याज / शीर्षक है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में नीचे दिए गए पते पर सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती सीता देवी प्लॉट संख्या 56 (पश्चिमी भाग) की स्वामिनी हैं, जिसका क्षेत्रफल 55 वर्ग गज है, जो कि खसरा मुस्तातिल संख्या 20, किला संख्या 21, 22/1, मुस्तातिल संख्या 33, किला संख्या 1/1, मुस्तातिल संख्या 19, किला संख्या 25 तथा मुस्तातिल संख्या 33, किला संख्या 1/2 से निकली भूमि का भाग है, जो वाका मौजा झारसेटली, तहसील बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद (हरियाणा) में स्थित है। उक्त सम्पूर्ण भूमि के मूल स्वामी श्री शिव राम एवं श्री तेज राम थे, जिन्होंने दिनांक 25.01.2010 को निष्पादित विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से उक्त भूमि M/s. Iris Infra Project Pvt. Ltd. को विक्रय की। तत्पश्चात M/s. Iris Infra Project Pvt. Ltd. ने दिनांक 26.09.2018 के विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त भूमि श्री प्रमोद मंगला को विक्रय की। इसके बाद श्री प्रमोद मंगला ने दिनांक 01.03.2019 को निष्पादित पंजीकृत General Power of Attorney, Agreement to Sell एवं Will के माध्यम से उक्त सम्पत्ति श्री सौरव दुदेजा को हस्तांतरित की। आगे श्री सौरव दुदेजा ने दिनांक 16.06.2022 को निष्पादित पंजीकृत Special Power of Attorney, Agreement to Sell एवं Will के माध्यम से उक्त सम्पत्ति श्री मुस्ताक खान को हस्तांतरित की। अंततः श्री मुस्ताक खान ने दिनांक 10.06.2025 को निष्पादित विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से उक्त सम्पत्ति श्रीमती सीता देवी को विक्रय कर दी। अतः वर्तमान में श्रीमती सीता देवी उपर्युक्त संपत्ति की पूर्ण एवं वैध स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, ग्रहणाधिकार, दावा या अन्य किसी भी प्रकार के दायित्व से मुक्त है। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति को RBL Bank Ltd., ओखला शाखा, नई दिल्ली के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है।
यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw@wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

इसके द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती निशु पत्नी श्री दिनेश कुमार द्वारा निर्मित तीसरी मंजिल के संबंध में, छत के अधिकार सहित, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज यानि 41.80 वर्ग मीटर, संपत्ति संख्या एफ-83 पर निर्मित, खसरा संख्या 466/1 में से, गाँव घोंडा गुजरान खादर के क्षेत्र में ब्लॉक-एफ ब्लॉक, गली नं 4, सुभाष विहार, उत्तरी घोंडा, इलाका शाहदरा दिल्ली-110053 की आबादी में स्थित, रजिस्टर्ड के आधार पर पारिवारिक जीपीए दिनांक 01.01.2026, नोटरीकृत पारिवारिक उपहार विलेख ओर नोटरीकृत पारिवारिक वसीयत विलेख, श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री पन्ना लाल द्वारा निष्पादित ओर उक्त संपत्ति श्रीमती पिंकी को बेची जानी है ओर उसी को एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किया जाना है, आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई भार/हित / स्वामित्व है या किसी प्रकार का विवाद है तो कृपया वर्तमान तिथि से 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE

I Vidhyawati W/o Putti Lal R/o House Number-21, Saraiya Mafi, Biswan, Gurera, Sitapur, Uttar pradesh - 261201, have changed my name to Rani Devi

NAME CHANGE

It is for general information that I, MEGHA SINGH D/O SANJAY KUMAR R/O D-388, Swarn Jayanti Puram Govindpuram, Ghaziabad Uttar Pradesh-201013, declare that name of mine has been wrongly written as MEGHA in my all educational documents. The actual name of mine is MEGHA SINGH which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Jamal Ahmad Khan S/o Shakoor Ahmad R/o 130/330, Bagahi, T P Nagar, Dist-Kanpur Nagar, Uttar Pradesh - 208023, have changed my name to Jamal Ahmad

NAME CHANGE

I, Ravendra Pal Singh S/o Komal Singh R/o Village Vishunipur, Jainpura, Etah, Jainpura, Uttar Pradesh - 207302, have changed my minor son's name from Monika Kumari Aged 16 Years to Meenu forever

NAME CHANGE

I Isha Rani D/o Surendra Kumar R/o District-Hapur, Chhapkauli, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 245201, have changed my name to Isha Chaudhary

NAME CHANGE

I Iliyas S/o Babu Shekh R/o House No-508, Near Choudhry Chowk. Toli mohalla. Loni, PO: Loni, DIST: Ghaziabad. Uttar Pradesh-201102 have changed the name of my minor son Ujef aged 13 years and he shall hereafter be known as Uzef.

NAME CHANGE

I hitherto known as Geeta Kukreja W/o Manoj Narang R/o B-410, Lajpat Nagar, Sahibabad, Pasonda, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 have changed my name and shall hereafter be known as Garima Narang.

NAME CHANGE

I hitherto known as Sh Ram Kumar Bindal S/o Ramgopal Bindal R/o Gali No-1, Gurudwara Road, Aadrsh Nagar, Modinagar, Modi Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204 have changed my name and shall hereafter be known as Ram Kumar Bindal.

NAME CHANGE

It is for general information that I JYOTI D/O VINOD KUMAR R/O 103/TF, Block-5A, Vishnu Garden Extn. Vishnu Garden, Tilak Nagar, West Delhi, Delhi-110018 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as VINOD and SHIKHA DEVI in my Birth Certificate No-MCDOLIR-0122-0403111566 and name of my father has been wrongly written as VINOD in my all educational documents. The actual name of my father and my mother are VINOD KUMAR and SHIKHA respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I hitherto known as Halke Bhai Son of Dhaniram Residing at House-16, Sector-12, Vasundhara Ghaziabad, Uttar Pradesh-201012 have changed my name and shall hereafter be known as Durjan.

NAME CHANGE

I.Ajay s/o Surender Kumar R/o H no. 76-A Vikas Nagar Uttam Nagar Delhi 110059 have changed my name to Ajay Kumar

NAME CHANGE

I, Irashad S/o Afasar Veg R/o 150, School Wali Gali, Khureji Khas, Krishna Nagar, Shahdara, Delhi-110051 have changed my name to Irshad Baig.

NAME CHANGE

I, Mehjabin W/o Irshad Baig R/o 150, School Wali Gali, Khureji Khas, Krishna Nagar, Shahdara, Delhi-110051 have changed my name to Mahjabin.

NAME CHANGE

I, Grace Prathana Elyas D/o Arun Elyas R/o A-13, Tower-15, Type-4, Kidwai Nagar East, Delhi-110023 have changed my name to Grace Elyas.

NAME CHANGE

I, VINOD PALIWAL S/O MOOL CHAND R/O HOUSE NO A-88/1, DEVLI EXTENSION, SOUTH DELHI, NEW DELHI 110080 have changed my name from VINOD PALIWAL to LALIT, and henceforth I shall be known as LALIT for all future purposes. That VINOD PALIWAL and LALIT both names belong to the same and one person.

NAME CHANGE

I, MONIKA RUHIL W/O AJAY KUMAR R/O B-12, SHRI RAM ENCLAVE, MARUTIKUNJ ROAD, BHONDSI, BHONDSI(168),GURGAON, HARYANA-122102, HAVE CHANGED MY NAME TO MONIKA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, DURGESH KUMAR NARANG S/O CHARAN JIT LAL NARANG R/O FLAT NO-990, SECOND FLOOR, SECTOR-45, KANAHI (73), GURGAON, HARYANA-122003 HAVE CHANGED MY NAME TO DURGESH NARANG FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, BALENDRA KUMAR S/O JAIVIR SINGH R/O HOUSE NO-A10-002,CITY HOMES, VATIKA NEXT, SECTOR-83, SIKOHPUR, GURGAON, HARYANA-122004 HAVE CHANGED MY NAME TO BALENDRA KUMAR SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, FIZA MEHRA D/O VINAY MEHRA R/O X-38, PHASE-2. DLF-QE, GURGAON, HARYANA-122002 HAVE CHANGED MY NAME TO FIZAA MEHRA FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Harry Arora S/O Vipin Kumar Arora, R/O T-60, JAIN COLONY, PART 1, NEAR DURGA MANDIR, D.K.Mohan Garden, West Delhi, Delhi-110059, declare that name of my father has been wrongly written as Vipin Arora in my 10th Class educational documents. The actual name of my father is Vipin Kumar Arora, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, VIRENDER SINGHS/o DHRAMPAL SINGH, R/o BAGHPAT ROAD, VALMIKI BASTI, SHEKHPURA, MEERUT CITY, MEERUT, UTTAR PRADESH-250002, declare that name of my two minor daughters hasbeen wrongly written as DEVYANSHI and NIDHIin my Service record. The actual name of mydaughters is MAYRA SINGH and NAYR

झज्जर में राष्ट्रीय मिल्ट्री स्कूल की योजना को सिरे चढ़ाएगी नायब सरकार

एजेंसी

चंडीगढ। झज्जर जिले के मातनहेल गांव में करीब चार दशक से लंबित सैनिक स्कूल परियोजना को अब नया रूप देने की तैयारी शुरू हो गई है। हरियाणा विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान सरकार ने स्पष्ट किया कि मातनहेल में सैनिक स्कूल की बजाय राष्ट्रीय मिल्ट्री स्कूल (आरएमएस) स्थापित किया जाएगा, जिसे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर विकसित किया जाएगा। सैनिक व अर्द्ध-सैनिक मामलों के मंत्री राव नरबीर सिंह ने सदन में बताया कि केंद्र सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित होने वाला यह संस्थान प्रदेश के युवाओं को सैन्य शिक्षा और अनुशासन का बेहतर अवसर देगा। 1987 में तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस द्वारा शिलान्यास किए जाने के बावजूद परियोजना अब तक साकार नहीं हो पाई थी। झज्जर से विधायक गीता भुक्कल ने सोमवार को सदन में यह मुद्दा उठाते हुए स्थानीय विद्यार्थियों और युवाओं के लिए सीटों व नौकरियों में आरक्षण की मांग भी रखी, जबकि अन्य मंत्रियों ने भी इस लंबे समय से लंबित मांग को पूरा कराने के प्रयासों का समर्थन किया। इस दौरान जितनी सरकारें आईं, सभी के मुख्यमंत्रियों ने स्कूल के लिए रक्षा मंत्रालय से पत्राचार किया, लेकिन स्कूल की घोषणा सिरे नहीं चढ़ पाई। भूतपूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व मनोहर लाल खट्टर ने भी स्कूल के लिए चिट्ठी लिखी लेकिन बात आगे नहीं बढ़ी। अब नायब सरकार ने भी इसके लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं।

नई जनगणना के आधार पर गांवों में नियुक्त होंगे सफाईकर्मी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई कर्मचारियों की नियुक्तियां 2011 की जनगणना के आधार पर की गई थीं। 2021 की जनगणना रिपोर्ट आने के बाद गांवों की नई आबादी के अनुसार सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। कृष्ण लाल पंवार विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान शून्य काल में फतेहाबाद के कांग्रेस विधायक बलवंत सिंह दौलतपुरिया द्वारा उठाये गए एक मुद्दे पर सदन में बोल रहे थे। लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि कोसली रेलवे स्टेशन के बाजार क्षेत्र में जहां से रेलवे लाइन गुजरती है, वहां रेलवे अंडरपास का निर्माण प्रस्तावित है। रेलवे अंडरपास के निर्माण के लिए सरकार ने 5 करोड़ 20 लाख 15 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। कोसली के भाजपा विधायक अनिल यादव द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब रणबीर गंगवा ने यह जानकारी दी। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सैनी ने विधानसभा में जानकारी दी कि तीन मार्च को हरियाणा प्रदेश की 602 गोशालाओं को 68 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई। आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 35 लाख महिलाओं को विभिन्न योजनाओं के तहत 1,357 करोड़ रुपये जारी किए गए। नौ मार्च को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के साथ साथ अलग अलग स्कीम के तहत 1,884 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई।

सोशल मीडिया पर ना करें हथियारों का प्रदर्शन, अन्यथा होगी कड़ी कार्रवाई : अमित यशवर्धन

हांसी। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने कहा है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हथियारों का प्रदर्शन करना, उनके साथ फोटो या वीडियो बनाकर पोस्ट करना तथा लोगों में भय या दहशत का माहौल पैदा करना कानूनन अपराध है। ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने सोमवार को कहा कि वर्तमान समय में कुछ लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप आदि पर अवैध या लाइसेंसी हथियारों के साथ फोटो और वीडियो डालकर अपनी झूठी धाक जमाने का प्रयास करते हैं। इस प्रकार की गतिविधियां समाज में गलत संदेश देती हैं तथा युवाओं को भी भटकाने का काम करती हैं। उन्होंने कहा कि हथियारों का इस प्रकार प्रदर्शन करना आर्म्स एक्ट सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत अपराध की श्रेणी में आता है। यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करता हुआ पाया जाता है तो उसके विरुद्ध संबंधित थाने में मामला दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों और युवाओं को इस प्रकार की गतिविधियों से दूर रहने के लिए प्रेरित करें तथा सोशल मीडिया का उपयोग सकारात्मक और जिम्मेदारी के साथ करें। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

संवेदनशील क्षेत्रों में आरएएफ और जिला पुलिस का संयुक्त सुरक्षा अभ्यास

यमुनानगर। यमुनानगर जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और किसी भी आकस्मिक स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारी के तहत रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) व जिला पुलिस ने संयुक्त रूप से विशेष सुरक्षा अभ्यास और सर्च अभियान चलाया गया।

इस दौरान सुरक्षा बलों ने विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में पहुंचकर हालात का आकलन किया और आपात स्थितियों में त्वरित कार्रवाई की रणनीतियों का अभ्यास किया। अभ्यास के अंतर्गत आरएएफ के जवानों और जिला पुलिस की संयुक्त टुकड़ियों ने जठलाना, रादौर और बुढ़िया थाना क्षेत्रों में पैदल मार्च और सघन जांच अभियान चलाया। टीमों ने प्रमुख स्थानों का निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियों का परीक्षण किया।

सीएम के एक क्लिक से लाभार्थियों के खाते में पहुंची 1884 करोड़ की राहत

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के एक क्लिक से लाभार्थियों के खाते में सीधी 1884 करोड़ की राहत राशि पहुंची। मुख्यमंत्री ने वृद्धा सम्मान भत्ता और दिव्यांगजन भत्ता सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत 842 करोड़ 92 लाख रुपये की राशि सीधे 26 लाख 12 हजार लाभार्थियों के खातों में डाली गई है।

चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ-2025 फसलों के लिए किसानों को बीमा क्लेम वितरित किये गए हैं।

उन्होंने बताया कि आज एक लाख 67 हजार 460 किसानों के बैंक खातों में 711 करोड़ 69 लाख रुपये की बीमा राशि वितरित की गई है। इसे मिलाकर प्रदेश में पिछले 11 सालों में किसानों को फसल के मुआवजे और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक 16 हजार 160 करोड़ रुपये की राशि दी गई है। जबकि पूर्व की कांग्रेस

सरकार के 10 साल के शासनकाल में केवल 1 हजार 138 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि जारी की गई थी। यही नहीं, कांग्रेस सरकार तो किसानों की 269 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि बकाया छोड़कर चली गई थी। इसे वर्तमान सरकार ने वर्ष 2014 में जनसेवा का दायित्व संभालने के बाद जारी किया। नायब सिंह सैनी ने बताया कि आढ़तियों को राज्य सरकार द्वारा दिया जाने वाला अतिरिक्त कमीशन भी आज लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित किया गया है। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा केंद्रीय भंडारण हेतु खरीदे जाने वाले खाद्यान्नों पर आढ़तियों को गेहूं पर 46 रुपये प्रति क्विंटल, धान पर 45 रुपये 88 पैसे तथा बाजरा पर 11 रुपये 75 पैसे प्रति क्विंटल की दर से कमीशन प्रदान किया जाता है। इस निर्धारित दर के अनुसार खरीफ खरीद सत्र 2025-26 के दौरान आढ़तियों को कुल लगभग 239 करोड़ 28 लाख रुपये की राशि दी जा चुकी है। इसके अलावा राज्य सरकार ने प्रदेश के आढ़तियों के हितों को ध्यान में रखते हुए रबी खरीफ सत्र 2024-25 से गेहूं, धान और बाजरा पर आढ़तियों को 55 रुपये प्रति क्विंटल की दर से कमीशन देने का निर्णय लिया था। इसी निर्णय के अनुसार आज धान और बाजरा पर केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित कमीशन के अतिरिक्त राज्य सरकार की ओर से शेष राशि का भुगतान किया गया है। आज प्रदेश के 11 हजार 199 आढ़तियों को कुल 56 करोड़ 97 लाख रुपये की राशि सीधे उनके बैंक खातों में डाली गई है।

यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा में झज्जर जिले के अभ्यर्थियों का रहा शानदार प्रदर्शन

एजेंसी

झज्जर। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा घोषित सिविल सेवा परीक्षा-2025 के परिणाम में जिला झज्जर के अभ्यर्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में जिले के सफल अभ्यर्थियों से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कीउपायुक्त ने कहा कि जिला झज्जर के लिए यह अत्यंत गौरव की बात है कि सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाले युवाओं ने देश की प्रतिष्ठित अखिल भारतीय सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ संकल्प के बल पर इन युवाओं ने यह उपलब्धि हासिल की है, जो जिले के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। उन्होंने कहा कि सिविल सेवक सरकार की नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। इस अवसर पर सफल अभ्यर्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर एकाग्रता के साथ मेहनत करना ही सफलता की कुंजी है।

डॉग बाइट मामलों पर गंभीर हुआ प्रशासन, नसबंदी अभियान तेज करने के निर्देश

एजेंसी

हिसार। जिले में लगातार सामने आ रहे डॉग बाइट के मामले आखिर प्रशासन के कानों तक पहुंच गए हैं। डॉग बाइट में कई लोगों के घायल होने व केवल एक दो दिन शोर मचने के बाद अक्सर मामला शांत हो जाता है लेकिन इस बार प्रशासन के कानों तक पीड़ितों की चीख पहुंचगई है। इसी के चलते उपायुक्त महेन्द्र पाल ने सोमवार को अधिकारियों की बैठक लेकर स्टेरलाइजेशन अभियान तेज करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में उपायुक्त ने अधिकारियों से अब तक की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली और आगे की कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में डॉग बाइट की घटनाओं को रोकने के लिए नगर निकाय और पशुपालन विभाग समन्वय बनाकर प्रभावी ढंग से कार्य करें। उपायुक्त ने पंचायत एवं विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी कुत्तों के स्टेरलाइजेशन कार्यक्रम को प्राथमिकता के आधार पर चलाया जाए, ताकि आवारा कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण किया जा सके। इसके साथ ही शहरी स्थानीय निकाय विभाग को भी निर्देश दिए कि शहर में चल रहे कुत्तों के स्टेरलाइजेशन अभियान को तेजी से पूरा किया जाए। उपायुक्त ने कहाकि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी और समय-समय पर इसकी समीक्षाकी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं। कुत्ते, बधियाकरण व वैक्सीनेशन जारीहाल ही में हुई।

रेवड़ी बांटकर जनता को गुमराह कर रही पंजाब की आप सरकार : मुख्यमंत्री नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब की आप सरकार और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों दल चुनावी रेवड़ी बांटने और लोक-लुभावने वादों से जनता को गुमराह कर रहे हैं।

चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पंजाब सरकार बजट में महिलाओं को नकद सहायता जैसी घोषणाएं कर रही है, लेकिन इससे जनता को गुमराह नहीं किया जा सकता। सैनी ने दावा किया कि पंजाब के लोग मौजूदा सरकार से तंग आ चुके हैं और प्रदेश में सत्ता परिवर्तन का मन बना चुके हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह दिल्ली में आम आदमी पार्टी को झटका लगा, उसी तरह पंजाब में भी उसका राजनीतिक भविष्य तय है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार केंद्र की आयुष्मान भारत योजना के लाभ में बाधा डाल रही है। सैनी ने भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा पंजाब को भी विकास के मामले में नंबर-वन राज्य बनाएगी। पंजाब की आप सरकार द्वारा बजट में एससी वर्ग की महिलाओं को 1500 रुपए तथा अन्य महिलाओं को 1000 रुपए देने की घोषणा के सवाल पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को नजदीक देख कर आप सरकार रेवड़ी बांट रही है लेकिन इससे उनकी पार्टी को कोई फायदा नहीं होगा क्योंकि पंजाब की जनता सत्ता परिवर्तन का मन बना चुकी है। सैनी ने चुटकी लेते हुए कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी चुनाव के समय लोक लुभावनी घोषणाएं करते थे, जैसा हाल उनका हुआ है वैसा ही हाल पंजाब में भगवंत मान की सरकार का अगले विधानसभा चुनाव में होगा। उन्होंने कहा कि जब भी पंजाब के लोग उनसे मिलने आते हैं तो वे बताते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बनाई गई आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने में पंजाब की आप सरकार रोड़े अटका रही है। पात्र लोगों को इस योजना का लाभ नहीं मिला पा रहा है।

नायब सिंह सैनी ने पंजाब सरकार पर पिछले दिनों उनके पंजाब राज्य के दौरे के दौरान हुए कार्यक्रमों में अड़ंगा डालने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के हरियाणा आगमन पर उनके मुख्यमंत्री के प्रोटोकॉल का सम्मान करते हुए पूरा उन्हें पूरा आदर सम्मान दिया जाता है।

वाटिका चौक से एनएच-48 तक 755 करोड़ में सिग्नल फ्री होगा एसपीआर एलिवेटेड कॉरिडोर

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने एनएच-48 से वाटिका चौक तक सदर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) 755 करोड़ रुपये के खर्च से सिग्नल फ्री होगा। इसके विकास, रखरखाव, प्रबंधन और संचालन के लिए एक एलिवेटेड कॉरिडोर के माध्यम से टेंडर जारी किया है। इस परियोजना के पूरा होन`से शहर के इस महत्वपूर्ण कॉरिडोर पर कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा। परियोजना के तहत वाटिका चौक से एनएच-48 के बीच साउदर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) को सिग्नल फ्री कॉरिडोर के रूप में उन्नत किया जाएगा, जिससे गुरुग्राम में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को प्रबंधित करने और आवागमन को बेहतर बनाने के लिए एक दीर्घकालिक समाधान उपलब्ध होगा। प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर जमीनी स्तर पर ट्रैफिक भीड़ को कम करने में सहायक होगा, क्योंकि यह वाहनों के लिए एक अतिरिक्त यातायात स्तर उपलब्ध कराएगा, जिससे जाम की

स्थिति में कमी आएगी। विशेष रूप से पीक आवर्स के दौरान यात्रा समय में सुधार होगा। जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी.सी. मीणा ने कहा कि गुरुग्राम में तेजी से शहरी विस्तार हो रहा है। शहर की बढ़ती आवाजाही आवश्यकताओं को पूरा करने तथा आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए उच्च क्षमता वाली सड़क अवसंरचना का विकास एक प्रमुख प्राथमिकता बना हुआ है। प्रस्तावित अवसंरचना उन्नयन से एसपीआर कॉरिडोर के आसपास स्थित कई सेक्टरों के निवासियों और यात्रियों को लाभ मिलेगा, जिनमें तेजी से विकसित हो रहे आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्र भी शामिल हैं। यह परियोजना गुरुग्राम की सड़क अवसंरचना को मजबूत करने और एक अधिक कुशल तथा भविष्य के लिए तैयार शहरी गतिशीलता नेटवर्क विकसित करने के लिए प्राधिकरण के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। इस परियोजना के तहत वाटिका चौक से एनएच-48 के बीच 4.2 किलोमीटर लंबा सिग्नल-फ्री 4+4 लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। डिजाइन में 3+3 लेन की मुख्य सर्विस रोड और 2+2 लेन की सेकेंडरी सर्विस लेन भी शामिल हैं। इसके साथ ही प्रमुख जंक्शनों पर ट्रैफिक के सुचारू प्रवेश और निकास को सुनिश्चित करने के लिए दो-लेन के अप और डाउन रैंप बनाए जाएंगे। इसके अलावा एनएच-48 पर एक इंटरचेंज का निर्माण भी किया जाएगा, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के साथ निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित हो सके।

सीडीएस परीक्षा पास कर परिक्षित कुंडू बने सेना अधिकारी

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत के शहर गन्नौर गांधी नगर निवासी 25 वर्षीय परिक्षित कुंडू ने संयुक्त रक्षा सेवा (सीडीएस) परीक्षा पास कर भारतीय सेना में अधिकारी बनकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने चेन्नई स्थित ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी से प्रशिक्षण पूरा करने के बाद पासिंग आउट परेड में हिस्सा लिया। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद अब वे भारतीय सेना की आर्टिलरी रेजिमेंट में अधिकारी के रूप में देश सेवा करेंगे। वर्तमान में उनकी तैनाती असम में की गई है। परिक्षित कुंडू के पिता अजित पाल कुंडू व माता अंजू देवी ने बेटे की इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए कहा कि बचपन से ही परिक्षित का सपना सेना में अधिकारी बनकर देश की सेवा करने का था। परिक्षित ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन के दम पर यह मुकाम हासिल कियाहै। परिवार के सदस्यों का कहना है कि परिक्षित ने अपनी पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस पर भी विशेष ध्यान दिया और लगातार मेहनत करते हुए

सीडीएस परीक्षा पास की।परिक्षित की इस सफलता से पूरे परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। परिक्षित कुंडू की इसउपलब्धि पर सुखदेव सिंह कुंडू, विजय पाल कुंडू, चरण सिंह दहिया, बलवान सिंह दहिया, मंजीत दहिया और अमित दहिया ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि परिक्षित की सफलता से क्षेत्र के अन्य युवाओं को भी सेना में जाने की प्रेरणा मिलेगी।

पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण : डीसी अपराजिता

एजेंसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा है कि विद्यार्थी जीवन में पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी बहुत जरूरी हैं। खेलों से जहां शारीरिक विकास होता है, वहीं मानसिक विकास में भी मदद मिलती है। कैथल सहित हरियाणा के बच्चों ने खेलों में देश-प्रदेश में नाम रोशन किया है। स्कूली बच्चे खेलों में उपलब्धियों को बनाएं रखें और खेलों में बढ़चढ़ कर भाग लें। डीसी अपराजिता गांव कैलरम के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा विभाग के संयोजन में इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन के सीएसआर पहल के तहत फ्यूचर ऑन ट्रैक अभियान के ट्रेक सूट वितरण समारोह में बच्चों को संबोधित कर रहीं थीं। इस दौरान डीसी अपराजिता ने स्कूल की 70 छात्राओं को ट्रैक सूट, टी-शर्ट एवं जूते वितरित किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। स्कूल में पहुंचने पर जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष व अन्य अधिकारियों ने डीसी अपराजिता का स्वागत किया। बच्चों को दिए अपने संदेश में डीसी अपराजिता ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य फिट गर्ल, फिट इंडिया के संदेश को आगे बढ़ाना और बच्चों

को खेलों से जोड़ना है। देश की बेटियों को स्वस्थ, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाना है। खेल हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। खेलों से बच्चों में अनुशासन व नेतृत्व क्षमता विकसित होती है। वहीं हमारा शारीरिक व मानसिक विकास होता है। विद्यार्थियों को खेलों में रूचि रखते हुए प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहिए। डीसी ने बच्चों के साथ संवाद करते हुए उनसे खेलों के बारे में पूछा। उन्होंने फुटबाल, क्रिकेट, दौड़ जैसे खेलों के बारे में पूछा कि कौन-कौन से बच्चे कौन-कौन सा खेल खेलते हैं। बच्चों ने डीसी के सवालों का उत्साह के साथ जवाब दिया और खेलों में आगे बढ़ने का संकल्प दोहराया। जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष ने डीसी अपराजिता का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने रेलवे फाइनेंस कारपोरेशन से आए अधिकारियों का आभार जताया। रेलवे से आए डिप्टी मैनेजर रमेश कुमार ने कहा कि आईआरएफसी द्वारा सीएमडी मनोज कुमार दुबे के मार्गदर्शन में देश भर में पांच हजार बेटियों को यह किट वितरित की जा रही है।

हिसार का प्रवेश बना लेफ्टिनेंट, बढाया जिले का गौरव

एजेंसी

हिसार। प्रवेश बिश्नोई ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर अपने ज़िले हिसार का नाम रोशन किया है। वे एचसीएस अधिकारी दर्शन कुमार के बेटे है, जो वर्तमान में अंबाला शहर के एसडीएम है। पासिंग परेड में प्रवेश बिश्नोई के पिता दर्शन कुमार व माता उषा बिश्नोई ने चेन्नई के ऑफिसर इंस्टिटयूट में शामिल होकर बेटे को अपना आशीर्वाद दिया। बेटे की इस खुशी को लेकर प्रवेश बिश्नोई के पैतृक शहर हिसार के साथ-साथ परिवार में खुशी का मौहाल है। सभी लोग प्रवेश की इस उपलब्धि को लेकर गद्गद् है। प्रवेश बिश्नोई ने 12 तक की परीक्षा हिसार से उतीर्ण की है और उसके उपरांत पंजाब विश्वविद्यालय से लॉ की उपलब्धि हासिल की है। प्रवेश बिश्नोई ने बताया कि उनके मन में बचपन से देश सेवाकरने का सपना है जो कि अब पूरा होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि वह भी देश सेवा करने का सपना बहुत बड़ा होता है। आज हम खुली हवा में जो सांस ले रहे है वह हमारे जवानों की बदौलत है, जो दिन रात सरहद पर हमारी रक्षा के लिए डटकर पहरा दे रहे हैं। उन्होनें यह भी बताया कि उनकी इस उपलब्धि में उनके पूरे परिवार का अहम योगदान है विशेषकर उनके पिता दर्शनकुमार बिश्नोई का जिन्होंने हमेशा उसे आगे बढने के लिए प्रेरित किया उनके आशीर्वाद व

अन्य के सहयोग से आज वह इस मुकाम को हासिल कर सका है। लेफ्टिनेंट प्रवेश बिश्नोई ने यह भी बताया कि उसने इस मुकाम को हासिल करने के लिए एसएससी से परीक्षा उतीर्ण की थी जिसके बाद सेना से संबधित ट्रेनिग हासिल की है। बीते रोज़ उन्होंने चेन्नई के ऑफिसर इंस्टिटयूट से लेफ्टिनेंट की उपाधि ली है, जो दायित्व उन्हें मिला है उसे वे बखूबी निभाएंगे तथा देश सेवा के लिए तत्परता से कार्य करेगें। उन्होंने यह भी बतायाकि उनकी माता उषा व बड़े भाई जोकि डाक्टर है उसका भी इस उपलब्धि के लिए बड़ा योगदान है। माता उषा देवी ने हर पल उसके साथ खड़े होकर उसे आगे बढने के लिए अपना आशीर्वाद दिया है।

अवैध फैक्टरी में आगजनी की घटना के बाद प्रशासन सख्त

एजेंसी

जींद। सफीदों की गीता कालोनी में अवैध रूप से चल रही रंग फैक्टरी में लगी आग से छह महिलाओं की मौत के बाद अवैध फैक्ट्रियों व वर्कशॉप पर कार्रवाई के लिए कमेटी का गठन किया गया है। बिना अनुमति और सुरक्षा मानकों के विपरीत संचालित हो रही अवैध फैक्ट्रियों और वर्कशॉप पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने कहा कि ऐसी सभी इकाइयों को तुरंत प्रभाव से सील करके बंद कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी फैक्टरी, वर्कशॉप या अन्य कारखाने में यदि आगजनी अथवा अन्य दुर्घटनाओं से बचाव के पुख्ता प्रबंध नही हैं और वह अवैध रूप से संचालित हो रहा है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने उपमंडल के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही अवैध औद्योगिक गतिविधियों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे सभी स्थानों की पहचान कर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अकसर देखा गया है कि आबादी

वाले क्षेत्रों में बिना किसी अनुमति के चोरी छिपे फैक्ट्रियां, वर्कशॉप या अन्य छोटे-बड़े कारखाने संचालित किए जा रहे हैं। जिनमें न तो सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होते हैं और न ही श्रमिकों की सुरक्षा का ध्यान रखा जाता है। ऐसी परिस्थितियों में किसी भी समय दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। जिससे मजदूरों और आसपास के लोगों की जान-माल को भारी नुकसान हो सकता है। ऐसे में इन फैक्ट्रियों का पता लगा कर तुरंत कार्रवाई अमल में लाई जाए। एसडीएम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की एक संयुक्त कमेटी भी गठित की है। इस कमेटी में जिला नगर योजनाकार, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, उद्योग विभाग हिसार के उप निदेशक, सहायक श्रम आयुक्त एवं निरीक्षक, जिला दमकल अधिकारी, बीडीपीओ सफीदों व पिल्लूखेड़ा तथा नगरपालिका सफीदों के सचिव को शामिल किया गया है। यह कमेटी विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण करेगी और जहां भी अवैध फैक्टरी, वर्कशॉप या अन्य औद्योगिक इकाई संचालित मिलती है, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उसे सील किया जाएगा।

जियो फेसिंग व बायो-मेट्रिक हाजिरी से लिंक होगा डॉक्टरों का वेतन

एजेंसी

चंडीगढ़। नायब सरकार प्रदेश के सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों के डॉक्टरों की सेलरी और हाजिरी जिया फेसिंग और बायो-मेट्रिक से जोड़ने की तैयारी में है। इस पर काम चल रहा है, जल्द ही डॉक्टरों को जियो फेंसिंग के आधार पर सेलरी दी जाएगी। यह जवाब स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने फिरोजपुर-झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान द्वारा डॉक्टरों की हाजिरी को लेकर उठाए गए मुद्दे पर दिया। मामन खान ने सोमवार को विधानसभा में यह सवाल उठाया कि नूंह जिलों में पोस्टिंग वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को 25 हजार रुपये तथा मेडिकल ऑफिसर (एमओ) को 10 हजार रुपये मासिक अतिरिक्त भत्ता मिलता है। आरती राव ने बताया कि नूंह में कार्यरत विशेषज्ञ व मेडिकल ऑफिसर (एमओ) को रेवाड़ी, फरीदाबाद व गुरुग्राम में रहने की छूट दी गई है। यानी इन जगहों पर भी वे रहेंगे तो इसे स्टेशन मेनटेन माना जाएगा। मामन खान ने दवाइयों की खरीद में धांधली के आरोप लगाते हुए कहा कि जिलों में स्थानीय स्तर पर फार्मेसी स्टोर से कोटेशन के आधार पर दवाइयां खरीदी जा रही हैं, जबकि इसके लिए टेंडर होने चाहिएं। आरती राव ने कहा कि दवाइयों की खरीद एचएमएससीएल द्वारा टेंडर के जरिये ही की जाती है। कई बार दवाइयों की कमी या बहुत जरूरी होने पर ही कोटेशन पर खरीदी जाती हैं। मामन खान ने कहा कि स्थानीय स्तर पर एक लाख से कम राशि की दवाइयों की कई बार खरीद की जाती है। इससे यह राशि लाखों पहुंच जाती है। इसमें धांधली होती है। मामन खान ने कहा कि नूंह जिलों में पोस्टिंग वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को 25 हजार रुपये तथा मेडिकल ऑफिसर (एमओ) को 10 हजार रुपये मासिक अतिरिक्त भत्ता मिलता है। यह अतिरिक्त भत्ता डॉक्टरों को इसलिए दिया जाता है ताकि वे स्टेशन मेनटेन करें। इस पर स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने कहा कि नूंह जिलों में तैनात डॉक्टरों को गुरुग्राम, फरीदाबाद व रेवाड़ी में रहने की इजाजत सरकार ने दी हुई है।

पंजाब में कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर अस्थायी रोक

- गैस की कमी का असर कई शहरों में भी देखने को मिला

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर अब भारत में रसोई गैस और कमर्शियल गैस की सप्लाई पर दिखाई देने लगा है। गैस निर्यात करने वाले देशों से आने वाली खेप में देरी हो रही है, जिसके कारण भारतीय बंदरगाहों पर गैस की डिलीवरी धीमी पड़ गई है। हालात को देखते हुए सरकार और सरकारी तेल कंपनियां फिलहाल घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता दे रही हैं। इसी के तहत पंजाब में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी गई है। इसमें 19 किलो, 47.5 किलो और 425 किलो के बड़े सिलेंडर शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल आमतौर पर होटल, रेस्टोरेंट और उद्योगों में किया जाता है। साथ ही गैस एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि ग्राहक 25 दिन पूरे होने से पहले नया सिलेंडर बुक न करें। गैस की कमी का असर कुछ शहरों में भी देखने को मिला है। पुणे में गैस से चलने वाले शवदाह गृहों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा है, क्योंकि प्रोपेन और ब्यूटेन जैसी गैसों की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तनाव बना हुआ है। डोनाल्ड ट्रम्प ने फ्लोरिडा में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि सैन्य अभियान जल्द समाप्त हो सकता है, लेकिन उन्होंने इसकी कोई निश्चित समयसीमा नहीं बताई। उन्होंने इरान

को चेतावनी दी कि अगर उसने स्ट्रेट आफ होर्मुज से तेल की आवाजाही रोकी तो अमेरिका कड़ी सैन्य कार्रवाई करेगा। उधर ईरान के अधिकारियों का कहना है कि युद्धविराम तभी संभव है जब देश पर आगे कोई हमला न हो। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार जारी हमलों में अब तक 1,255 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 200 बच्चे और 11 स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं।

एलपीजी की आपूर्ति बंद हुई तो 5 लाख रेस्टोरेंट्स हो सकते हैं बंद

नई दिल्ली ।

देश में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की संभावित कमी को लेकर रेस्टोरेंट उद्योग ने चिंता जताई है। नेशनल रेस्टारेंट एसो शिएशन आफ इंडिया (एनआरएआई) ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर कमर्शियल एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। संगठन का कहना है कि यदि गैस की आपूर्ति बाधित होती है तो देशभर में बड़ी संख्या में रेस्टोरेंट बंद होने की स्थिति पैदा हो सकती है। एनआरएआई ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को लिखे पत्र में कहा है कि रेस्टोरेंट उद्योग अपने दैनिक संचालन के लिए कमर्शियल एलपीजी पर पूरी तरह निर्भर है। ऐसे में आपूर्ति रुकने से कारोबार पर गंभीर असर पड़ेगा और आम लोगों के लिए भोजन की उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है।

कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति को लेकर यह चिंता ऐसे समय सामने आई है जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कुछ क्षेत्रों

में गैस आपूर्ति प्रभावित होने की खबरें आ रही हैं। बताया जा रहा है कि कुछ सप्लायरों ने रेस्टोरेंट और होटलों को गैस की आपूर्ति रोक दी है, जिससे उद्योग में अनिश्चितता का माहौल बन गया है।

फरवरी में बीमा सेक्टर में तेजी, प्राइवेट कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी बढ़ी

रिटेल एनुअल प्रीमियम इक्विवेलेंट में करीब 21 फीसदी की बढ़त

नई दिल्ली ।

फरवरी 2026 में बीमा सेक्टर में मजबूत तेजी देखने को मिली है। प्रीमियम कलेक्शन में बढ़ोतरी के साथ प्राइवेट बीमा कंपनियों ने बाजार में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार फरवरी में बीमा उद्योग का रिटेल एनुअल प्रीमियम इक्विवेलेंट (एपीई) सालाना आधार पर करीब 20.9 फीसदी बढ़ा। रिपोर्ट के मुताबिक इस वृद्धि में सरकारी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कारपोरेशन आफ इंडिया का रिटेल एपीई 22.8 फीसदी बढ़ा, जबकि प्राइवेट बीमा कंपनियों की ग्रोथ लगभग 20.2 फीसदी रही। हालांकि रिटेल सेगमेंट में प्राइवेट कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 72.5 फीसदी हो गई, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 165 बेसिस प्वाइंट ज्यादा है। कंपनियों के प्रदर्शन की बात करें तो मैक्स फायनैंशियल सर्विसेज ने फरवरी में करीब 28 फीसदी की सालाना बढ़त दर्ज करते हुए सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। इसके बाद एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस का रिटेल एपीई 16.2 फीसदी बढ़कर 13.7 अरब रुपये हो गया। कंपनी का कुल एपीई 18.3 फीसदी बढ़ा और बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 17.7 फीसदी तक पहुंच गई। वहीं एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस का रिटेल एपीई 12.1 फीसदी बढ़कर 13.4 अरब रुपये हो गया और कंपनी की बाजार हिस्सेदारी करीब 10.9 फीसदी पर स्थिर रही। दूसरी ओर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस का रिटेल एपीई लगभग 9.8 फीसदी बढ़ा। छोटे आधार पर केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस ने करीब 61 फीसदी की मजबूत सालाना वृद्धि दर्ज की।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर बुकिंग नियम बदले, अब 25 दिन बाद ही होगा रीफिल

- मिडिल ईस्ट तनाव के बीच जमाखोरी रोकने के लिए सरकार का फैसला

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की री-फिल बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। अब उपभोक्ता एक सिलेंडर की डिलीवरी के बाद दूसरा सिलेंडर 21 दिन की बजाय कम से कम 25 दिन बाद ही बुक कर सकेंगे। सरकार का कहना है कि यह कदम सिलेंडरों की जमाखोरी और अनावश्यक बुकिंग को रोकने के लिए उठाया गया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार पहले अधिकांश उपभोक्ता लगभग 50 से 55 दिनों में एक सिलेंडर बुक करते थे, लेकिन हाल के दिनों में कुछ लोग 15 से 20 दिन के भीतर ही दोबारा बुकिंग करने लगे थे। इससे अचानक मांग बढ़ने लगी थी और सप्लाई व्यवस्था पर दबाव पड़ रहा था। इधर मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान, इजरायल तथा अमेरिका के बीच जारी संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति को लेकर भी चिंता बढ़ी है। इसी बीच देश की प्रमुख गैस कंपनियों ने कई जगहों पर कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई सीमित या अस्थायी रूप से रोक दी है। 5, 19 और 425 किलोग्राम के जंबो कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने से होटल, रेस्टोरेंट और कई औद्योगिक इकाइयों में भी संकट की आशंका जताई जा रही है। हालांकि सरकार ने भरोसा दिलाया है कि घरेलू उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर जारी रहेगी।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने आपूर्ति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए बनाई समिति

नई दिल्ली ।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत होने की वजह से होटल और रेस्तरां उद्योग में चिंता बढ़ने के बाद पेट्रोलियम मंत्रालय ने आपूर्ति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की है। मंत्रालय ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि रेस्तरां, होटलों और अन्य उद्योगों को एलपीजी आपूर्ति से संबंधित मांगों की समीक्षा के लिए तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के तीन कार्यकारी निदेशकों की एक समिति बनाई गई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण ईंधन आपूर्ति श्रृंखला पर बड़ा असर पड़ा है। ऐसे हालात में सरकार ने घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी है, जिससे बाजार मूल्य वाले वाणिज्यिक एलपीजी का उपयोग करने वाले होटल एवं रेस्तरां को आपूर्ति संकट का सामना करना पड़ रहा है। भारत में सालाना करीब 3.13 करोड़ टन एलपीजी की खपत होती है। इसमें लगभग 87 प्रतिशत हिस्सा घरेलू रसोई गैस का है जबकि बाकी का उपयोग होटल, रेस्तरां और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में होता है। देश की कुल एलपीजी जरूरत का करीब 62 प्रतिशत आयात से पूरा होता है। ईरान पर अमेरिका एवं इजराइल के संयुक्त हमले और फिर ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल एवं गैस आयात प्रभावित हुआ है। इसी मार्ग से भारत को सऊदी अरब जैसे देशों से एलपीजी आयात का 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। सरकार इस समय वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत की तलाश कर रही है, लेकिन सीमित उपलब्धता के कारण घरेलू क्षेत्र को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे वाणिज्यिक प्रतिष्ठान प्रभावित हो रहे हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार इस आपूर्ति बाधा का असर मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में दिखने लगा है, जहां होटल और रेस्तरां को रसोई गैस उपलब्ध कराने में मुश्किल हो रही है।

आरबीआई की गोल्डीलॉक्स स्थिति पर तेल संकट का खतरा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने फरवरी की मौद्रिक नीति बैठक में अर्थव्यवस्था को संतुलित या 'गोल्डीलॉक्स' स्थिति बताया था। कम महंगाई और मजबूत आर्थिक वृद्धि के संकेतों के कारण रीपो दर 5.25 फीसदी पर यथावत रखी गई। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति को अनुकूल बताया और संकेत दिया कि ब्याज दरें लंबी अवधि तक इसी स्तर पर रह सकती हैं। हालांकि, पश्चिम एशिया में युद्ध और कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि से यह संतुलन खतरे में है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह भू-राजनीतिक झटका आरबीआई की मौद्रिक नीति पर असर डाल सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा ब्याज दरें तब तक स्थिर रहेंगी जब तक कोई बड़ा आर्थिक या वैश्विक झटका नहीं आता, यदि महंगाई तेजी से बढ़ती है तो ब्याज दरों में अपेक्षा से पहले वृद्धि संभव है। फरवरी की समीक्षा में आरबीआई0 ने अपनी तटस्थ नीति बरकरार रखी, जो मौजूदा स्थिति पर नजर रखने और प्रतीक्षा की रणनीति को दर्शाती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले समय में ब्याज दरों के निर्णय डेटा और वैश्विक घटनाओं पर आधारित सावधानीपूर्ण रणनीति के तहत लिए जाएंगे।

देश के 6 बड़े बैंकों ने एफडी रेट्स में बदलाव किया

मुंबई ।

देश के छह बड़े बैंकों ने 6 मार्च से फिक्स डिपाजिट की ब्याज दरों में बदलाव किया है। एचडीएफसी बैंक ने 6 मार्च 2026 से नई एफडी दरें लागू की हैं। सामान्य ग्राहकों के लिए ब्याज दरें 2.75 से 6.50 फीसदी तक हैं, जबकि सीनियर सिटीजन 3.25 से 7 फीसदी तक ब्याज पा सकते हैं। खास बात यह है कि 3 साल 1 दिन से 4 साल 7 महीने की अवधि वाली एफडी पर बैंक ने 6.50 फीसदी ब्याज दर लागू की है। कुछ अन्य पीरियड में दरों में कटौती भी की गई है। यश बैंक ने 5 मार्च से 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर नई दरें लागू की हैं। सामान्य ग्राहकों के लिए यह 3.25 से 7 फीसदी और सीनियर सिटीजन के लिए 3.75 से 7.75 फीसदी तक है। सबसे अधिक रिटर्न 36 महीने से कम और 60 महीने से कम की अवधि वाली एफडी पर मिलता है। बंधन बैंक में सामान्य ग्राहकों को 2.95 से 7.25 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 3.70 से 7.75 फीसदी तक ब्याज मिलेगा। इंडियन बैंक की स्पेशल 300 दिन की एफडी योजना में सामान्य ग्राहक 7.05 और सीनियर सिटीजन 7.55 फीसदी तक रिटर्न पा सकते हैं। सर्वोदय स्माल फायनेंस बैंक में 5 साल की एफडी पर सामान्य ग्राहकों को 7.90 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 8.10 फीसदी तक ब्याज मिलता है। इक्विटीज स्माल फायनेंस बैंक में भी सीनियर सिटीजन 8 फीसदी तक कमा सकते हैं, जबकि सामान्य ग्राहकों के लिए दरें 3.50 से 7.40 फीसदी के बीच हैं।

मुंबई के रेस्टोरेंट संकट में कमर्शियल एलपीजी की कमी

मुंबई । मुंबई में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की अचानक कमी के कारण शहर के होटल और रेस्टोरेंट संकट में हैं। गैस आपूर्ति में रुकावट के चलते लगभग 20 फीसदी होटल और रेस्टोरेंट पहले ही बंद हो चुके हैं। जो रेस्टोरेंट अभी खुले हैं, वे केवल अपने पुराने बचे हुए एलपजी स्टॉक के भरोसे काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि अगर अगले दो दिनों में गैस आपूर्ति सामान्य नहीं हुई, तो शहर के लगभग 50 फीसदी होटल बंद हो सकते हैं। हालांकि एसोसिएशन ने कोई सामूहिक बंद करने का आधिकारिक फैसला नहीं लिया है। रेस्टोरेंट को खुला रखने या बंद करने का निर्णय व्यक्तिगत मालिकों और उनकी जगह पर गैस स्टॉक की उपलब्धता पर निर्भर करेगा। हर होटल अपनी सुविधा और आपूर्ति के अनुसार ही निर्णय ले रहा है।

श्रीलंका की सीलोन पेट्रोलियम ने पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी की

नई दिल्ली। श्रीलंका की सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। नई कीमतों के अनुसार ऑटो डीजल अब 303 रुपए प्रति लीटर (22 रुपये की वृद्धि) और सुपर डीजल 353 रुपए प्रति लीटर (24 रुपए की बढ़ोतरी) हो गया है। पेट्रोल में भी इजाफा हुआ है, 92 ऑक्टेन पेट्रोल 24 रुपए बढकर 317 रुपये प्रति लीटर और 95 ऑक्टेन पेट्रोल 25 रुपए बढ़कर 365 रुपए प्रति लीटर हो गया। केरोसिन का दाम बढ़कर 195 रुपये प्रति लीटर (प्लस 13) हुआ है। सरकारी कंपनी के साथ-साथ लंका आईओसी ने भी समान अनुपात में दाम बढ़ाए हैं। पाकिस्तान में कच्चे तेल की सप्लाई बाधित होने के कारण हाल ही में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 55 रुपये की बड़ी बढ़ोतरी हुई। अब पेट्रोल 321.17 रुपये और डीजल 335.86 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इससे पहले 1 मार्च को पेट्रोल और डीजल की कीमत में क्रमशः 8 और 5 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी।

वैश्विक अस्थिरता के कारण घबराने की जरूरत नहीं: सेबी चेयरमैन

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने निवेशकों से कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और वैश्विक अस्थिरता के कारण घबराने की जरूरत नहीं है। पांडेय ने बताया कि युद्ध के कारण प्रमुख समुद्री मार्गों में व्यवधान और तेल-गैस की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव आया है। उन्होंने जोर दिया कि भारत के घरेलू फंडामेंटल मजबूत हैं, जो निवेशकों को स्थिरता प्रदान कर रहे हैं। उनका संदेश था कि इस समय निवेशकों को शांत रहकर दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। पांडेय ने कहा कि निफ्टी 50 सूचकांक ने लगभग 11 फीसदी सालाना चक्रवृद्धि वृद्धि दर्ज की है और इसकी शुरुआत से अब तक लगभग 25 गुना वृद्धि हुई है। वर्तमान में 40 से अधिक एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) निफ्टी 50 को ट्रैक करते हैं, जिससे निवेशकों के लिए शेयर बाजार में भागीदारी आसान और किफायती हो गई है। उन्होंने कहा कि निफ्टी 50 अब कॉरपोरेट इंडिया का दर्पण, निवेशक भावना का बैरोमीटर और बाजार की दिशा का मार्गदर्शक बन चुका है। पांडेय ने बताया कि भारत की अगली पीढ़ी की कंपनियां आज के शुरुआती उद्योगों से उभरेंगी। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था बढ़ेगी और वैश्विक वित्तीय प्रणालियों से जुड़ाव बढ़ेगा, बाजार बड़े, जटिल और नए अवसरों से भरपूर होंगे। इससे निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा होंगे और उन्हें नई जिम्मेदारियां भी निभानी होंगी। एनएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एक्सचेंज इस महीने निवेश बैंकरों की नियुक्ति कर अपनी बहुप्रतीक्षित आईपीओ की तैयारी कर रहा है। सेबी ने कम फ्लोट के साथ आईपीओ की अनुमति दे दी है, जिससे संभावित देरी का समाधान हो गया।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 639, निफ्टी 233 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से ईरान से जुड़े संघर्ष के जल्द समाप्त होने की संभावना वाले बयान के साथ ही दुनिया भर के बाजारों से अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी बढ़ने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 639.82 अंक बढ़कर 78,205.98 । वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 233.55 उछलकर 24,261.60 के स्तर पर बंद हुआ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड) की कीमतों में गिरावट से भी बाजार को बल मिला। ब्रेंट क्रूड करीब 5 फीसदी से अधिक गिरकर लगभग 93.83 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे पहले यह तीन साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया था जिससे बाजार नीचे आया था। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि तेल की कीमतों में एक ही दिन में आये अंतर से साफ है कि पश्चिम एशिया में तेजी से हालात बदल रहे हैं।

सेंसेक्स के 30 में से 24 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.67 फीसदी तेजी। इसी तरह इंडिगो, एशियन पेंट्स और मारुति के शेयर भी दो फीसदी से अधिक चढ़ गए। दूसरी ओर इन्फोसिस, इटरनल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टीसीएस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में गिरावट रही।

ब्रॉडर बाजार में निफ्टी मिडकैप में 1.62 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 2.12 फीसदी तेजी आई। निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा तेजी रही। निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फाइनेंशियल

सर्विसेज में भी तेजी आई पर लेकिन निफ्टी आईटी इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट आई। निफ्टी ऑयल एंड गैस भी गिरावट के साथ बंद हुआ।

आज एशियाई बाजारों में भी बढ़त रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 5 फीसदी जबकि जापान का निक्केई 2.5 फीसदी उछला। वहीं चीन के शंघाई कंपोजिट और हांगकांग के हैंग सेंग में भी बढ़त रही। अमेरिकी बाजारों में भी पिछले सत्र में मजबूती रही

इससे पहले आज सुबह बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स मजबूती के साथ 78,375 अंक पर खुला। इससे पहले सोमवार को यह 77,566 अंक पर बंद हुआ था। इसी तरह निफ्टी 50 भी बढ़त के साथ खुला। निफ्टी 24,280 अंक पर खुला और खुलते ही 24,300 अंक के स्तर को पार कर गया।

फ्लिपकार्ट की 15 साल बाद भारत वापसी, मेगा आईपीओ की तैयारी

सिंगापुर छोड़ अब पूरी तरह भारतीय हो जाएगी कंपनी

नई दिल्ली । वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने अपनी होल्डिंग कंपनी का स्थायी पता सिंगापुर से भारत में स्थानांतरित कर लिया है। यह कदम संभावित प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले कॉर्पोरेट ढांचे को सरल बनाने और पूरी तरह भारतीय कंपनी के रूप में अपने विकास को अगले चरण में ले जाने की रणनीति का हिस्सा है। भारत सरकार से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद यह कानूनी प्रक्रिया पूरी हुई। चीन की प्रमुख टेक कंपनी टेनसेंट की फ्लिपकार्ट में 5-6 फीसदी हिस्सेदारी है। इस अल्पांश विदेशी निवेश के लिए प्रेस नोट 3 मंजूरी जरूरी थी, जिसे सरकार ने हाल ही में दे दिया। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाल में चीन से जुड़े निवेश मामलों में नीति में ढील का संकेत भी इस मंजूरी में सहायक रहा। सूत्रों के अनुसार फ्लिपकार्ट अपने आईपीओ के लिए 2026 के अंत या 2027 में बाजार में उतर सकती है। अनुमानित मूल्यांकन 35-50 अरब डॉलर के बीच है। कंपनी अपने आईपीओ से पहले 1-2 अरब डॉलर जुटाने पर भी विचार कर सकती है। इसके लिए गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टैनली और जेपी मॉर्गन जैसी प्रमुख निवेश बैंकों के साथ शुरुआती चर्चा हुई है। फ्लिपकार्ट के भारत में मुख्य प्रतिस्पर्धी एमेजॉन, रिलायंस जियोमार्ट और टाटा ई-कॉमर्स

हैं। हाल ही में कंपनी ने अपने बोर्ड को मजबूत किया और परिचालन को दुरुस्त किया। फिक्की और डेलॉयट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का ई-कॉमर्स बाजार 2030 तक 325 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जिसकी सालाना वृद्धि दर 21 फीसदी अनुमानित है। फ्लिपकार्ट के प्रवक्ता ने कहा कि यह पुनर्गठन भारत सरकार से मिली मंजूरी के तहत हुआ है और अब फ्लिपकार्ट इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड समूह की होल्डिंग कंपनी बनेगी। उन्होंने कहा कि यह कदम भारत के प्रति कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है और फ्लिपकार्ट के लिए विकास का अगला चरण शुरू करता है।

चीन का निर्यात 2026 की शुरुआत में 22 फीसद बढ़ा

- दिसंबर 2025 में निर्यात केवल 6.6 फीसदी बढ़ा था

हांगकांग । चीन का निर्यात जनवरी-फरवरी 2026 में सालाना आधार पर लगभग 22 फीसदी बढ़ गया, जो अर्थशास्त्रियों के अनुमान से अधिक है। दिसंबर 2025 में निर्यात केवल 6.6 फीसदी बढ़ा था। इस वृद्धि के बावजूद, अमेरिका को निर्यात में गिरावट दर्ज की गई है, जो लगभग 27 फीसदी कम हुई। यूरोप और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में निर्यात में बढ़ोतरी ने इस गिरावट को संतुलित किया।वहीं, चीन का आयात जनवरी-फरवरी में लगभग 20 फीसदी बढ़ा, जबकि दिसंबर में यह सिर्फ 5.7 फीसदी था। यह संकेत करता है कि घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है। चीन आम तौर पर इन दो महीनों के व्यापार आंकड़े एक साथ जारी करता है ताकि चंद्र नववर्ष के मौसमी प्रभाव का समायोजन किया जा सके। जनवरी-फरवरी 2026 में चीन का वैश्विक व्यापार अधिशेष 213.6 अरब डॉलर रहा। पिछले वर्ष, 2025 में चीन का व्यापार अधिशेष लगभग 1.2 लाख करोड़ डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि निर्यात की वृद्धि अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक है, चीन की संपत्ति क्षेत्र में मंदी और आर्थिक दबाव जारी है। इस कारण, चीन ने 2026 के लिए आर्थिक वृद्धि लक्ष्य 4.5-5.0 फीसदी तय किया है, जो 1991 के बाद सबसे कम है।

नो स्मोकिंग डेः निकोटीन का जहर और समाज का मौन संकट

योगेश कुमार गोयल

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं।

धूम्रपान मुक्त पीढ़ी ही है स्वस्थ भविष्य की बुनियाद...

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है लेकिन दुर्भाग्य से धूम्रपान और तंबाकू की लत इस अमूल्य धन को तेजी से नष्ट कर रही है। हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को धूम्रपान की आदत छोड़ने के लिए प्रेरित करना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष यह दिवस 11 मार्च को मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग अपने जीवन में एक नई शुरूआत कर सकते हैं और धूम्रपान मुक्त जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। हर वर्ष इस दिन एक विशेष थीम के साथ लोगों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। इस वर्ष का संदेश है 'धूम्रपान से मुक्त जीवन की शुरूआत एक धूम्रपान-मुक्त दिन से होती है।' इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि कोई व्यक्ति केवल एक दिन भी धूम्रपान से दूरी बना ले तो वह आगे चलकर इसे पूरी तरह छोड़ने की दिशा में पहला कदम उठा सकता है।

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि धूम्रपान केवल करने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि दुनिया के कई देशों में धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी आई है लेकिन इसके बावजूद चिंता का विषय यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई-सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक

पैकेजिंग, फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है। विज्ञापन प्रतिबंधों के बावजूद सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से युवाओं को लक्ष्य बनाकर प्रचार किया जाता है। इस कारण किशोरों में तंबाकू की लत तेजी से फैल रही है, जो भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। तंबाकू के दुष्प्रभाव केवल कैंसर तक सीमित नहीं हैं। यह शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है और दुनिया में होने वाली फेफड़ों के कैंसर से लगभग 85 प्रतिशत मौतें धूम्रपान के कारण होती हैं। इसके अलावा तंबाकू हृदय रोग, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस और कई अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म देता है। लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से मुंह, गले, पेट, लीवर और आंतों के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

तंबाकू की समस्या भारत में भी काफी गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 25 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इनमें अधिकांश पुरुष हैं लेकिन महिलाओं में भी इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारत में तंबाकू सेवन के कई रूप प्रचलित हैं, जैसे खैनी, गुटखा, पान मसाला, जर्दा और सुपारी के साथ तंबाकू का सेवन। इन उत्पादों की आसान उपलब्धता और कम कीमत के कारण लोग जल्दी इसकी लत के शिकार हो जाते हैं। विभिन्न शोधों में यह भी सामने आया है कि तंबाकू से होने वाली बीमारियों का इलाज बहुत महंगा होता है। यदि तंबाकू के उपयोग को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका आर्थिक बोझ बहुत अधिक बढ़ सकता है। मुंह के कैंसर के मामलों में भारत पहले से ही दुनिया के कई देशों से आगे है और इसका मुख्य कारण तंबाकू तथा गुटखे का व्यापक उपयोग है।

धूम्रपान केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। तंबाकू की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भर बना देती है। कई युवाओं में यह लत अवसाद, चिंता और आत्मविश्वास की कमी जैसी मानसिक समस्याओं को भी जन्म देती है। जब किशोरावस्था में यह आदत लग जाती है तो उसे छोड़ना बेहद कठिन हो जाता है और इसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। धूम्रपान के खतरों को देखते हुए समाज में व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। सरकारों ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कानून बनाए हैं, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया है और तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी संदेश भी अनिवार्य किए हैं। इसके बावजूद केवल कानून से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता और व्यक्तिगत संकल्प दोनों जरूरी हैं। पत्रकारिता के अपने लंबे अनुभव के दौरान मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर व्यापक अध्ययन किया है। वर्ष 1993 में मेरी पुस्तक ह्यमौत को खुला निमंत्रणह्न प्रकाशित हुई थी, जिसमें तंबाकू और अन्य नशों से होने वाले भयानक परिणामों का विस्तार से उल्लेख किया गया था। उस समय भी यह चेतावनी दी गई थी कि यदि समाज ने समय रहते नशे के खिलाफ जागरूकता नहीं बढ़ाई तो इसके दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे। आज तीन दशक बाद भी यह चिंता उतनी ही प्रासंगिक दिखाई देती है।

बहरहाल, नो स्मोकिंग डे हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर पल अमूल्य है और इसे किसी भी तरह की लत के कारण बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। धूम्रपान छोड़ना कठिन अवश्य है लेकिन असंभव नहीं। यदि व्यक्ति दृढ़ निश्चय कर ले और परिवार तथा समाज का सहयोग मिले तो वह आसानी से इस लत से मुक्त हो सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि हम स्वयं भी धूम्रपान से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खतरों के बारे में जागरूक करें। आखिरकार, एक स्वस्थ समाज की शुरूआत स्वस्थ व्यक्तियों से ही होती है। यदि हम तंबाकू से दूरी बनाकर जीवन को अपनाएं तो न केवल अपना स्वास्थ्य सुरक्षित रख सकते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर और सुरक्षित वातावरण तैयार कर सकते हैं। इसलिए इस नो स्मोकिंग डे पर संकल्प लें कि तंबाकू का साथ छोड़कर हर सांस को कीमती बनाएंगे और जीवन को स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

संपादकीय

संसद के दूसरे चरण में सरकार की मुश्किल

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार 9 मार्च से शुरू हुआ और पहले दिन ही मोदी सरकार विपक्ष के सवालों से बुरी तरह घिर गई। इस बात का अनुमान पहले से था कि सत्र के पहले चरण की तरह दूसरे चरण में भी सरकार को कठिन सवालों का सामना करना पड़ेगा और यह अंदाज भी था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिर खुद सामने न आकर अपने मंत्रियों को आगे करेंगे। ऐसा ही हुआ भी। सोमवार को संसद के दोनों सदनों में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान में चल रहे युद्ध और इस वजह से मध्यपूर्व में आए अभूतपूर्व संकट पर बयान दिए। लेकिन इस बयान में एक चयनित रूझान दिखा। सरकार ने केवल उन्हीं मुद्दों पर अपनी बात रखी, जिसमें उसे सुविधा हो, और असुविधाजनक बातों को बड़ी चतुराई से किनारे कर दिया गया। जैसे हजारों बरसों से जिस ईरान के साथ भारत के संबंध रहे हैं, उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत पर संवेदना का एक लफ्ज सरकार ने सदन में नहीं कहा, हालांकि खामेनेई की मौत के छह दिन बाद जाकर विदेश सचिव ने ईरानी दूतावास में शोक संदेश लिखा। ईरान पर हमले की निंदा भारत सरकार ने नहीं की। हिंद महासागर में जिस ईरानी युद्धपोत पर हमला कर अमेरिका ने सौ से ज्यादा नौसैनिकों की जान ले ली, उस पर भी भारत सरकार ने ऐतराज नहीं जताया, जबकि ये नौसैनिक भारत के साथ संयुक्त युद्धाभ्यास से लौट रहे थे। अमेरिका और इजरायल ने भारतीय मेहमानों की जान ली और मोदी सरकार इस पर भी चुप रही, इससे ज्यादा शर्मनाक बात नहीं हो सकती। कायदे से सरकार को ईरान युद्ध और उसके प्रभाव की पूरी तस्वीर संसद में पेश करनी चाहिए थी, लेकिन सरकार ने आधी-अधूरी बात की और उस पर तुर्रा यह कि विपक्ष सवाल पूछे तो उसे गैरजिम्मेदाराना कहा जाए। बता दें कि विपक्ष ने सोमवार को संसद के दोनों सदनों में युद्ध और उसके समेकित प्रभाव से जुड़े सवाल सरकार से पूछने की मांग की, मगर इस मांग को लगातार नकारा गया, नतीजा यह हुआ कि राज्यसभा से विपक्ष ने बहिर्गमन किया। इसके लिए भी सरकार ने विपक्ष को ही दोषी ठहराया। इससे पहले जब राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी बात रखी तो सत्ता पक्ष की तरफ से लगातार हल्ला किया गया। हालांकि फिर भी खड़गे जी ने मांग रखी कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर उभरती चुनौतियों पर अल्पकालिक चर्चा हो। उन्होंने कहा, 'यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं है; इसने अब भारत की ऊर्जा सुरक्षा और देश की छवि को प्रभावित किया है। इस संघर्ष के परिणाम हमारी आर्थिक स्थिरता पर भी असर डालेंगे।' उन्होंने खाना बनाने के गैस की कीमतों में वृद्धि, ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर प्रभाव का जिक्र किया। यही बातें लोकसभा में भी विपक्ष उठाना चाह रहा था लेकिन उसे अनुमति नहीं मिली। जबकि यह हकीकत है कि ईरान पर इजरायल और अमेरिका का हमला और उस पर ईरान के पलटवार का खामियाजा केवल खाड़ी देश ही नहीं भारत भी उठा रहा है। इस इलाके में कम से कम एक करोड़ भारतीय रहते हैं, जिसमें अभी 67 हजार ही वापस आए हैं।

चिंतन-मनन

इसलिए रह जाती है पूर्व जन्म की स्मृतियां

माना जाता है कि संसार में हम जो भी काम करते अथवा बोलते हैं वह एक उर्जा के रूप में प्रकृति में वर्तमान रहती है। उर्जा के विषय में विज्ञान कहता है कि उर्जा कभी नष्ट नहीं होती है। इसका स्वरूप बदलता रहता है। हमारी आत्मा भी उर्जा का ही स्रोत है इसलिए कभी मनुष्य शरीर में रहती है तो कभी पशु, कीट की योनी में जाकर रहती है। लेकिन अपनी आत्मा को हम किस रूप में स्थान देना चाहते हैं यह हमारे अपने हाथ में है। जिस प्रकार उर्जा को कर्म के अनुसार रूपांतरित किया जा सकता है ठीक उसी प्रकार कर्म के अनुसार आत्मा को भी रूप दिया जा सकता है। पुराणों में बताया गया है कि आत्मा का वही रूप होता है जैसे शरीर में वह विराजमान होता है। वर्तमान जन्म में हम जो अच्छे या बुरे कर्म करते हैं उसके अनुरूप आत्मा दूसरा शरीर ग्रहण करती है। आत्मा अपने साथ पूर्व जन्म की स्मृति और आकांक्षाओं को भी साथ में लेकर दूसरे शरीर में प्रवेश करती है। शरीर बदलने के बाद भी आत्मा पुराने शरीर की स्मृतियों को नहीं भूलती है। इस तथ्य को परामनोवैज्ञानिक भी स्वीकार करते हैं। मरने के समय जिनकी आत्मा अतृप्त रहती है और पूर्व जन्म कार्यों को पूरा करने के लिए छटपटाती रहती है। ऐसे लोगों को अपने पूर्व जन्म की कई बातों की स्मृति रहती है। पुराणों में पार्वती के पूर्व जन्म की कथाओं का उल्लेख मिलता है। कथाओं में बताया गया है कि पार्वती को पूर्व जन्म में प्रजापति दक्ष की पुत्र के रूप में जन्म लेकर शिव से विवाह और अग्नि कुण्ड में भष्म होने की घटना का स्मरण था। शिव को फिर से पति रूप में पाने के लिए ही सती ने पार्वती के रूप में जन्म लिया और कठोर तपस्या किया। पुराणों और शास्त्रों में कई ऐसी कथाओं का जिप्र किया गया है जिसमें व्यक्ति को अपने पूर्व जन्म की घटनाओं की स्मृति रही। जिमूतवाहन व्रत में भी इसी तरह की एक कथा का उल्लेख मिलता है।

तीन साल में तीन आईसीसी ट्रॉफीः भारतीय क्रिकेट का स्वर्णिम दौर और खिलाड़ियों की मेहनत का ऐतिहासिक फल

कांतिलाल मांडोत

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारतीय क्रिकेट के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने केवल एक टूर्नामेंट नहीं जीता, बल्कि लगातार सफलता की ऐसी कहानी लिखी जिसने दुनिया को भारतीय क्रिकेट की ताकत का एहसास करा दिया। पिछले तीन वर्षों में तीन आईसीसी ट्रॉफी जीतना इस बात का प्रमाण है कि टीम इंडिया ने निरंतरता, आत्मविश्वास और सामूहिक मेहनत से सफलता का नया अध्याय रचा है।

भारत की इस शानदार जीत में बल्लेबाजों से लेकर गेंदबाजों तक सभी खिलाड़ियों का योगदान रहा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा जीतकर विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा साबित कर दिया। लगातार दो बार टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारत पहली टीम बन गई है और यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम दौर को दशार्ती है।

टीम इंडिया की सफलता के पीछे केवल प्रतिभा नहीं बल्कि खिलाड़ियों की कठिन मेहनत, अनुशासन और टीम भावना भी है। इस टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजों ने जिस आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, उसने विरोधी टीमों के गेंदबाजों को लगातार दबाव में रखा। पूरे टूर्नामेंट में भारत ने 106 छक्के लगाए, जो किसी भी टी-20 वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सबसे अधिक हैं। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारतीय टीम अब केवल तकनीकी रूप से मजबूत ही नहीं बल्कि आक्रामक क्रिकेट खेलने में भी सबसे आगे है।

इस शानदार प्रदर्शन में सबसे बड़ा योगदान रहा भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का। संजू सैमसन ने पूरे टूर्नामेंट में 321 रन बनाए और भारत के लिए एक टी-20 वर्ल्ड कप संस्करण में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम था, जिन्होंने 2014 में 319 रन बनाए थे। संजू की बल्लेबाजी में आत्मविश्वास, आक्रामकता और जिम्मेदारी का अद्भुत संतुलन दिखाई दिया, जिसने भारत को कई कठिन मैचों में जीत दिलाई।

संजू सैमसन की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि उन्होंने बड़े मैचों में शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल को पूरी तरह से दबाव में ला दिया।

टीम इंडिया की गेंदबाजी भी इस टूर्नामेंट में उतनी ही प्रभावशाली रही। भारतीय तेज गेंदबाज जशप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट हासिल किए। फाइनल मैच में उन्होंने केवल 15 रन देकर 4 विकेट लिए और न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उनकी सटीक लाइन-लेंथ और दबाव में शानदार गेंदबाजी ने भारत की जीत को आसान बना दिया। यही कारण है कि उन्हें फाइनल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया।

भारतीय टीम की सफलता में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का योगदान भी बेहद महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। हार्दिक ने 200 से अधिक रन बनाए और साथ ही महत्वपूर्ण विकेट भी हासिल किए। सेमीफाइनल में उनके ऑलराउंड प्रदर्शन ने भारत को इंग्लैंड के खिलाफ रोमांचक जीत दिलाई, जिसने टीम का आत्मविश्वास और भी मजबूत कर दिया।

फाइनल मुकाबले में शिवम दुबे की छोटी लेकिन विस्फोटक पारी भी बेहद अहम साबित हुई। जब भारत की पारी थोड़ी धीमी पड़ती दिखाई दे रही थी, तब शिवम दुबे ने अंतिम ओवरों में तेज रन बनाकर टीम का स्कोर 255 तक पहुंचा दिया। उनकी केवल 8 गेंदों में 26 रन नजर आए। यह जीत केवल खिलाड़ियों की नहीं बल्कि पूरे देश की जीत बन गई।

दरअसल, खेल केवल प्रतिभा का नहीं बल्कि मेहनत, धैर्य और टीम भावना का परिणाम होता है। भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अभ्यास, फिटनेस और मानसिक मजबूती के साथ खुद को तैयार किया और कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी। यही कारण है कि उनकी मेहनत का फल अब लगातार जीत के रूप में सामने आ रहा है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट के आत्मविश्वास और भविष्य की दिशा का प्रतीक है। यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के खिलाड़ियों को प्रेरणा देगी

इजराइल-अमेरिका ईरान से लड़ाईः एक विश्लेषण

-- दीपक कुमार

आज अमेरिका - इजराइल और ईरान का युद्ध दूसरे सप्ताह के मध्य में पहुँच गया है। जिसने गल?फ की 15 देशों और यूरोपीइन देशों की कई सेनाओं को अपनी ओर बुला लिया है। क्योंकि अरब के देश क्षेत्रफल के हिसाब से बहुत छोटे-छोटे हैं इसलिये उन्हें गंभीर तौर पर आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। ईरान का यदि हम इतिहास देखें तो उसने इजराइल के खिलाफ एक धर्म युद्ध शुरू कर रखा है जो किसी जमाने में ऑटोमान साम्राज्य किया करती थी। उस जमाने में भी ऑटोमान साम्राज्य के खिलाफ यहूदियों का साथ यूरोपिय देश दिया करते थे आज भी वह इजराइल के साथ खड़े हैं ईरान अलग-थलग हो गया है। ईरान का राष्ट्रपति माफी मांगे या न मागे, गल्फ देशों पर हमला करके उसने इस ल?ाई को शिया ङ्क सुन्नी की लड़ाई बना दिया है। ईरान देश आज खंडहरों में परिवर्तित होता जा रहा है उसकी नौ-सेना, उसकी वायु सेना और मिसाइलों/ बमों को रोकने की क्षमता खत्म हो चुकी है। यही कारण है कि हजारो 'जहाजो' द्वारा पूरे ईरान में बमबारी करने के बाद भी एक भी हवाई जहाज वह गिरा नही पाये है। दुनिया को ये याद रखना चाहिये वे एक कट्टरवादी धार्मिक और कैडर आधारित संगठन जिसकी एक अनुक्रम होती है कि सरकार से लड़ रहे हैं। इस लड़ाई में उनके संगठन की पहली व दूसरी स्तर खत्म हुयी है तीसरी-चौथी स्तर खत्म होने पर वे नेतृत्वहीन होंगे। ऐसा मेरा विश्वास है। मेरा विश्वास है कि यदि पहली और दूसरी स्तर जिंदा होती तो वे गल्फ देशों पर हमला नहीं करते बल्कि इसे इस्लामिक जेहाद की संज्ञा देते। तीसरी स्तर किसी कैडर आधारित संगठन की धार्मिक, उन्मादी और बलिदान की भावना से भरी होती है और न ही व्यवहारिक होती है। अमेरिका ने इरान में ग्रहयुद्ध की स्थिती पैदा कर दी है क्योंकि उन्होने बमबारी में पुलिस दस्तो / चौकियों को भी नहीं छोड़ा है। जब ये तीसरी लेयर भी नष्ट होती है तब कानून व्यवस्था को नियंत्रण करने वाला कोई भी एजेंसी नहीं होगी। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद पहली बार ऐसा देखने में आया है कि यूरोप या नाटो देश अमरीका के साथ खड़े नहीं हैं। जब मैं कुछ वर्ष पहले लन्दन में था तो मुझे सब लोग बोलते थे कि ब्रिटेन तो अमरीका का पिछलग्गू हैं। परन्तु ब्रिट्रेन ने अपने सैन्य अड्डे के इस्तेमाल की इजाजत, ऑपरेशन शुरू होने के 48 घंटे बाद दी है जब उसके साइप्रस स्थित अड्डे पर हमला हुआ। आज वह अपना विमान वाहक जहाज भेजने की बात कर रहा है। जर्मन चांसलर ने राष्ट्रपति ट्रम्प से हमला होने के चार दिन बाद वाशिंगटन में भेट करी थी परन्तु संयुक्त बयान में कोई भी सैनिक सहायता की बात नहीं की है सिर्फ इरान की निन्दा के। आज डोनाल्ड ट्रम्प की नीति के कारण मात्र 1 साल में यूरोप और नाटो ने अमरीका से दूरी बना ली है। इसका आभास अमरीकी जनता और खुद राष्ट्रपति ट्रम्प को हो रहा होगा। कि ' 'मेक अमरीका ग्रेट एगेन'' की ओर जा रहा है या अलग-थलग हो रहा है और नये अन्तराष्ट्रीय समीकरण बन रहे हैं जो आने वाले समय में अमरीका के प्रतिद्वंदी होंगें। यूक्रेन युद्ध से पहले यूरोपीय देश रूस से अपनी जरूरत का 27 प्रतिशत तेल आयात करते थे। परन्तु अब मात्र 3 प्रतिशत करते हैं। उनका वैकल्पिक स्त्रोत अमरीका या गल?फ देश हैं। इसीलिए ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड और स्पेन के फौजी दस्ते, हवाई जहाज और युद्धपोत, कतार, बहरीन, सऊदी अरब, ओमान, संयुक्त अरब अमीरत, साइप्रस, लेबनान, कुवैत, इराक, जोर्डन की ओर जा रहे हैं कहते हैं कि हम वायु सुरक्षा करेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष वह भी हिस?सा बन गये है गल्फ युद्ध के।

क्योंकि सभी प्रमुख यूरोपीय देशों की अरब देशो से रक्षा संधि हैं साथ में तेल के सप्लायर हैं। यह अमरीका-इजरायल को बड़ी सहायता होगी, जो कि ईरानी मिसाइलो को रोकेंगे। अजरबैजान पर जो इरान ने हमला किया है वह भी शायद इसलिये कि वह भी यूरोप को तेल बेचता है। फिलिस्तीन उद्देश्य के लिये लड़ने वालों में हमास और हिजबुल्ला बहुत ही मजबूत संगठन थे परंतु हमास और हिजबुल्ला दोनों ही अपने कृत्यों के कारण समाप्ति की ओर है इनके साथ लेबनान जैसा खूबसरत शहर भी बरबाद हो गया है। आज से पहले जो सहायता लेबनान सरकार से इन दोनों संगठनों को मिलता था वह अब कभी भी नही मिलेगा। लेबनान सरकार ने हिजबुल्ला को अपने हथियार समर्पण के लिए आदेश दिये हैं। लेबनान वासियों के लिए अब अच्छा है क्योंकि भविष्य में कोई भी आंतकवादी/सशस्त्रग्रुप पनप नहीं पायेगा। ईरान- अमेरिकन युद्ध का हमारे देश पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ने वाला है क्योंकि मध्य एशिया से हम लगभग 70-75 बिलियन यूस डालर का तेल खरीदते है जो कि अब लड़ाई के कारण और जो नुकसान गल्फ देशों को हो रहा है उतना तेल हमें वहाँ से मिल पायेगा यह संभव नहीं। लगतार तेल के अलावा प्राकृतिक गैस (9.2 बिलियन यू.ए. डालर) रसोई गैस (13.2 बिलियन यू.ए. डालर) आयात करते हैं इसके अलावा खाद, डायमन्ड कच्चा माल, लाइम स्टोन, धातु इत्यादि आयात करते हैं। आज ही भारत में गैस के दाम 60 रु/ सिलण?डर बढा दिये हैं, पेट्रोल भी जल्दी बढेगा इसकी पूरी उम्मीद है। हमारे कई राज्यों ने गैस के व्यावसायिक काम के लिए प्रतिबंध लगाया है। पाकिस्तान ने चीन की सहायता से ग्वादर पोंट बनाया था जो कि नौ सैनिक व वाणिज्य अड्डा है, हमने उसको काऊन्टर करने के लिये इरान के साथ मिलकर चाबहार बन्दरगाह का विकास किया था, जिसके अंदर हमने 500 मिलियन यूस डालर का निवेश किया था परन्तु इस लड़ाई में अमेरिकी सेनाओं ने इस पोंट को जड़ से मिटा दिया है। पाकिस्तान ने अपना वायुक्षेत्र हमारी एयरलांइस के लिये बंद कर रखा है तो हमारे जहाज अफगानिस्तान और ईरान होकर मध्य एशिया या सी.आई.एस देशों में जाते थे। अब उसमें विराम लग गया है। हमारी एयरलांइस को ज्यादा पेट्रोल व यात्रियों को ज्यादा किराया व उडान के घंटे बढ़ जायेंगे। अमेरिका के साथ ट्रेड-डील से पहले अमेरिका की शर्त थी कि भारत रूस से तेल खरीदेना बंद करे जब ही ट्रेड-डील होगी, हमने उसकी ये शर्त अनौपचारिक तौर पर मान ली थी। रूस से तेल का आयत 20त्न से घटकर 0.2% रह गया है। किन्तु इस लड़ाई के कारण हमें रूस ने तेल बेचने की पेशकश करी है जो हमने मान ली है और अमेरिका ने हमे एक महीने तक और तेल खरीद सकते हैं कि सहमति दी है। अब जो स्थिती पैदा हुयी है वो आने वाले समय में और भी गंभीर होगी । आज अमेरिका ने इरान की तेल शोधक कारखानों और तेल के कुओं पर हमला किया है जो की ईरान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है। इस हिसाब से ईरान अब तेल निर्यात नहीं कर पायेगा और उसकी अर्थव्यवस्था शताब्दियों में जाकर भी आज के समकक्ष नही पहुंचेगी। दूसरी न्यूज आ रही है कि पैराशूट बटालियन को शिफ्ट कर रहे हैं जो मैदान लडाई में काम करेगी। कि इसीप्रकार शायद जो यूरेनियम इरान के पास पड़ा हुआ है उसको भी कब्जा करना चाहता है। जिससे की परमाणु बम बनाने का खतरा हमेशा के लिये खत्म हो जाये इन परिस्थितियों में भारत सरकार को चाहिये कि जो हम 70 दिन का तेल का रखते हैं उसको 4 महीने का रखना चाहिये। पिछले कई वर्षों से हमारी मीडिया का रोल सनसनी फैलाने का रहा है। आज हमारे एंकर न्यूज नहीं पड़ते हैं ब्लकि ढोल बाजों की तरह चिल्लाते हैं इससे जहाँ जनता का विश्वास मीडिया से उठता है वहीं सेना में उनका उत्साह कम होता है लड़ाई- लड़ाई होती है ये कोई बिजली का स्विच नहीं है कि आपने बंद किया तो लाइट चली गयी और खोल दिया तो लाइट आई। ईरान के लोगों का इतिहास परंमपरागत युद्ध का रहा है जहाँ तक मेरी जानकारी है दुनिया की पहला साम्राज्य ईरान का था जिसे हम फारसी या अहमदिया साम्राज्य बोलते है। ईरान ने इराक के साथ लगातार 8-साल ल?ाई लड़ी है जब वो विजयी हुऐ है। मुस्लिम कौम अंध भक्त कौम है वो काम पहले करते हैं सोचते बाद में है किसी को मारना उनके धार्मिक रीतिवाज का पार्ट है। मानवतावादी भावनाऐं दूसरे धर्मों के अपेक्षा इसलिए उनमें कम है। आज वे अमरीका से लड़ रहे हैं वो अपने जीवित रहने के लिये लड़ रहे न कि आत्मरक्षा के लिये। और जो समाचार आ रहे है वह गल्फ देशों और अमरीकन मीडिया से आ रही है लेकिन ईरान में कितनी तबाही हुयी है वो समाचार नहीं आ रहे। आर्मी जनरलस् की अपने टारगेट को पूरा करने की अलग प्राथमिकता होती हैं वो मीडिया की बात सुनकर अपनी प्राथमिकताओं का निर्णय नहीं करते। इसलिये प्रचार करना कि ट्रम्प / अमेरिका हार गया, ईरान जीत गया। ये हास्यास्पद लगता है। इससे ये भी पता चलता है कि हमारा मीडिया गम्भीर और परिपक्क नहीं है। अमेरिका के तीन जहाज गिरे और 6 जवान मारे गये इसका प्रचार खूब हो रहा है इतनी बी फौज और इतने बड़े क्षेत्र area (चार लाख स्क्वायर मील) को कमाण्ड करने की अपनी सीमाऐं हैं, इसलिये गल्तियाँ होती है और गल्तियों का खामियाजा सेना और जनता भुगतती है हमने भी जो लड़?ाईयों ल?ी हैं उसमे ऐसी अनेकों गलतियाँ हुई हैं, हमारे गलबान में ही 20 जवान साल 2020 में शहीद गये थे। तो अमेरिका और ईरान इतनी बड़ी लड़ाई लड़ रहे है तो उसमे 6 आदमी मर गये तो क्या अमेरिका युद्ध हार गया । मेरे विचार से मीडिया को जिम्मेदार होना चाहिये। यह सही है कि अंतराष्ट्रीय स्तर पर मुस्लिम समुदाय की कई देशों में गम्भीर राजनैतिक समस?याऐं है। जिनका समाधान राजनैतिकि ही है कोई युद्ध नही। चाहे आप भारत-पाकिस्तान ले लें, फिलिस्तीन ले या अफगानिस्तान ले, कई बार आपस में लड़ चुके हैं, यही स्थिति अरब देशों के कबीलों की है वह लड़ाई है। लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला । समस्या ज्यों की त्यों है, जिसके कारण जगह-जगह, अपनी- अपनी देशों के हितों को पूरा करने के लिये आंतकवादी ग्रुप बने हैं वो यह ग्रुप दुनिया भर में हिंसा करते है वहाँ की स्थानीय मुस्लिम संगठन ने कभी भी उनकी निंदा नहीं करी, सांकेतिक निंदा हो सकती है इसलिये ये धारण बन गयी है कि मुस्लिम आंतकवादी होता है। ईरान व पाकिस्तान ने खुल्लम खुल्ला ऐसे संगठनों की प्रशंसा ही नही करी बल्कि आर्थिक, राजनैतिक, सैन्य, सहायता दी है। इनके इस कार्रवाई से पूरी दुनिया परेशान है। आज जो देश हाय तौबा कर रहे हैं उनके नेताओं से यदि व्यक्तिगत तौर पर पूछो तो वो भी कहते है अच्छा हो रहा है। हमारे देश में इतने आतंकवादी हमले होते हैं पर कभी मुसलमान या उनका संगठन इसका विरोध करने सड़क पर नहीं आया। ईरान के प्रॉक्सी संगठन- हिजबुल्ला (लेबनान), हमास (गाजा), हूती (यमन), कताइब हिजबुल?ला (इराक), फिलिस्तीन इस्लामिक जेहाद (गाजा), इराकशिया मिलिशिया(इराक), असाइन अहल अल-हक, सीरिया के ग्रुप, अल-अश्तर ब्रिगेड (बहरीन), इत्यादि। इन संगठनों ने न सिर्फ अमेरिका इजरायल के विरुद्ध आतंकवादी गतिविधियां करी है बल्कि पूरी दुनिया के व्यापारिक मार्गो और जहाजों पर हमला किया है और उसके बाद जश्न मनाते थे। गैर मुस्लिम लड़कियों के साथ सामूहिक बलात्कार करके वीडियो प्रचारित करते थे, किसी भी मौलवी को शर्म नहीं आयी। इसलिए मैंने लिखा इनमें मानवीय भावनाऐं कम होती हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में तूफान से 12 साल के बच्चे समेत 6 लोगों की मौत, कई घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रविवार को तूफान और बंबडर की वजह से 12 साल के बच्चे समेत 6 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिका के मिशिगन और ओक्लाहोमा में हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, दक्षिणी मिशिगन में चार लोगों की मौत हुई। वहीं ओक्लाहोमा में दो लोगों की जान गई। इसके अलावा 12 लोगों के घायल होने की भी खबर है। अधिकारियों ने बताया कि कई घरों और इमारतों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। मिशिगन की गवर्नर ग्रेचैन विटमर ने इमरजेंसी घोषित कर दी है और कहा है कि प्रभावित लोगों की मदद के लिए रिसोर्स जुटाए जा रहे हैं। वहीं ओक्लाहोमा के गवर्नर केविन स्टीट्ट ने भी कई जिलों में इमरजेंसी घोषित कर दी है ताकि प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य तेजी से किए जा सकें। नेशनल वेदर सर्विस ने चेतावनी दी है कि ग्रेट प्लेन्स से लेकर टेक्सास तक वीकेंड तक भारी तूफान, आंधी और अचानक बाढ़ का खतरा बना रह सकता है।

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों की आतंकियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, मुठभेड़ में करीब 20 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने आतंकियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मुठभेड़ में करीब 20 आतंकियों को ढेर कर दिया है। खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों ने पांच अलग-अलग खुफिया अभियानों में 13 आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना की मीडिया विंग आईएसपीआर ने रविवार को बताया कि ये अभियान 6 और 7 मार्च को चलाए गए थे। सबसे बड़ी कार्रवाई बाजौर जिले में हुई, जहां भीषण गोलाबारी के बाद पांच आतंकियों को ढेर कर दिया गया। इसके अलावा बन्नू, डेरा इस्माइल खान, खैबर और दक्षिण वजीरिस्तान जिलों में हुई मुठभेड़ों में आठ अन्य आतंकी मारे गए। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने रविवार रात पंजाब प्रांत में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के चार आतंकवादियों को मार गिराया। पंजाब पुलिस के काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) के अनुसार, पंजाब का डेरा गाजी खान जिला एक बड़े आतंकवादी हमले से बाल-बाल बच गया, क्योंकि 'फितना अल-खवारिज' (टीटीपी) के चार आतंकवादी सीमावर्ती गांव जोतार के पास सीटीडी के साथ गोलीबारी में मारे गए। सीटीडी ने कहा, 'इलाके में लगभग 15 आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद एक खुफिया ऑपरेशन चलाया, जिन्होंने डीजी खान में पुलिस चेकपॉइंट और अन्य सरकारी ठिकानों पर हमला करने की योजना को अंतिम रूप दिया था। जैसे ही काउंटर टेरेरिज्म टीम उस जगह पर पहुंची, आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। सीटीडी के कर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप चार आतंकवादी मारे गए। 11 अन्य आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहे। आतंकवादियों के पास से राइफल, गोला-बारूद और विस्फोटक सामान समेत हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए।

ईरान का दावा- ट्रम्प को युद्ध के लिए उकसाया गया: इरानी विदेश मंत्री

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ईरान के खिलाफ युद्ध के लिए उकसाया गया। उनका दावा है कि अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मिलकर साजिश की। अराघची के मुताबिक ग्राहम हाल के हफ्तों में कई बार इजराइल गए और वहां की खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों से मुलाकात की। इन बैठकों में ईरान से जुड़े मामलों पर चर्चा हुई। अराघची का कहना है कि ग्राहम ने कहा था कि उन्हें इजराइल से ऐसी खुफिया जानकारी मिलती है जो कभी-कभी अमेरिकी सरकार भी शेयर नहीं करती। इसी जानकारी के आधार पर ट्रम्प को ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए राजी किया गया। अराघची ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राहम ने इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को सलाह दी कि वे ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कदम उठाने के लिए कैसे मना सकते हैं। अराघची ने कहा कि किसी भी देश में ऐसा करना देशद्रोह जैसा माना जाएगा। सऊदी अरब के अल-खार्ज इलाके में रिहायशी परिसर पर मिसाइल गिरने से एक भारतीय और एक बांग्लादेशी नागरिक की मौत हो गई। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक हमले में 12 अन्य बांग्लादेशी घायल हुए हैं। सऊदी सिविल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक आवासीय परिसर पर मिसाइल गिरने से इससे इमारत को नुकसान पहुंचा और आसपास अफरा-तफरी मच गई। इससे पहले ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा था कि उसने अल-खार्ज समेत कई स्थानों पर रडार सिस्टम को निशाना बनाया है। मिसाइल गिरने की घटना इसी इलाके में सामने आई है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव को देखते हुए भारत सरकार पहले ही सऊदी अरब में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर चुकी है और उन्हें सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

खामेनेई के बेटे मोजतबा बने ईरान के सुप्रीम लीडर

आते ही ऐक्शन में, पहली मिसाइल इजरायल पर दाग दी

तेहरान , एजेंसी। अमेरिका और इजरायल के खिलाफ छिड़ी भीषण जंग के बीच ईरान ने अपना सर्वोच्च नेता चुन लिया है। अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद अब उनके बेटे मोजतबा खामेनेई यह जिम्मेदारी संभालेंगे। सोमवार को ईरान की तरफ से यह ऐलान होते ही पूरी दुनिया में कोहराम मच गया है। अब इस बात को लेकर चर्चाएं तेज हैं कि आखिर इस युद्ध को लेकर मोजतबा का रुख क्या होगा और वह अमेरिका और इजरायल के साथ-साथ देश के लोगों में उठे असंतोष की भावना का जवाब कैसे देंगे। इससे पहले ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की रमजान के महीने में मौत होने के बाद देश की सत्ता की बागडोर को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं। खामेनेई के उत्तराधिकारी के रूप में सबसे प्रमुख नाम उनके बेटे मोजतबा खामेनेई का ही था, जिन्हें लंबे समय से ईरान की सत्ता व्यवस्था के भीतर प्रभावशाली व्यक्ति माना जाता है।

ईरान ने नए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई की नियुक्ति के बाद पहला हमला इजरायल पर किया। आईआरआईबी ने लिखा, 'ईरान ने अयातुल्ला सैयद मोजतबा खामनेई की अगुवाई में मिसाइलों की पहली लहर कब्जे वाले इलाकों में छोड़ी हैं।' साथ ही मिसाइल अटैक की तस्वीर भी पोस्ट की गई है।

कौन हैं मोजतबा खामेनेई ? : मोजतबा खामेनेई को अपेक्षाकृत मध्य-स्तरीय धर्मगुरु माना जाता है और उन्हें 2022 में ही अयातुल्ला की उपाधि दी गई थी, जो सर्वोच्च नेता बनने के लिए आवश्यक मानी जाती है। इसीलिए कई विश्लेषकों ने इसे उन्हें अली खामेनेई के उत्तराधिकारी के रूप में तैयार किए जाने का संकेत माना था। मोजतबा ने अपने अधिकतर राजनीतिक जीवन में कोई औपचारिक सरकारी पद नहीं संभाला, लेकिन वह सर्वोच्च नेता के कार्यालय के भीतर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। उन्हें अक्सर सत्ता के गलियारों में प्रभावशाली 'पावर ब्रोकर' और 'गेटकीपर' के रूप में देखा जाता रहा है।

बताया जाता है कि 17 वर्ष की उम्र में उन्होंने ईरान-

इराक युद्ध में संक्षिप्त रूप से हिस्सा लिया था। हालांकि उन्हें व्यापक सार्वजनिक पहचान 1990 के दशक के आखिर में मिली, जब उनके पिता अली खामेनेई की सर्वोच्च नेता के रूप में स्थिति मजबूत हो चुकी थी। 2019 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मोजतबा खामेनेई पर प्रतिबंध लगाए थे और आरोप लगाया था कि वे बिना किसी औपचारिक सरकारी पद के भी सर्वोच्च नेता की ओर से प्रभावी भूमिका निभा रहे थे।

आईआरजीसी से करीबी : समय के साथ उनकी पहचान दो प्रमुख पहलुओं से जुड़ी रही है। पहला, ईरान की सुरक्षा व्यवस्था, विशेष रूप से इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) और उससे जुड़े कट्टरपंथी नेटवर्क के साथ उनके करीबी संबंध। दूसरा, सुधारवादी राजनीति और पश्चिमी देशों के साथ करीबी संबंधों के प्रति उनका कड़ा विरोध। आलोचक उन्हें 2009 के विवादित राष्ट्रपति चुनाव के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों के दमन से भी जोड़ते हैं। माना जाता है कि उन्होंने ईरान के सरकारी प्रसारण संगठन पर भी गहरा प्रभाव बनाए रखा, जिससे उन्हें देश के सूचना तंत्र और सरकारी विमर्श के एक हिस्से पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण मिला।

कैसे होगी ईरान की नीति? : विशेषज्ञों का मानना है कि मोजतबा खामेनेई के सर्वोच्च नेता बनने पर ईरान की नीतियों में बड़े बदलाव की संभावना कम है। माना जाता है कि उनके नेतृत्व में देश की राजनीति में सुरक्षा संस्थानों, खासकर आईआरजीसी का प्रभाव और मजबूत हो सकता है। विश्लेषकों के अनुसार घरेलू स्तर पर विरोध प्रदर्शनों के प्रति सख्त रुख अपनाया जा सकता है, जबकि विदेश नीति में पश्चिमी देशों के साथ बातचीत मुख्य रूप से रणनीतिक जरूरतों के आधार पर ही की जा सकती है। कुल मिलाकर, उनके नेतृत्व में ईरान की नीति रणनीतिक रूप से व्यावहारिक रह सकती है। खामेनेई की नियुक्ति इस बात का भी इशारा है कि ईरान किसी भी हाल में अमेरिकी मांगों के आगे नहीं झुकेगा और वह अपने पिता के सख्त रवैये को जारी रखेंगे, यानी इस्लाम और अमेरिका विरोधी विदेश नीति को सबसे ऊपर रखना। वहीं 28 फरवरी के हमलों में अपने पिता, मां और पत्नी को खोने वाले मोजतबा बदला लेने की कोशिशें भी कर सकते हैं। युद्ध फिलहाल जारी रहेगा।

इजरायल ने दी थी धमकी : खबरें हैं कि कुछ समय पहले ही इजरायल की सेना ने चेतावनी दी है कि वह ईरान के मारे गए सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के हर संभावित उत्तराधिकारी का पीछा करेगी। इजरायली सेना ने एक्स पर फारसी भाषा में पोस्ट कर कहा कि जो भी व्यक्ति खामेनेई का उत्तराधिकारी बनने की कोशिश करेगा या नए सुप्रीम लीडर की नियुक्ति की प्रक्रिया में शामिल होगा। उसे भी निशाना बनाया जाएगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई थी, जब ईरान की धार्मिक संस्था एसेंबली एक्सपर्ट देश के अगले सर्वोच्च नेता के चयन के लिए बैठक करने जा रही थी।

अमेरिका बना रहा नया यूरेनियम प्लान : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कथित तौर पर ईरान के यूरेनियम को कब्जे में लेने के लिए विशेष सैन्य अभियान (स्पेशल ऑपरेशन) के विकल्प पर विचार कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस योजना के बारे में तीन राजनयिक अधिकारियों को जानकारी दी गई है।

अब किम जोंग से भिड़ रहे है डोनाल्ड ट्रंप

दक्षिण कोरिया के साथ मिलकर बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू किया

सियोल, एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच बीते 10 दिनों से जारी भीषण युद्ध का कोई अंत फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक सैंकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है और जंग का दायरा बढ़ता ही जा रहा है। इस बीच अब अमेरिका ने कुछ ऐसा कर दिया है जिससे उत्तर कोरिया का भड़कना तय है। दरअसल अमेरिका ने सोमवार को दक्षिण कोरिया के साथ मिलकर एक बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अभ्यास में हजारों सैनिक हिस्सा ले रहे हैं, जिससे उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन का पारा चढ़ सकता है।

दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' ने जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 18,000 कोरियाई सैनिक इस 'फ्रीडम शील्ड' अभ्यास में हिस्सा लेंगे, जो 19 मार्च तक चलेगा। हालांकि अमेरिकी सेना ने दक्षिण कोरिया में इस अभ्यास में शामिल अपने सैनिकों की संख्या नहीं बताई है इन दोनों सहयोगी देशों का यह संयुक्त अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है जब दक्षिण कोरियाई मीडिया में अटकलें लगाई जा रही हैं कि अमेरिका कुछ सैन्य संसाधनों को दक्षिण कोरिया से हटा कर ईरान के खिलाफ लड़ाई में ले जा रहा है।

पैट्रियट मिसाइल सिस्टम पश्चिम एशिया भेजे जाने की खबरें

इससे पहले 'यूएस फोर्सेज कोरिया' ने पिछले सप्ताह कहा था कि सुरक्षा कारणों से वह सैन्य संसाधनों की विशिष्ट गतिविधियों पर टिप्पणी नहीं करेगी। वहीं दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने भी इस खबर पर टिप्पणी करने से इनकार किया कि कुछ अमेरिकी पैट्रियट मिसाइल सिस्टम और अन्य उपकरण पश्चिम एशिया भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि इससे सहयोगी देशों की संयुक्त रक्षा रणनीति पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा।'फ्रीडम शील्ड' अभ्यास को लेकर उत्तर कोरिया की ओर से तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल सकती है। उत्तर कोरिया लंबे समय से सहयोगी देशों के संयुक्त अभ्यासों को आक्रमण का पूर्वाभ्यास बताता रहा है और इसे अपने सैन्य प्रदर्शनों और हथियार परीक्षणों को बढ़ाने का बहाना बनाता रहा है। अमेरिका एवं दक्षिण कोरिया का कहना है कि ये अभ्यास रक्षा उद्देश्य के लिए होते हैं।

सऊदी में ईरान के हमले में भारतीय नागरिक की मौत?

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब के अल-खर्ज शहर में रविवार को प्रोजेक्टाइल गिरने की घटना के बाद भारतीय दूतावास ने सोमवार को स्पष्ट किया कि इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में कोई भारतीय नागरिक मारा नहीं गया। दूतावास ने कहा कि वह संबंधित सऊदी अधिकारियों के संपर्क में है और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए लगातार स्थिति पर नजर रख रहा है।

भारतीय मिशन के अनुसार, काउंसलर (ष्ठद्ब) श्री वाई. साबिर ने रविवार की रात अल-खर्ज का दौरा किया और घटना में घायल हुए भारतीय नागरिक से मुलाकात की। वह वर्तमान में अल-खर्ज के सरकारी अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा 'कल शाम अल-खर्ज में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में किसी भारतीय नागरिक की मौत नहीं हुई, यह राहत की बात है।' घटना के तुरंत बाद, सऊदी सिविल डिफेंस अधिकारियों ने बयान में कहा था कि प्रोजेक्टाइल हमले में एक भारतीय और एक बांग्लादेशी नागरिक की मौत हुई। इसके अलावा 12 बांग्लादेशी निवासी घायल हुए और संपत्ति को भी नुकसान हुआ। सऊदी अधिकारियों ने यह भी कहा कि नागरिक सुविधाओं को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। दूतावास ने अपने नागरिकों से सतर्क रहने और स्थानीय सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा सऊदी अरब में स्थित सभी भारतीय नागरिक सतर्क रहें, सुरक्षा निर्देशों का पालन करें और स्थानीय प्रशासन तथा दूतावास द्वारा जारी सलाहों का पालन करें।

गौरतलब है कि रविवार को ईरान की ओर से सऊदी अरब की तरफ दागी गई मिसाइल को सऊदी एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही इंटरसेप्ट कर लिया। हालांकि, मिसाइल का धधकता मलबा सीधे अल-खर्ज शहर में एक बिल्डिंग पर गिर गया। घटना के तुरंत बाद आसपास की दीवारें हिल गईं और वहां मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में कई लोग घायल हुए और कुछ की जान भी चली गई। घायलों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल हैं, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। अल-खर्ज का पूरा इलाका इस हादसे के बाद दहशत में है और स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ा दी है।

अमेरिकी संसद में एच-1बी प्रतिबंधों को खत्म करने के लिए विधेयक पेश, ट्रंप के फैसले पर सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा से संबंधित लागू किए गए कड़े प्रतिबंधों को चुनौती देते हुए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में एक नया विधेयक पेश किया गया है। डेमोक्रेटिक सांसद बोनी वॉटसन कोलमैन ने यह विधेयक पेश कर राष्ट्रपति ट्रंप के उस फैसले को निरस्त करने की मांग की है, जिसमें एच-1बी वीजा पर काम करने वाले कर्मचारियों को नियुक्त करने वाले नियोक्ताओं पर सख्त वेतन शर्तें और भारी शुल्क लगाए गए थे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सितंबर 2025 में एक ऐसे फैसले की घोषणा की थी, जिसके तहत एच-1बी वीजा कर्मचारियों के लिए अनिवार्य वेतन स्तर को काफी बढ़ा दिया गया और ऐसे कर्मचारियों को रखने वाले नियोक्ताओं पर एक लाख डॉलर का शुल्क भी लगाया गया। इस फैसले

का उद्देश्य कथित तौर पर अमेरिकी श्रमिकों के हितों की रक्षा करना था।

हालांकि, डेमोक्रेटिक सांसद कोलमैन का मानना है कि यह 'अल्पदृष्टि वाली घोषणा' अमेरिकी नियोक्ताओं, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और शोध संस्थानों के लिए बड़ी बाधाएं खड़ी कर रही है। ये संस्थान उच्च कौशल वाले पेशेवरों पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं। कोलमैन ने जोर देकर कहा कि एच-1बी वीजा प्रोग्राम कभी भी घरेलू वर्कफोर्स का विकल्प नहीं रहा है, बल्कि यह अमेरिकी और वैश्विक प्रतिभा के बीच एक सेतु का काम करता है, जो देश की आर्थिक वृद्धि को गति प्रदान करता है।

एच-1बी वीजा प्रोग्राम अमेरिकी नियोक्ताओं को उन विशेष क्षेत्रों में विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति देता है, जहाँ कुशल श्रमिकों की कमी होती है। विशेष रूप से टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में इस कार्यक्रम की महत्ता सर्वविदित है।

कोलमैन के विधेयक को कई लोगों का समर्थन मिला है। समर्थकों का कहना है कि अधिक वेतन सीमा और महंगे शुल्क के कारण कार्यक्रम को कड़ा बनाने से उन संस्थानों के लिए आवश्यक प्रतिभा को आकर्षित करना मुश्किल हो गया है, जो नवाचार (इनोवेशन) और महत्वपूर्ण सेवाओं को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वॉटसन कोलमैन ने इस बात पर विशेष चिंता व्यक्त की है कि ये पाबंदियां ऐसे समय में लागू की गई हैं जब अमेरिका का स्वास्थ्य क्षेत्र पहले से ही भारी दबाव का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, 'उम्रदराज कार्यबल, कोविड-19 का प्रभाव, एच-1बी वीजा पर प्रतिबंध और ट्रंप प्रशासन द्वारा नर्सिंग डिग्री के लिए संघीय छात्र ऋण पर हालिया सीमाओं के कारण आने वाले वर्षों में नर्सों की कमी का एक गंभीर संकट पैदा हो सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि 'वेलकमिंग इंटरनेशनल सक्सेस एक्ट' नामक यह विधेयक, योग्य स्वास्थ्य पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करेगा और इस बोझ को कम करेगा। इस विधेयक को कई डेमोक्रेटिक सांसदों का समर्थन प्राप्त हुआ है।

अमेरिकी पॉप स्टार रिहाना के घर पर 10 राउंड फायरिंग

वाशिंगटन, एजेंसी। पॉपुलर सिंगर रिहाना ने अपने म्यूजिक से दुनिया भर में एक अलग पहचान बनाई है, जिसके चलते हर देश में उनके हजारों फैंस मौजूद हैं. लेकिन आज इस पॉप-स्टार को लेकर एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है, सिंगर के कैलिफोर्निया के बेवर्ली हिल्स में मौजूद घर के बाहर फायरिंग हुई है. खबरों के मुताबिक इस घटना को एक 30 साल की महिला शूटर ने अंजाम दिया है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. एक महिला ने रिहाना के घर की ओर 10 राउंड गोलियां चलाईं। एक गोली घर की दीवार पर लगी है। रॉयटर्स के मुताबिक हमले के वक्त रिहाना घर पर मौजूद थीं, लेकिन इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

अमेरिकी पॉप स्टार रिहाना के घर के बाहर फायरिंग की घटना हुई है। यह घटना लॉस एंजिलिस के ब्रेबरी हिल्स में

हुई। हमले की जानकारी मिलते ही लास एंजिलिस पुलिस मौके पर पहुंची और 30 साल की एक महिला को हिरासत में लिया। कैलिफोर्निया के बेवर्ली हिल्स में मौजूद पॉपुलर पॉप-स्टार रिहाना के घर के बाहर फायरिंग हुई है, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. वहीं पुलिस ने सिंगर के घर की तरफ बार-बार गोली चलाने वाली महिला शूटर को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है.

रिहाना के घर के बाहर हुई इस घटना को लेकर लॉस एंजिल्स पुलिस डिपार्टमेंट ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार, 8 मार्च को सिंगर के घर के पास करीब दोपहर 1:21 पर गोलीबारी की घटना हुई. इस दौरान 5 से 7 गोलियां चलाई गईं, जो उनके घर के गेट पर लगीं. लेकिन इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है. पॉप-स्टार रिहाना के घर के बाहर हुई इस घटना को लेकर पुलिस ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, जिसमें इस हादसे के पीछे की वजह को बताया गया हो. साथ में, अभी ये भी स्पष्ट नहीं हुआ है कि उस समय सिंगर के पति एएसएपी रॉकी और उनके बच्चे आरजेडए, रायट रोज और रोज घर पर मौजूद थे या नहीं. पुलिस अधिकारी फिलहाल गोलीबारी के पीछे के मकसद की जांच में जुटे हुए हैं.

अमेरिकी पॉप स्टार रिहाना के घर के बाहर फायरिंग की घटना हुई है। यह घटना लॉस एंजिलिस के ब्रेबरी हिल्स में हुई। जहां एक महिला ने रिहाना के घर की ओर 10 राउंड गोलियां चलाईं। एक गोली घर की दीवार पर लगी है।

हमले की जानकारी मिलते ही लास एंजिलिस पुलिस मौके पर पहुंची और 30 साल की एक महिला को हिरासत में लिया।

स्कूल स्ट्राइक का संबंध ईरान में आईआरजीसी ठिकाने पर हुए अमेरिकी हमले से

वाशिंगटन, एजेंसी। झईरान के मिनाब शहर में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के नौसैनिक अड्डे पर हुए हमले से जुड़ा एक नया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एक इमारत को निशाना बनाकर किए गए अमेरिकी हवाई हमले को दिखाया गया है। यह अड्डा एक प्राथमिक विद्यालय के पास स्थित है। ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार 28 फरवरी को हुए हमले में उस स्कूल के 160 से अधिक विद्यार्थियों की मौत हो गई थी।

सेमी-ऑफिशियल ईरानी न्यूज एजेंसी मेहर न्यूज की ओर से साझा किया गया यह वीडियो पहली बार उस इलाके में मिसाइल गिरते हुए दिखाता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने सीएनएन की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि यह उन बढ़ते सबूतों में से एक है जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर इल्ज़ाम लगाने के हालिया दावों को गलत साबित करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार यह वीडियो पास के एक निर्माण स्थल से बनाया गया है। इसमें एक ऐसी मिसाइल दिखाई देती है, जो अमेरिका की टॉमहॉक लैंड अटैक मिसाइल (टीएलएएम) जैसी लगती है। यह मिसाइल आईआरजीसी के अड्डे के अंदर एक स्थान पर जाकर गिरती दिखाई देती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इजराइल टॉमहॉक मिसाइल का इस्तेमाल नहीं करता।

जेम्स मार्टिन सेंटर फॉर नॉनप्रोलिफरेशन स्टडीज़ के शोध सहयोगी सैम लेयर ने सीएनएन से कहा कि वीडियो में दिख रही मिसाइल टॉमहॉक मिसाइल की विशेषताओं से मेल खाती है। लेयर के अनुसार, सबसे पहले यह मिसाइल देखने में टीएलएएम जैसी लगती है। इसका आकार क्रॉस की तरह होता है, जिसमें बीच में पंख लगे होते हैं और पीछे की तरफ टेल किट होता है।

लेयर ने यह भी कहा कि वीडियो की लोकेशन से पता चलता है कि एक क्रूज मिसाइल अड्डे के बीच में स्थित इमारतों में से एक पर गिरती है। हालांकि वीडियो में स्कूल पर सीधे हमला होते हुए नहीं दिखता, लेकिन संभावना है कि स्कूल पर हुआ हमला भी उसी कार्रवाई का हिस्सा था।

सीएनएन ने जिन अन्य हथियार विशेषज्ञों से बात की, उन्होंने भी इस आकलन से सहमति जताई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को मिनाब के स्कूल पर हुए हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया था, जबकि सीएनएन और कई अन्य मीडिया संस्थानों के विश्लेषण इससे अलग संकेत देते हैं। वहीं ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार मिनाब के स्कूल पर हुए हमले के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया गया है।

ईरान जंग: 1700 से ज्यादा मौतें:तेहरान में काली बारिश, सड़कों पर लेबनान में लोग

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज दसवां दिन है। इस जंग में अब तक 1700 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, जबकि हजारों घायल हैं। लोग अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगह पर शरण लेने को मजबूर हैं। ईरान और इजराइल लगातार एक दूसरे के सैन्य ठिकानों के साथ-साथ सिविलियन इलाकों को भी निशाना बना रहे हैं। इस वजह से आम लोगों को जान माल का भारी नुकसान हो रहा है। वहीं, दूसरी तरफ इजराइल, लेबनान में भी ईरान समर्थक ग्रुप हिजबुल्लाह के खिलाफ हमले कर रहा है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहा ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब दसवें दिन में प्रवेश कर चुका है। पूरा क्षेत्र तनाव की चपेट में है। ऐसे में

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का युद्ध को लेकर सख्त रवैया और खाड़ी देशों में बढ़ता संघर्ष, वैश्विक राजनीति के लिया बड़ा संकट साबित होता दिख रहा है। भारत ने कहा है कि तेजी से बदलती परिस्थितियों पर सरकार की पैनी नजर है।

सऊदी अरब ने शैबाह तेल क्षेत्र की ओर बढ़ रहे ड्रोन को किया नष्ट : सऊदी अरब की रक्षा मंत्रालय ने बताया कि शैबाह तेल क्षेत्र की ओर बढ़ रहा एक ड्रोन रोककर नष्ट कर दिया गया। इससे तेल क्षेत्र को कोई नुकसान नहीं हुआ। मंत्रालय ने कहा कि सुरक्षा बल सतर्क हैं और किसी भी खतरे को तुरंत निपटाने के लिए तैयार हैं।

कतर, बहरीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर बड़े हमले : कतर पर ईरानी मिसाइल हमला हुआ। राजधानी दोहा में मिसाइलें इंटरसेप्ट की गईं, तेज धमाके और धुएं देखे गए। बहरीन के सित्रा इलाके में ड्रोन हमले में 32 लोग घायल। सऊदी अरब के शैबाह तेल क्षेत्र पर ड्रोन हमले को रोका गया, साथ ही रियाद के उत्तर में दो ड्रोन और राजनयिक क्षेत्र की ओर एक प्रोजेक्टाइल गिराया गया।

कतर में 313 लोग गुमराह करने वाली जानकारी फैलाने के आरोप में गिरफ्तार : कतर की इंटीरियर मिनिस्ट्री ने 313 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने भ्रामक जानकारी शूट, फैलायी और प्रकाशित की। गिरफ्तार लोग विभिन्न राष्ट्रीयताओं के हैं।

बहरीन के सबसे बड़े रिफाइनरी पर ईरान का हमला : बहरीन के सबसे बड़े तेल रिफाइनरी बीएपीसीओ पर ईरान ने मिसाइल से बड़ा हमला किया। हमले के बाद रिफाइनरी पर नुकसान हुआ है, लेकिन अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है।

इस्राइल ने बेरूत पर फिर किया हमला : अल जजीरा अरबी की रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइल की सेनाओं ने लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर दूसरा हमला किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि हमले की जानकारी जैसे ही और मिलेगी, अपडेट दी जाएगी। यह हमला पिछले कुछ घंटों में इज़राइल द्वारा बेरूत पर किए गए लगातार हमलों का हिस्सा माना जा रहा है।

लेबनान में इस्राइली हमले में 3 की मौत, 15 घायल : लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि दक्षिणी टायार देब्बा पर इस्राइल के हमले में कम से कम तीन लोग मारे गए और 15 अन्य घायल हुए। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब स्वास्थ्य अधिकारियों ने पास के शहर जॉया पर इस्राइल के हवाई हमले में भी कम से कम तीन लोगों की मौत और 16 घायल होने की रिपोर्ट दी थी।

धूप में निकला ना करो..

चटकती-तमतमाती धूप ने आपके सर पर डेरा डाल दिया है। सूरज के तेवर तीखे हो चुके हैं और पूरी कोशिश है आपकी रंगत को स्याह करने की। तो आप भी कस लीजिए कमर और बना लीजिए मूड सूरज को ठेंगा दिखाने का। रोकिए झुर्रियों को असमय आने से और लीजिए लुत्फगर्मियों का।

जी हाँ, गर्मियों में तेज धूप आपकी रंगत को फीका बना डालती है। यदि आप पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ घर के बाहर और घर के अंदर भी न रहें तो आपकी त्वचा झुलसने के साथ-साथ कई अन्य परेशानियों का भी शिकार भी बन सकती हैं। इसलिए गर्मियों में कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें।

सबसे पहली जरूरत है, शरीर की नमी को बनाए रखने की। बढ़ते तापमान से आपके शरीर की स्वेद ग्रंथियाँ अधिक सक्रिय हो जाती हैं अर्थात पसीना निकलने की प्रक्रिया में तेजी आ जाती है। इसलिए आवश्यक है कि आप पानी तथा लिक्विड इंटेक का पर्याप्त सेवन करती रहें। एक दिन में कम से कम10-12 गिलास पानी पिएँ। इसके अलावा नींबू पानी, संतरे तथा अन्य पानी वाले फलों का सेवन भी समय-समय पर करते रहें। इससे शरीर को ऊर्जा भी मिलेगी, नमी का स्तर भी पर्याप्त बना रहेगा तथा समय से पहले चेहरे पर झुर्रियाँ भी नहीं पड़ेंगी। याद रखें कि कोल्ड ड्रिंक या इस तरह के पेय फायदेमंद नहीं होंगे।

दिनभर में कम से कम दो-तीन बार चेहरे पर भी ठंडे पानी के छींटे मारें। इससे आपकी त्वचा में बाहर से भी नमी बरकरार रहेगी।

गर्म पानी से नहाने की बजाय ठंडे पानी से नहाएँ। ठंडे से मतलब है रूम टेम्परेचर वाला पानी...। हाँ, आप चाहें तो थोड़े गुनगुने पानी का उपयोग कर सकती हैं।

किसी माइल्ड सोप या सोप-फ्री फेस वॉश का उपयोग करें।

हफ्ते में एक बार क्लीनअप का प्रयोग कर सकते हैं। अगर स्क्रब का प्रयोग कर रहे हैं तो हर्बल या किसी माइल्ड स्क्रब का ही प्रयोग करें।

पसीना, प्रदूषण तथा धूप- ये सब मिलकर आपकी त्वचा को नुकसान पहुँचाने में लग जाते हैं।

अगर आपकी त्वचा ड्राय है तो दिन में मेकअप के पहले मॉइश्चराइजर लगाएँ अथवा मॉइश्चराइजर का प्रयोग रात में ही करें और बहुत कम।

सूरज के तमतमाते तेवर आपके लिए खतरा लाते हैं लेकिन धूप का सेवन भी आपके लिए जरूरी है। खासतौर पर सुबह सूर्योदय के समय निकलने वाली हल्की किरणों का सेवन अवश्य करें। पैदल घूमने या खुली जगह पर योग करने से कई लाभ हो सकते हैं।

गर्मियों में सूती वस्त्र सबसे ज्यादा आरामदायक साबित होते हैं। लंबी बाँहों तथा हल्के रंग वाले कपड़ों को भी आप अपनी लिस्ट में स्थान दे सकते हैं। इसके अलावा धूप के चश्मे, हैट, स्कॉर्फ, समरकोट आदि का उपयोग भी घर से बाहर निकलने के समय किया जा सकता है।

चाहे घर के अंदर रहें या बाहर, सनस्क्रीन लोशन का उपयोग जरूर करें। यह तेज धूप से तो आपकी त्वचा की रक्षा करता ही है। सूर्य की हानिकारक किरणों से भी आपको बचाता है। इससे कैंसर सहित त्वचा के कई रोगों से आप बच सकते हैं। सनस्क्रीन लोशन को गंभीरता से लें। ऐसा लोशन खरीदें जिसमें एसपीएफ (सन प्रोटेक्शन फैक्टर) 15 या उससे अधिक हो।

घर से निकलने के 20-25 मिनट पहले इसकी मोटी-सी लेयर शरीर पर लगा लें। खासकर उन भागों पर जो धूप के सीधे संपर्क में आते हों। यदि आप ज्यादा समय बाहर रहते हैं तो हर 3-4 घंटे में सनस्क्रीन लोशन लगाते रहें। स्वीमिंग के समय वाटर रजिस्टेंट सनस्क्रीन लोशन लगाएँ।

चाहे हम लोग आज भी गोरी स्कीन के प्रति प्रिजुडाइस हों, लेकिन यह बात भी उतनी ही सच है कि साँवली स्कीन सूर्य की खतरनाक किरणों से बचने में ज्यादा सक्षम है। तो यहाँ वे लोग फायदे में हुए, जो डार्क कॉम्प्लेक्शन वाले हैं। गोरे लोगों पर सूरज की यूवी किरणों का प्रकोप होने के ज्यादा चांसेस होते हैं।

स्प्रिंग सीजन में स्किन केयर

गर्मियों के समय में त्वचा से संबंधित समस्याओं में सामान्यत: घमोरियाँ, सनबर्न, एलर्जी, टैनिंग आदि समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। इसे सामान्य भाषा में घमोरी या प्रिकलीहीट भी कहते हैं। यह स्वेद ग्रंथि की नलिका की सामान्य बीमारी है। इसमें ग्रंथि द्वारा उत्पन्न पसीना त्वचा की ऊपरी सतह पर आकर वाष्पीकृत हो जाता है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है।

कभी-कभी अत्यधिक गर्मी की वजह से पसीना ज्यादा बनने लगता है और किसी कारण से स्वेद नलिका में रुकावट होने की वजह से पसीना त्वचा की ऊपरी सतह पर नहीं आ पाता है और वह त्वचा की निचली सतह पर फैलने लगता है। इससे त्वचा में लालिमा उत्पन्न होने लगती है और उसमें छोटे-छोटे लाल दाने बन जाते हैं जिसमें काफी खुजली व जलन होती है। यह किसी भी उम्र में हो सकता है। इसका सामान्य कारण उष्णता व अत्यधिक गर्मी है। ये दाने धूप में जाने पर बढ़ जाते हैं। यह स्वेदवाही नलियों में रुकावट के आधार पर तीन प्रकार का होता है-

क्रिस्टिलीना : यह त्वचा की ऊपरी सतह पर ही रुकावट होने से होता है। इसमें जो दाने बनते हैं वे सामान्यत: 2 सप्ताह तक के बच्चों में व बड़ों में बुखार आदि होने पर हो सकते हैं। इसमें ज्यादा जलन व खुजली नहीं होती है। ये एकाध दिन में अपने आप ठीक हो जाते हैं। यह बच्चों में सिर, गले व छाती आदि पर ज्यादा होते हैं।

रुब्रा : यह सामान्यत: अत्यधिक गर्मी की वजह से होता है और इसमें त्वचा की गहराई तक रुकावट होने से होता है। इसमें दानों में जलन व खुजली ज्यादा होती है।

सनबर्न : गर्मियों के मौसम में सनबर्न होना आम समस्या है। त्वचा के धूप के संपर्क में आने पर त्वचा में लालिमा, सूजन व कभी-कभी फफोले भी हो जाते हैं। सनबर्न होने पर ठंडे पानी की पट्टियाँ रखना चाहिए।

चटपटा आलू-पुदीना

सामग्री : 250 ग्राम आलू, पुदीना आधा कटोरी, 3-4 हरी मिर्च, अदरक 1 छोटी गांठ जीरा 1/4 चम्मच, नमक स्वादानुसार, घी आधा बड़ा चम्मच।

विधि: सबसे पहले आलुओं को उबाल कर, छीलकर आधे इंच के टुकड़ों में काट लें। पुदीने को साफ करके हरी मिर्च और अदरक के साथ पीसकर पेस्ट बना लें। गर्म घी में जीरा तड़काएं तथा पुदीना, अदरक और हरी मिर्च का पेस्ट डालें। जब पेस्ट भुन जाए तो आलू और नमक डालकर 3 मिनट तक धीमी आंच पर ढंक कर पकाएं। गर्म-गर्म पराठों के साथ तैयार चटपटा आलू-पुदीना पेश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 2015

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2014 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा- जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला- तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

□ □ □

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा -क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका- तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी- अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी- अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका - तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2015

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबु' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2014

सूडोकु -2015

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2014 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 2015

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -2014 का हल

मणिपुर के अलग-अलग इलाकों से दो उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में पुलिस एवं सुरक्षा बल लगातार उग्रवादियों, अवैध हथियार एवं धन उगाही से जुड़े लोगों के विरूद्ध अभियान चला रहे हैं। जिसमें लगातार सफलता मिल रही है। वहीं संवेदनशील इलाकों में वाहनों की आवाजाही को सुरक्षित बनाने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार बीते रविवार को मणिपुर पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले के थंगल बाजार के प्रजातंत्र गली से एक उग्रवादी संगठन प्रीपाक के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया। कैडर की पहचान इंफाल पूर्व जिले के कियामगेई अवांग लेइकाई निवासी थोंगम्बा ताखेलंबम सिंह (27) के रूप में की गयी है। एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने इसी दिन धन उगाही में लिप्त सोरेपा संगठन के एक सक्रिय कैडर लाईहाओरुंगबाम सनतोम्बा सिंह (48) उर्फ अशोक उर्फ तायई को गिरफ्तार किया। उसे इंफाल ईस्ट जिला के पोरोमपट स्थित उसके वर्तमान घर गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक टू-व्हीलर, यामाहा सिग्नस रे स्कूटर, एक मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड बरामद किया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि, सुरक्षा बल जिलों के दूर-दराज एवं संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और एरिया डोमिनेशन जारी रखे हुए हैं। बीते 24 घंटों के दौरान मणिपुर के अलग-अलग जिलों में, पहाड़ियों और घाटी दोनों में कुल 116 नाके/चेक पॉइंट लगाए गए थे, हालांकि, किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया।

करीलाधाम देश का एकमात्र मंदिर जहां माता सीता अपने दोनों पुत्रों के साथ हैं विराजमान

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि करीलाधाम श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अदभुत संगम है। इस पावन स्थल पर माता सीता अपने दोनों पुत्र लव-कुश के साथ विराजमान हैं। यह देश का एकमात्र अद्वितीय मंदिर है, जहाँ माता सीता अपने दोनों पुत्रों के साथ पूजी जाती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को अशोकनगर जिले के करीलाधाम में रंगपंचमी मेला महोत्सव में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के अधिकांश मंदिर भगवान श्रीराम को समर्पित हैं। करीलाधाम लव-कुश की जन्मस्थली भी है, जो लव-कुश की बाल लीलाओं की साक्षी है। इस पवित्र स्थली के सम्पूर्ण विकास की योजना बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने करीलाधाम में माता जानकी के दर्शन भी किए और जिले को 115 करोड़ रुपये लागत के 50 विकास कार्यों की सौगात भी दी। इसमें 57 करोड़ तीन लाख की लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण और 58 करोड़ 32 लाख की लागत के 39 विकास कार्यों का भूमि-पूजन शामिल है।

अजित पवार प्लेन क्रैश : पिंकी माली के परिजनों ने विमान कंपनी के मालिक पर धमकी देने का लगाया आरोप

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे की जांच अभी चल ही रही है। इसी बीच अजित पवार के साथ प्लेन क्रैश में मारी गई फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली के परिजनों ने विमान कंपनी के मालिक पर गंभीर आरोप लगाया है। पिंकी माली के भाई करण माली ने बातचीत में कहा, '28 फरवरी को मुझे वीएसआर कंपनी के मालिक वीके सिंह का फोन आया था। उन्होंने मुझसे ऊंची आवाज में बात की और पूछा कि उनके पिता मीडिया में क्या कह रहे हैं। मैंने उन्हें बताया कि मैं उन्हें अपने पिता का नंबर दे दूंगा ताकि वे उनसे सीधे बात कर सकें, लेकिन उन्होंने कहा कि वे उनसे बात नहीं करेंगे और मुझे अपने पिता को सब कुछ समझाने के लिए कहा था। वे हम पर दबाव डालने की कोशिश कर रहे हैं।' पिंकी माली के पिता शिवकुमार माली ने कहा, हमें मीडिया से दूर रहने के लिए कहा गया है। मेरे बेटे के फोन पर इस तरह के संदेश आए हैं। हमें लगता है कि शायद वे हमें डराने या धमकाने की कोशिश कर रहे हैं, या हो सकता है कि वे सामान्य रूप से बात कर रहे हों, फोन पर बात समझना मुश्किल है। लेकिन वे साफ तौर पर कह रहे हैं कि मीडिया को बयान न दें और उससे दूर रहें। हम अपना दर्द किसे बताएं? कोई तो हमारी मदद करे, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

राजस्थान दिवसः प्रदेश में 15 से 19 मार्च तक होंगे विविध कार्यक्रम, मुख्य सचिव ने की समीक्षा

जयपुर। जयपुर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर शासन सचिवालय में बैठक ली। राजस्थान दिवस समारोह का शुभारंभ 15 मार्च को होगा। इसके तहत प्रदेशभर में 15 से 19 मार्च तक विकसित राजस्थान रन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, क्विज सहित विविध कार्यक्रम होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 18 मार्च को महाआरती करेंगे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने अधिकारियों को आमजन के साथ ही सभी विभागों की भागीदारी के साथ समारोह को भव्य बनाने के निर्देश दिए। राजस्थान दिवस समारोह के तहत जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 15 मार्च को राज्य स्तरीय विकसित राजस्थान रन का फ्लैग ऑफ किया जाना प्रस्तावित है।

राजस्थान दिवस के अवसर पर सभी राजकीय कार्यालय एवं भवन भी रोशनी से जगमगायेंगे। मुख्य समारोह 19 मार्च को जालौर में होगा। 15 मार्च को होगी राजस्थान को जाने क्विजः समारोह का औपचारिक शुभारंभ 15 मार्च को 'राजस्थान को जाने' क्विज के साथ होगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय एवं कॉलेजों में निबंध, भाषण एवं चित्रकारी प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी। जयपुर में राज्य स्तरीय एवं समस्त जिलों में जिला स्तरीय ओ.डी.ओ.पी. मेले व प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य का आरोप - चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ की बैठक में मुझे डांटकर चुप कराया गया

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक के बाद तृणमूल कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्य की मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने दावा किया कि बैठक के दौरान उन्हें डांटकर चुप रहने को कहा गया, जिससे वह बेहद असंतुष्ट हैं।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि जब उन्होंने अपनी बात रखनी चाही तो मुख्य चुनाव आयुक्त ने उन्हें 'डोंट शाउट' कहकर रोक दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह व्यवहार महिलाओं के प्रति सम्मान की कमी को दर्शाता है। उनका कहना था कि अगर मतदाता सूची में किसी महिला का नाम नहीं है तो उसे साबित करने की

जिम्मेदारी आयोग की है, न कि लोगों को लाइन में खड़े होकर अपनी नागरिकता साबित करनी चाहिए।

तृणमूल के प्रतिनिधिमंडल में मौजूद कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने यह धारणा बना दी है कि पश्चिम बंगाल रोहिंग्या और घुसपैठियों का ठिकाना है, जिसके आधार पर आयोग ने नीतियां बनाई हैं। हकीम ने आरोप लगाया कि नागरिकता सत्यापन से जुड़ी प्रक्रिया में आम लोगों को अनावश्यक परेशान किया जा रहा है और कई लोग घंटों लाइन में खड़े होने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि बीते दो महीनों की प्रक्रिया में घुसपैठ के ठोस प्रमाण सामने नहीं आए, लेकिन भारतीय नागरिकों को ही परेशान किया गया। हकीम ने दावा किया कि इस प्रक्रिया के कारण कई लोग बीमार पड़े और कई मौतें भी हुई हैं। उन्होंने आयोग से अपील की कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी भारतीय नागरिक अधिकारों से वंचित न हो।

दूसरी ओर, बैठक के बाद कांग्रेस नेता प्रदीप भट्टाचार्य ने कहा कि उनकी पार्टी का मुख्य मुद्दा चुनाव की निष्पक्षता और सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि चुनाव एक चरण में हो या कई चरणों में, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि मतदान निष्पक्ष और सुरक्षित तरीके से कराया जाए। गौरतलब है कि, पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ राज्य में राजनीतिक दलों और प्रशासन के साथ बैठक कर रही है, जिसमें चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जा रही है।

तकनीकी खराबी के कारण एक घंटे विमान में फंसे रहे यूपी के दोनों उपमुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर इंडिगो फ्लाइड में तकनीकी खराबी आ गई। इस कारण उत्तर प्रदेश के सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत सभी पैसेंजर एक घंटे तक विमान में फंसे रहे। एयरपोर्ट के प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार अमौसी एयरपोर्ट पर इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई505 को आज सुबह कोलकाता जाना था, लेकिन तकनीकी खराबी आने की वजह से करीब एक घंटे फ्लाइट लेट हो गई। इस फ्लाइट राज्य सरकार के दोनों उपमुख्यमंत्री समेत सभी पैसेंजर फंसे रहे। दोनों मुख्यमंत्री पार्टी की बैठक में शामिल होने के लिए कोलकाता जा रहे थे। हालांकि विमान ठीक होने के बाद उसे 8:59 पर रवाना किया गया।

महाराष्ट्र में नए ऑटो रिक्शा परमिट पर लगी रोक

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी करने पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। प्रदेश के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि सूबे में आज से नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी नहीं किए जाएंगे। सरनाईक ने कहा कि नए ऑटो रिक्शा परमिट के लिए नई पॉलिसी बनाई जाएगी। इसके बाद फिर से नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी करने का निर्णय लिया जाएगा।

परिवहन मंत्री ने मुंबई में मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य के बड़े शहरों में ऑटो रिक्शा की संख्या काफी बढ़ गई है, जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या गंभीर होती जा रही है। खासकर मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में रिक्शा की बढ़ती संख्या से ट्रैफिक पर काफी दबाव पड़ रहा है। इसे देखते हुए राज्य में ऑटो रिक्शा का परमिट जारी नहीं करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि ऑटो रिक्शा के परमिट का हस्तांतरण पूर्ववत किया जा सकता है। प्रताप सरनाईक ने कहा कि इस संबंध में महाराष्ट्र सरकार ने केंद्र सरकार से बातचीत की थी।

उन्होंने कहा कि राज्य में करीब 14 लाख ऑटो रिक्शा परमिट बांटे गए हैं। कुछ जगहों पर ऐसी शिकायतें

हैं कि एक ही परिवार के कई सदस्यों को परमिट दिए गए हैं। साथ ही, कुछ मामलों में सरकार को ऐसी शिकायतें मिली हैं कि बांग्लादेशी नागरिकों ने भी गैर-कानूनी तरीके से परमिट हासिल किए हैं। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए परमिट सिस्टम को ज्यादा पारदर्शी और नियंत्रणीय बनाने के लिए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने यह भी साफ किया कि राज्य में 5 लाख से ज़्यादा आबादी वाले शहरों में ऑटो रिक्शा परमिट के बारे में फैसला लेने का अधिकार राज्य सरकार के पास है इसलिए, लोकल हालात, ट्रांसपोर्ट की जरूरतों और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जल्द ही नई पॉलिसी तैयार की जाएगी।

दिव्यांगजन सहारा योजना पर पोस्ट-बजट वेबिनार का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने पोस्ट-बजट वेबिनार 2026 के अंतर्गत 'दिव्यांगजन सहारा योजना' पर एक महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किया। इसमें दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और कल्याण के लिए खास पहलों पर चर्चा की गई। यह सत्र सबका साथ, सबका विकास जन आकांक्षाओं की पूर्ति' विषय पर आधारित था।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेन्द्र कुमार ने वर्चुअली माध्यम से कहा कि पोस्ट-बजट वेबिनार 2026 के माध्यम से समाज के विभिन्न प्रतिनिधियों के विचार जानना हमारा उद्देश्य है। समाज क्या सोच रहा है और हम अपने प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाकर दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में कैसे आगे बढ़ सकते हैं यही इस चर्चा का मूल मकसद है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि बेहतर अवसंरचना, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली और कुशल

कार्यबल समय पर जीवन रक्षक देखभाल की कुंजी है। मंत्रालय के राज्य मंत्री ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य देश के सभी दिव्यांगजनों को उच्च गुणवत्ता वाले सहायक उपकरण समय पर उपलब्ध कराना है। यह पहल तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। इनमें उत्पादन और उपलब्धता का विस्तार, नवाचार एवं अनुसंधान को बढ़ावा और वितरण प्रणाली को मजबूत बनाना शामिल है। इसका उद्देश्य दिव्यांगजनों के लिए सहायता प्रणाली को मजबूत करना समावेशी विकास और नीतिगत पहलों चर्चा करना था। इस वेबिनार में विशेषज्ञ लाभार्थी सहित अन्य लाखों लोग सक्रिय रूप से जुड़े।

कूनो में जन्मे पांच चीता शावक, चीतों की संख्या हुई 53

एजेंसी

श्योपुर। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में चंबल घाटी के सघन वनक्षेत्र के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है और पांच शावकों के जन्म लेने के साथ ही देश में चीतों की कुल संख्या 53 हो गई है। देश में चीता परियोजना के लिए केन्द्र सरकार द्वारा चुने गये पहले अभयारण्य कूनो राष्ट्रीय उद्यान में नामीबिया से लाई गई मादा चीता ज्वाला तीसरी बार मां बनी है। ज्वाला ने पांच नन्हें शावकों को जन्म दिया है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में यह खुशी भरा पल भारतीय धरती पर चीतों के दसवें सफल प्रसव का प्रतीक है और इसके साथ ही भारत में जन्मे जीवित शावकों की संख्या 32 हो गई है। इन नए शावकों के साथ, भारत में चीतों की कुल संख्या अब 53 हो गई है। जो देश के दृढ़ और ऐतिहासिक संरक्षण प्रयासों का एक सशक्त प्रतीक है।नामीबियाई चीता ज्वाला चीता को वर्ष 2022 में 8 चीतों के साथ कूनो राष्ट्रीय उद्यान लाया गया था जिन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा यहां छोड़ा गया था। ज्वाला अब तीन बार शावकों को जन्म देकर भारतीय चीतों का कुनबा बढा चुकी है। मादा चीता ज्वाला ने वर्ष 2023 में पहली बार चार शवकों को जन्म दिया था, इसके बाद जनवरी 2024 में 3 शावकों को जन्म

दिया था। हालांकि इनमें से कुछ शावकों की मौत हो गई थी, लेकिन अब तीसरी बार ज्वाला ने 9 मार्च 2026 को पांच शावक जन्में हैं। कूनो प्रबंधन के अनुसार सभी शावक स्वस्थ है, जिनकी चिकित्सकों द्वारा लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव में मादा चीता ज्वाला द्वारा शावकों के जन्म की खबर को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा है कि मादा चीता ज्वाला ने पांच शावकों को जन्म दिया है, जो चीता परियोजना के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इसके साथ ही, भारत में चीतों की कुल संख्या पचास का आंकड़ा पार कर 53 हो गई है। यह वन्यजीव संरक्षण के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है और भारत में चीता पुनर्वास प्रयासों की सफलता का एक सशक्त प्रमाण है। इस मौके पर नई दिल्ली में केंद्रीय वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि भारत के महत्वाकांक्षी चीता परियोजना के लिए एक अहम मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि इन पांच शावकों के साथ भारत में चीता की संख्या पचास के पार हो गई है। उन्होंने कहा कि इस सफलता के पीछे पशु चिकित्सकों, फील्ड स्टाफ और संरक्षण टीम के लगातार प्रयासों और समर्पण है जो जमीन पर दिन-रात काम कर रहे हैं।

विपक्ष का संसद परिसर में प्रदर्शन, पश्चिम एशिया तनाव, ऊर्जा सुरक्षा पर सरकार को घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण शुरू हुआ। विपक्षी दलों ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर संसद भवन परिसर में विरोध-प्रदर्शन किया। विपक्ष ने अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे सैन्य संघर्ष के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा और अन्य मुद्दों पर सरकार पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, सांसद प्रियंका गांधी, किशोरी लाल शर्मा समेत तमाम विपक्षी सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। सांसदों ने हाथों में बड़े पोस्टर और बैनर पकड़ रखे थे। इन पोस्टरों पर सरकार के विरोध में नारे लिखे थे। विपक्षी सांसदों ने इस दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

यूपी के गाजीपुर की आकांक्षा सिंह 301वीं रैंक पाने वाली सफल अभ्यर्थी : यूपीएससी

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा 2025 के अंतिम परिणाम में रैंक 301 को लेकर सामने आए विवाद पर स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि इस रैंक पर चयनित अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले की आकांक्षा सिंह हैं। आयोग ने बताया कि विभिन्न मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया जा रहा था कि एक ही नाम की दो अभ्यर्थी, आकांक्षा सिंह, सिविल सेवा परीक्षा 2025 के अंतिम परिणाम में समान रैंक 301 प्राप्त करने का दावा कर रही हैं। यूपीएससी द्वारा जारी स्पष्टीकरण के अनुसार आयोग के अभिलेखों के मुताबिक रैंक 301 प्राप्त करने वाली सफल अभ्यर्थी का विवरण इस प्रकार है– आकांक्षा सिंह, रोल नंबर 0856794, पिता का नाम रंजीत सिंह और माता का नाम नीलम सिंह, जिनका पता उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के अभयपुर गांव का है। उल्लेखनीय है कि विवाद तब शुरू हुआ जब बिहार निवासी एक अन्य आकांक्षा सिंह ने भी परीक्षा में 301वीं रैंक प्राप्त करने का दावा किया था।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग दोहराई

एजेंसी

उन्नाव। गाय को 'गौ माता' और 'भारत की राष्ट्रमाता' घोषित करने की मांग को लेकर गौरक्षार्थ धर्म युद्ध यात्रा पर निकले शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद उन्नाव जिले के बांगरमऊ पहुंचे। उन्होंने यहां हरदोई-बिल्हौर मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध बाबा बुद्धेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की। यहां पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने उनका जयकारों के साथ स्वागत किया।

स्वामी शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने गौरक्षार्थ धर्म युद्ध यात्रा में गाय को 'गौ माता' और 'भारत की राष्ट्रमाता' घोषित करने की मांग को लेकर बांगरमऊ नगर पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया। आचार्यों ने वैदिक विधि-विधान से उनका अभिनंदन किया। इस दौरान मंदिर प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में शंकराचार्य ने कहा कि गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने के लिए 40 दिन का समय दिया गया था। इस मांग को याद दिलाने के लिए हर दस दिन में कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने बताया कि अब इस समय सीमा के समाप्त होने में केवल 48 घंटे बचे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित नहीं किया जाता है,

तो सनातन धर्म को बचाने के लिए सभी को एकजुट होकर संघर्ष करना पड़ेगा। इस अवसर पर उन्होंने धर्म की जय हो, अधर्म का विनाश हो का नारा भी दिया। इसके पूर्व जगतगुरू शंकराचार्य पूर्व सांसद अन्नू टंडन के आवास पर पहुंचे। जहां उनके पूर्वजों के स्थापित मंदिर में दर्शन पूजन किए। इस अवसर पर शंकराचार्य ने अपनी मांग दोहराई है। इस अवसर पर पूर्व सांसद टंडन ने कहा कि आज सौभाग्यशाली क्षण है। महाराजजी के आगमन से उनके पुरखों का मंदिर और पूरा परिसर धन्य हो गया। आध्यामिक चर्चा से मन पावन हुआ। उन्होंने कहा कि गौ रक्षा का संकल्प हमारी संस्कृति और अटूट आस्था का प्रतीक है। इस संकल्प को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की। इस अवसर पर भारी संख्या में कार्यकर्ता व क्षेत्रीयजन उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुनीं गईं लक्ष्मी वर्मा और फूलो देवी नेताम

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की दो सीटों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार लक्ष्मी वर्मा और कांग्रेस उम्मीदवार फूलो देवी नेताम निर्विरोध चुन ली गई हैं। दोनों दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारे, इसलिए चुनाव की जरूरत नहीं पड़ी। लक्ष्मी वर्मा एवं फूलो देवी नेताम को विधानसभा में रिटर्निंग ऑफिसर मनीष शर्मा ने निर्वाचन प्रमाण-पत्र प्रदान किया। इस दौरान भाजपा और कांग्रेस के दिग्गज नेता मौजूद रहे। निर्वाचन प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद भाजपा की लक्ष्मी वर्मा और कांग्रेस की फूलो देवी नेताम ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

फूलो देवी नेताम बस्तर क्षेत्र से आने वाली आदिवासी नेता हैं। वे पार्टी में 32 वर्षों से सक्रिय हैं। फूलो देवी नेताम छत्तीसगढ़ में महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष हैं। वह पहले भी राज्यसभा सांसद रह चुकी हैं। वह कांग्रेस कार्य समिति की सदस्य भी रह चुकी हैं। इसके अलावा बस्तर क्षेत्र से आने वाली वह एक वरिष्ठ आदिवासी नेता हैं। साल 2020 में उन्हें कांग्रेस ने

राज्यसभा भेजा था। छत्तीसगढ़ से राज्यसभा के लिए भाजपा ने लक्ष्मी वर्मा को उम्मीदवार बनाया था। लक्ष्मी वर्मा वर्तमान में राज्य महिला आयोग की सदस्य हैं और भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष भी हैं। राज्यसभा सांसद चुनी गईं लक्ष्मी वर्मा ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत साल 1990 में भाजपा की प्राथमिक सदस्यता लेकर की थी। उन्हें साल 2000 में रायपुर के तत्कालीन सांसद रमेश बैस का सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया गया था, जो उनके करियर के लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव साबित हुआ। इसके तुरंत बाद साल 2001 में उन्हें भाजपा महिला मोर्चा की कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया, जहां उन्होंने महिलाओं को संगठित करने और पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। साल 2010 से 2014 के बीच उन्होंने भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। लक्ष्मी वर्मा को 2021 से 2025 तक भाजपा छत्तीसगढ़ का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया। इसी दौरान साल 2021 से 2024 के बीच उन्होंने गरियाबंद जिले के संगठन प्रभारी और पार्टी की आधिकारिक मीडिया प्रवक्ता के रूप में भी जिम्मेदारी निभाई। लक्ष्मी वर्मा रायपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष रह चुकी हैं और भाजपा की प्रवक्ता की जिम्मेदारी भी निभा चुकी हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने लक्ष्मी वर्मा को राज्यसभा सदस्य के रूप में निर्विरोध निर्वाचित होने पर बधाई दी और कहा कि उनका चयन भाजपा के जमीनी कार्यकर्ताओं के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय नेतृत्व के अटूट विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने संगठन में जिस समर्पण के साथ कार्य किया है, अब उसकी गूंज देश की सबसे बड़ी पंचायत में सुनाई देगी। यह निर्वाचन छत्तीसगढ़ की महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की दो सीटें 9 अप्रैल को खाली हो रही है, जो दो सीटें खाली हो रही है वह दोनों कांग्रेस के खाते में थी। अब एक सीट भाजपा को खाते में आई है जबकि एक कांग्रेस के खाते में गई है।

झारखंड के गिरिडीह में बिहार एसटीएफ ने दो नक्सलियों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

गिरीडीह। गिरीडीह जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र में बिहार के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और गिरीडीह पुलिस के संयुक्त अभियान में भाकपा (माओवादी) संगठन के दो नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार नक्सलियों की पहचान पंकज यादव (जमुई, बिहार) और पवन सिंह (सतगावा, कोड़रमा) के रूप में हुई है।

पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीपीओ) जीतवाहन उरांव ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों के खिलाफ नक्सली गतिविधियों से जुड़े कई मामले दर्ज हैं और वे लंबे समय से फरार चल रहे थे। गिरफ्तारी

के बाद बिहार एसटीएफ दोनों को अपने साथ ले गई है। पुलिस के अनुसार, दोनों नक्सलियों के खिलाफ बिहार के जमुई जिले के चरकापत्थर थाना में नक्सली घटना से संबंधित मामला दर्ज है। बिहार पुलिस के मुताबिक, दोनों भाकपा माओवादी संगठन के सक्रिय सदस्य हैं और कई नक्सली गतिविधियों में शामिल रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपितों के खिलाफ बिहार के जमुई, चकाई, चरकापत्थर और चंद्रदीप थाना क्षेत्रों में मामले दर्ज हैं। इसके अलावा झारखंड के गिरिडीह जिले के तिसरी प्रखंड और कोडरमा जिले के सतगांवा थाना में भी नक्सली गतिविधियों को लेकर केस दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपित इन दिनों चरकापत्थर थाना क्षेत्र में दर्ज मामले में जेल से जमानत पर बाहर आए थे। इसके बाद से बिहार पुलिस और एसटीएफ की टीम उनकी तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस के डर से दोनों नक्सली बेंगाबाद थाना क्षेत्र के गोलगो पंचायत अंतर्गत मंझलाटोल गांव में छिपकर रह रहे थे। गुप्त सूचना मिलने पर पटना एसटीएफ की टीम इंस्पेक्टर अयोध्या प्रसाद के नेतृत्व में बेंगाबाद पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से मंझलाटोल गांव की घेराबंदी कर दोनों नक्सली सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया।

टी20 विश्व कप : 131 करोड़ से भी खुश नहीं भारतीय क्रिकेटर, कहा- इससे भी बड़ी इनामी राशि की उम्मीद थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद Board of Control for Cricket in India (BCCI) ने भारतीय टीम के लिए 131 करोड़ रुपये की इनामी राशि की घोषणा की है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। हालांकि इस बड़ी घोषणा के बावजूद पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि टीम की उपलब्धि को देखते हुए इनाम की राशि और अधिक होनी चाहिए थी।

बीसीसीआई ने किया 131 करोड़ रुपये के इनाम का ऐलान

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद बीसीसीआई ने भारतीय टीम और सपोर्ट स्टाफ के लिए कुल 131 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा की। भारतीय क्रिकेट में यह इनाम हाल के वर्षों में घोषित की गई सबसे बड़ी रकमों में से एक माना जा रहा है। बोर्ड ने यह फैसला टीम के शानदार प्रदर्शन और ऐतिहासिक उपलब्धि को सम्मान देने के लिए लिया। इस जीत ने न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया, बल्कि भारतीय क्रिकेट की ताकत को भी एक बार फिर दुनिया के सामने साबित किया।

हरभजन सिंह को थी और ज्यादा उम्मीद

इनामी राशि की घोषणा के बाद पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि टीम की उपलब्धि को देखते हुए उन्हें इससे भी बड़ी इनामी राशि की उम्मीद थी। हरभजन का मानना है कि जब कोई टीम इतने बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन करती है और इतिहास रचती है, तो उसे मिलने वाला पुरस्कार भी उसी स्तर का होना चाहिए।हालांकि उन्होंने भारतीय टीम के प्रदर्शन की खुलकर तारीफ की और कहा कि खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में दबदबा बनाकर दुनिया को दिखा दिया कि भारतीय क्रिकेट कितनी मजबूत स्थिति में है।

भारत की ऐतिहासिक जीत

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद यादगार रहा। भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम कई नए रिकॉर्ड बनाने में सफल रही। भारत अपनी धरती पर टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाला पहला देश बन गया। इसके अलावा भारत टी20 वर्ल्ड कप का खिताब लगातार दो बार जीतने वाली पहली टीम भी बन गया।

तीसरी बार जीती टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी

इस जीत ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप

इतिहास की सबसे सफल टीमों में शामिल कर दिया। भारतीय टीम ने इससे पहले 2007 और 2024 में भी यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती थी। 2026 में मिली जीत के साथ भारत तीन बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन गया। यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद गर्व का विषय है और इससे टीम की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

अर्शदीप के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के लिए कार्रवाई कर सकती है आईसीसी

–फाइनल में कीवी बल्लेबाज की ओर फेंकी थी गेंद

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर आचारसंहिता उल्लंघन के लिए कार्रवाई कर सकती है। अर्शदीप ने

टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल की ओर आक्रामक अंदाज में गेंद फेंकी थी जिससे शिकायत मिचेल ने अंपायर से भी की थी। आईसीसी ने इस घटना को गंभीरता से लिया है।

फाइनल मैच के दौरान अर्शदीप ने अपने दूसरे ओवर के दौरान गेंद को आक्रामक अंदाज में मिचेल की ओर फेंक दिया। यह गेंद सीधे मिचेल के कंधे पर जाकर लगी। इस घटना के बाद कुछ समय के लिए मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। मिचेल इस घटना से नाराज नजर आए और उन्होंने इसकी शिकायत अंपायर से शिकायत की। दोनों खिलाड़ियों के बीच स्थिति तनातनी बढ़ती देखकर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को बीच में आना पड़ा। उन्होंने किसी प्रकार से मामले को हल कराया। यह मामला आईसीसी आचार संहिता के तहत जांच के दायरे में आ सकता है। अगर किसी खिलाड़ी द्वारा बल्लेबाज की ओर खतरनाक तरीके से गेंद फेंकी जाती है, तो इसे खेल भावना के विपरीत माना जाता है। ऐसे मामलों को आमतौर पर लेवल-1 अपराध की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे में यदि अर्शदीप दोषी पाए जाते हैं, तो उन पर मैच फीस का अधिकतम 50 फीसदी तक जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके साथ ही उनके खाते में एक या दो नकारात्मक अंक पॉइंट भी जोड़े जा सकते हैं।

आईसीसी के नियमों के अनुसार, अगर किसी खिलाड़ी के खाते में 24 महीनों के भीतर चार नकारात्मक अंक जमा हो जाते हैं, तो उन्हें निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में खिलाड़ी को एक टेस्ट मैच या दो सीमित ओवरों के मैचों के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है। इसलिए खिलाड़ियों के लिए मैदान पर अनुशासन बनाए रखना चाहिये। मैच खत्म होने के बाद अर्शदीप ने खेल भावना दिखाते हुए मिचेल से माफी मांग ली। मिचेल ने भी उनकी माफी स्वीकार कर ली, जिससे मामला मैदान पर शांत हो गया। इसके बावजूद आईसीसी इस पूरे घटनाक्रम की समीक्षा कर सकता है और जरूरत पड़ने पर नियमों के अनुसार कार्रवाई कर सकता है।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड की स्वदेश वापसी पर दी सफाई

–एयरस्पेस की उपलब्धता के आधार पर हुआ फैसला

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने टी20 विश्वकप के लिए भारत पहुंची वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड के स्वदेश लौटने पर लगे भेदभाव के आरोपों को गलत बताते हुए कहा है कि इसके पीछे एयरस्पेस और उड़ानों की उपलब्धता बड़ा कारण रही है। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण हवाई यातायात प्रभावित होने से 20 विश्व कप 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान कुछ टीमें भारत में ही फंस गयी थी। इनमें वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के अलावा इंग्लैंड की टीम भी शामिल थी। 1 मार्च को भारत के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलने वाली वेस्टइंडीज और 4 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम काफी समय भारत में ही फंसी रही जबकि 5 मार्च को भारत के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली इंग्लैंड इनसे पहले स्वदेश लौट गयी। इससे विवाद खड़ा हो गया है और वेस्टइंडीज व दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) पर भेदभाव का आरोप लगा दिया है। इन टीमों ने इंग्लैंड के जल्दी स्वदेश लौटने पर सवाल उठ रहे हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी आईसीसी पर खास ध्यान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, इस स्थिति में सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार होना चाहिए। आईसीसी टेबल पर किसी टीम का ताकतवर होना अहम नहीं होना चाहिए।

वहीं इस मामले में आईसीसी ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि उसने किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया। रवाना होने के क्रम पर फैसले सिर्फ एयरस्पेस की उपलब्धता, एयरक्राफ्ट रूटिंग अनुमति, वीजा की जरूरतों और सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिए गये। यह कहना कि टीमों को इन बाधाओं के अलावा किसी और वजह से प्राथमिकता दी गई है, सही नहीं है।

अब ओलंपिक स्वर्ण जीतना रहेगा लक्ष्य : सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना रहेगा। सूर्यकुमार ने कहा कि है भारतीय टीम की जीत का राज आक्रामक रवैया अपनाना है। सूर्यकुमार ने कहा कि साल 2024 में मिली जीत के बाद से ही टीम आक्रामक अंदाज में खेलती आई है। सूर्या ने कहा कहा कि टी20 विश्वकप में टीम की जीत का रात एकजुट होकर खेलना रहा है। सूर्यकुमार ने कहा कि टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में बाधाएं आईं थीं पर , टीम ने सभी को हटाते हुए धीरे-धीरे लय पकड़ी और पूरे टूर्नामेंट में प्रभावी प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार ने कहा कि पिछले एक महीने का सफर बेहद शानदार रहा है, हालांकि शुरुआत वैसी नहीं हुई जैसी हम चाहते थे पर खेल में ऐसा ही होता है। इस पूरे सफर में एक टीम के रूप में हमने काफी कुछ सीखा है। ऐसे में अब अगला लक्ष्य निश्चित रूप से ओलंपिक है, और उसके बाद होने वाला टी20 विश्व कप रहेगा।

सूर्या ने कहा कि पिछले विश्वप के बाद से ही टीम ने अधिक आक्रामक और आधुनिक शैली अपनाई, जिससे हमें बड़े टूर्नामेंटों में लगातार अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के बाद सब कुछ बदल गया। हमने 2024 में एक अलग तरह का क्रिकेट खेला और वहीं से हमें समझ आया कि इस टीम को आगे कैसे बढ़ना है, कैसे खेलना है। और तब से यह एक शानदार सफर रहा है।सूर्यकुमार ने बताया कि टीम का मनोबल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मिली सफलता से बढ़ा जिससे उसकी रणनीति सही साबित हुई और इसके बाद से ही ये सिलसिला बढ़ता गया है। । उन्होंने आगे कहा कि हमने 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जब जीती थी तब अलग तरह से क्रिकेट खेला और वहीं 2026 की जीत खास अंदाज में दर्ज की है।

इसलिए इस सिलसिले को बनाये रखना चाहिये।

इरफान पठान ने भारतीय टीम सफलता का श्रेय कोच और कप्तान को दिया

अहमदाबाद ।पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि भारतीय टीम अभी विश्व की सीमित ओवरों के प्रारुप की सबसे अच्छी टीम है ।पठान ने कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन दोनो ने ही टीम को यहां तक पहुंचाया है ।पठान के अनुसार भारतीय टीम की लगातार सफलता के का मजबूत नेतृत्व और मार्गदर्शन है ।उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम बेहद आत्मविश्वास के साथ खेल रही है ।वहीं गंभीर ने खिलाड़ियों को सही भूमिका देकर टीम को संतुलित बनाया है ।

पठान ने यह भी कहा कि गंभीर की सबसे बड़ी खासियत उनकी विनम्रता है ।वे टीम की सफलता का श्रेय हमेशा खिलाड़ियों और सहायोगी स्टाफ को देते हैं, जिससे टीम का माहौल सकारात्मक बना रहता है और खिलाड़ी खुलकर प्रदर्शन करते हैं ।पठान के अनुसार टीम निडर होकर खेलती है, कोच और कप्तान अपने खिलाड़ियों का समर्थन भी करते हैं ।टीम कठिन फैसले भी लेती है ।

कृष्णा नागर को राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में दोहरी सफलता

हैदराबाद ।पैरालंपिक चैंपियन कृष्णा नागर ने मंगलवार को यहां सातवीं सीनियर राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप के एसएच 6 वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते ।कृष्णा ने पुरुषों के एकल एसएच 6 फाइनल में सुदर्शन एमएस को 21–10, 21–19 से हराकर खिताब अपने नाम किया ।कृष्णा ने इसके बाद मिश्रित एसए 6 वर्ग में नित्या श्री सुमति सिवन के साथ मिलकर अपना दूसरा स्वर्ण पदक मेडल जीता ।इस जोड़ी ने सुदर्शन एमएस और श्रेया कुमारी को 21–7, 21–11 से हराया ।एसएच 6 पैरा बैडमिंटन में छोटे कद के खिलाड़ियों के लिए एक वर्ग है जो आमतौर पर बौनेपन जैसी स्थिति के कारण होता है ।

टी20 विश्वकप इतिहास में पांड्या सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने, युवराज दूसरे नंबर पर खिसके

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराराउंडर हार्दिक पांड्या ने एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है ।पांड्या टी20 विश्वकप इतिहास में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं ।पांड्या ने अब तक विश्वकप में कुल 34 छक्के लगाये हैं ।इससे पहले ये रिकार्ड पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के नाम था ।युवराज ने कुछ 3 छक्के लगाये थे। अब पांड्या टी20 विश्वकप में मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक छक्के लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं युवराज दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं। पांड्या ने इस बार विश्वकप में कुल 15 छक्के लगाये है। इससे पहले खेले गये टी20 विश्व कप में पांड्या ने कुल 19 छक्के लगाये थे ।ये छक्के उन्होंने नंबर 4 से नंबर 7 तक बल्लेबाजी करते हुए लगाये थे ।इस तरह कुल 34 छक्के उन्होंने मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए लगाये हैं। ये किसी भी बल्लेबाज के नंबर 4 से लेकर नंबर 7 के बीच सबसे ज्यादा छक्के हैं ।इस सूची में 33 छक्कों के साथ युवराज दूसरे स्थान पर हैं ।वहीं इस सूची में तीसरे नंबर पर ग्लेन मैक्सवेल हैं, जिन्होंने 28 पारियों में 32 छक्के मध्यक्रम में लगाये हैं। वहीं सूर्यकुमार के नाम 31 छक्के हैं और वह चौथे नंबर पर हैं जबकि दक्षिण अफीका के डेविड मिलर ने 28 छक्के लगाकर पांचवे नंबर पर हैं।

महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर : भारत को सेमीफाइनल में जगह के लिए ड्रॉ की जरूरत

हैदराबाद(एजेंसी)। भारत को एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पूल चरण के अपने अंतिम मैच में बुधवार को यहां वेल्स के खिलाफ कम से कम ड्रॉ हासिल करने की कोशिश करनी होगी। भारत फिलहाल पूल बी में दो मैचों में चार अंकों के साथ शीर्ष पर है। दूसरे स्थान पर मौजूद स्कॉटलैंड के भी चार अंक हैं, लेकिन भारत का गोल अंतर बेहतर है। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी और भारत को अगर-मगर के बिना अंतिम चार में पहुंचने के लिए ड्रॉ या जीत की आवश्यकता होगी।

भारतीय टीम इस मुकाबले में अगर हार का सामना करती है तो उसके चार अंक ही रहेंगे और उसका क्वालीफिकेशन स्कॉटलैंड और उरुग्वे के बीच होने वाले मैच पर निर्भर करेगा। भारतीय महिला टीम का अब तक का अभियान शानदार रहा है। उसने आठ मार्च को

उरुग्वे पर 4-0 की बड़ी जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की और फिर सोमवार को स्कॉटलैंड के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद 2-2 से ड्रॉ खेला।

युवा फॉरवर्ड सुनेलिता टोप्पो बेहतरीन फॉर्म में हैं और उन्होंने दोनों मैचों में गोल किए हैं। अग्रिम पंक्ति की खिलाड़ी लालरेम्सियामी, नवनीत कौर और रुतुजा दादासो पिसाल ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल दागे हैं और गोल करने के कई मौके बनाए हैं। भारतीय रक्षापंक्ति भी मजबूत रही है। गोलकीपर बिचु देवी ने लगातार महत्वपूर्ण बचाव किए हैं। हैदराबाद में अपने घरेलू दर्शकों के उत्साह से भरे माहौल में खेलने से मेजबान टीम को जबरदस्त ऊर्जा मिली है। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे अब तक टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, 'शुरुआती दो मैचों के बाद टीम में सकारात्मक माहौल है। युवा खिलाड़ी मौके का पूरा फायदा उठा रहे हैं और शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। टीम बेहतरीन तरीके से खेल रही है और यह हमारे लिए बहुत अच्छी बात है।' टेटे ने कहा, 'हम विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना चाहते हैं और चैंपियन बनना चाहते हैं। जब टीम एक साथ होती है तो हम इसी बारे में बात करते हैं और यही हमारा लक्ष्य है।'

वेल्स के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड शानदार है। भारत ने दोनों देशों के बीच छह मुकाबलों में से पांच में जीत दर्ज की है। वेल्स हालांकि इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करने के लिए कड़ी टक्कर देगा, इसलिए भारत को अति आत्मविश्वास से बचते हुए एकाग्रता के साथ खेलना होगा। इस टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमें इस साल के अंत में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। दिन के अन्य मैचों में इंग्लैंड ऑस्ट्रिया से, इटली कोरिया से और स्कॉटलैंड उरुग्वे से भिड़ेगा।

पाकिस्तान के कोच हेसन बोले, बांग्लादेश दौरे पर इस कारण युवाओं को दिये अधिक अवसर

कराची ।पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच कोच माइक हेसन ने कहा है अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्कप को देखते हुए युवा प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए ही बांग्लादेश दौरे पर अधिक से अधिक युवाओं को शामिल किया गया है पर इसका मतलब ये नहीं निकाला जाना चाहिये कि अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया ।हेसन के अनुसार बाबर आजम, साइम अयूब, नसीम शाह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को इस दौरे से बाहर रखने को टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन से नहीं जोड़ा जाना चाहिये ।वहीं मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जाने लगा था कि पाकिस्तान के विश्वकप में खराब प्रदर्शन की गाज अनुभवी खिलाड़ियों पर गिरी है ।हेसन ने कहा कि पाक टीम को युवा प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें निखारने के बहुत कम अवसर मिले हैं, इसलिए हमें लगा कि बांग्लादेश दौरे में युवाओं को उतारना चाहिये ।हेसन ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि किसी को बाहर किया गया ।हम केवल इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों को अपने को साबित करने का अवसर दे रहे हैं ।

चीनी ताइपे के खिलाफ हार के साथ भारत एएफसी महिला एशियाई कप से बाहर

सिडनी (एजेंसी)। खराब फॉर्म से जूझ रही भारतीय टीम मंगलवार को यहां एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप चरण के अपने आखिरी मैच में चीनी ताइपे से 1–3 से हारकर बाहर हो गई। भारतीय टीम को मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रहने की भारी कीमत चुकानी पड़ी। मैच के बड़े हिस्से में हावी रहने और कई मौके बनाने के बावजूद भारतीय टीम को मौकों को भुनाने में नाकामी का खामियाजा भुगतना पड़ा और टीम पहली बार मेरिट के आधार पर इस बड़े टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने के बाद जल्दी बाहर हो गई। भारत के लिए एकमात्र गोल मनीषा कल्याण ने 39वें मिनट में किया। इस विंगर ने लगभग 30 यार्ड की दूरी से दमदार शॉट लगाकर गोल दागा। चीनी ताइपे ने 12वें मिनट में बढ़त बनाई जब वाईएच सु ने गोल दागा। भारतीय गोलकीपर एलांगबाम पंथोई चानू विरोधी खिलाड़ी जेडब्ल्यू चेन को रोकने के लिए आगे बढ़ीं। चेन ने हालांकि चानू को छकाते हुए गेंद सु को दी जिन्होंने इसे गोल में पहुंचा दिया। भारत ने मनीषा के गोल से स्कोर बराबर किया लेकिन मध्यांतर से ठीक पहले (45+नौवें मिनट) वाईवाई सू का शॉट पोस्ट के कोने से टकराया और फिर चानू टकराकर गोल में चला गया। यह तब हुआ जब प्यारी खाखा ने बॉक्स के अंदर गेंद को हाथ लगा दिया और रैफरी ने 'हैंडल्ड द बॉल' के लिए पेनल्टी किक दी। चीनी ताइपे के लिए 77वें मिनट में यू चिन चेन ने तीसरा गोल दाग। भारत इससे पहले वियतनाम और जापान से हार चुका था और टूर्नामेंट के अगले चरण में पहुंचने के लिए उसे चीनी ताइपे को कम से कम दो गोल से हराना था और वियतनाम पर जापान की जीत की उम्मीद करनी थी। जापान ने वियतनाम को 4–0 से हराया।

लक्ष्य सेन थोड़े निराश, लेकिन अब ध्यान चोट से उबरने और बड़े टूर्नामेंटों पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में मिली शिकस्त से 'थोड़े निराश' भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने स्वीकार किया है कि आधुनिक पुरुष एकल मुकाबलों की बढ़ती शारीरिक मांगों के कारण उन्हें अपनी रिकवरी (चोट और थकान से उबरने की प्रक्रिया) और तैयारी की रणनीति पर फिर से विचार करना पड़ रहा है। लक्ष्य दूसरी बार ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे थे।

उन्होंने बर्मिंघम में शारीरिक तौर पर थका देने वाले सप्ताह के दौरान कई कड़े और अधिक समय वाले मुकाबले खेले। उन्हें फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से हार का सामना करना पड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा के इस 24 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'कुल मिलाकर यह सप्ताह अच्छा लेकिन भावनात्मक रहा। दूसरी बार फाइनल में पहुंचकर भी खिताब नहीं जीत पाना मैच के बाद थोड़ा निराशाजनक लगता है। पूरे टूर्नामेंट को देखें तो कुछ अच्छी जीत मिलीं, अच्छा अभियान रहा और जिस तरह मैंने मैच खेले, उससे आने वाले टूर्नामेंटों के लिए उम्मीदें बनी हैं।'

लक्ष्य ने इस सप्ताह कोर्ट पर पांच घंटे से अधिक समय बिताया। इसमें एक बेहद कठिन सेमीफाइनल भी शामिल था। इस मुकाबले में उन्हें गंभीर ऐंठन से जूझना पड़ा। इसके बाद फाइनल में उन्हें करीबी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने यह समझ और मजबूत की है कि टूर्नामेंट कार्यक्रम, रिकवरी और व्यवस्थित प्रशिक्षण के बीच संतुलन बनाना कितना जरूरी है।

इस युवा खिलाड़ी ने कहा, 'मैच और टूर्नामेंट अब बहुत ज्यादा शारीरिक हो गए हैं और उम्र के साथ भी फर्क पड़ता है। मेरा मतलब है कि अब मैं 20 साल का नहीं रहा कि उतनी तेजी से रिकवर कर सकूं। मैं यह नहीं कह रहा कि मेरी उम्र काफी बढ़ गयी है, लेकिन तैयारी, अगले मैचों के लिए रिकवरी और खासकर डाइट (आहार) को लेकर बदलाव करने पड़ते हैं। जब मैं 21-22 साल का था तो जो भी खाता था, उससे वजन नहीं बढ़ता था। लेकिन अब थोड़ा फर्क है और डाइट के प्रति ज्यादा सतर्क रहना पड़ता है।'

लक्ष्य ने कहा कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण 'वर्कलोड मैनेजमेंट (अभ्यास और टूर्नामेंट के चयन में सतर्कता)' भी बेहद अहम हो गया है। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में मुझे कंधे की कुछ चोटें भी लगीं, जिसका असर पड़ा। पहले मैं आक्रामक शॉट बेहतर खेल रहा था, लेकिन समय के साथ यह समझ आता है कि आप कितना जोर लगा सकते हैं, कितने मैच खेल सकते हैं और कब शरीर को आराम की जरूरत है।'

इस सत्र में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप और BWF विश्व चैंपियनशिप को प्रमुख आयोजन बताते हुए लक्ष्य ने कहा कि अब वह अपनी टीम के साथ मिलकर ऑल इंग्लैंड अभियान का विश्लेषण करेंगे। उन्होंने कहा, 'ये दोनों इस साल के बड़े टूर्नामेंट हैं जिनमें मैं खेलूंगा। मैं अपनी टीम के साथ बैठकर विस्तार से विश्लेषण करूंगा कि ऑल इंग्लैंड टूर्नामेंट कैसा रहा और पिछले कुछ महीनों में अभ्यास कार्यक्रम कैसा रहा।' लक्ष्य ने कहा, 'इसके बाद कोर्ट पर खास तौर पर अपने खेल को और बेहतर बनाने की कोशिश करूंगा और पूरे सत्र में फिट रहने पर ध्यान दूंगा क्योंकि आगे कई बड़े

टूर्नामेंट हैं।'

लक्ष्य ने मानसिक प्रशिक्षक मोन ब्रोकमैन को भी श्रेय दिया, जिनकी मदद से उन्हें अंतरराष्ट्रीय सर्किट के दबाव को बेहतर तरीके से समझने और संभालने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, 'करीब एक साल से मैं उनके साथ काम कर रहा हूं और मानसिक प्रशिक्षण के बारे में बहुत कुछ सीखा है। बड़े टूर्नामेंट में उतरने का नजरिया भी बदला है। बड़े टूर्नामेंट को अब अलग तरीके से देखता हूं, जबकि 500 या 300 स्तर के टूर्नामेंट अक्सर तैयारी का हिस्सा होते हैं।'

उन्होंने कहा कि वह अब हार को बहुत गंभीरता से नहीं लेते हैं और कोर्ट पर जमकर मेहनत करते हैं। लक्ष्य ने कहा, 'मोन, कोच और मेरे पिता सभी मेरा समर्थन करते हैं और मुझे बेहतर बनने में मदद करते हैं। उन्होंने इस प्रक्रिया को देखा है, जहां हर सप्ताह आप जीतते या हारते हैं। कई बार टूर्नामेंट के अंत में लगातार हार भी मिलती है, लेकिन उसे दिल पर नहीं लेना चाहिए और हर मैच से सीखते रहना चाहिए।'

मौजूदा इंडियन वेल्स चैंपियन की शर्मनाक हरकत, हार के बाद तोड़ा रैकेट, दर्शकों पर भी चिल्लाई

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया) । मौजूदा चैंपियन मीरा एंड्रीवा ने बीएनपी परिबास इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के तीसरे दौर में हारने के बाद अपना रैकेट कई बार पटका और फिर दर्शकों पर चिल्लाती हुई कोर्ट से बाहर चली गई। एंड्रीवा गैर वरीयता प्राप्त कैटेरीना सिनियाकोवा से 4–6, 6–7(5), 6–3 से हार गई। मैच के दौरान भी उनका व्यवहार अच्छा नहीं रहा और हारने के बाद वह अपना आपा खो बैठी। दूसरे सेट का टाईब्रेकर हारने के बाद एंड्रीवा ने अपना रैकेट फेंक दिया और फिर उसे तोड़ दिया जो नियमों का उल्लंघन था। उन्होंने मैच प्वाइंट के बाद अपना रैकेट फिर से फेंक दिया। वह सिनियाकोवा से हाथ मिलाने के लिए नेट पर गई। इसके बाद एंड्रीवा दर्शकों की ओर इशारा करते और चिल्लाते हुए कोर्ट से बाहर चली गई। एंड्रीवा ने बाद में कहा, 'मैं अपने व्यवहार से वास्तव में खुश नहीं हूं। मैंने आखिर में जो कुछ किया उस पर मुझे गर्व नहीं है। यह ऐसी चीजें हैं जिन पर मुझे वास्तव में जल्द से जल्द काम करने की जरूरत है।'

मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया

फिल्मी दुनिया में अक्सर हम कलाकारों की शानदार लाइफस्टाइल से आकर्षित होते रहते हैं। लेकिन इस शोहरत के पीछे उनकी मेहनत और संघर्ष होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री अनीत पड्डा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को दिया। दरअसल, उन्होंने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में दो बड़े अवॉर्ड्स जीते, जिसे उन्होंने अपने पिता को समर्पित किया। अनीत पड्डा ने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में बेस्ट डेब्यू फीमेल का अवॉर्ड जीता। इसके साथ ही उन्हें व्यूअर्स चॉइस बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान भी मिला। स्टेज पर अवॉर्ड लेने पहुंची अनीत ने अपनी स्पीच में सबसे पहले अपने पिता का जिक्र किया और कहा, ''मैं इस जीत का श्रेय अपने पापा को देती हूं। यह पल मेरे जिंदगी के सबसे इमोशनल पलों में से एक है। मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया है। मेरे पापा भी एक्टर बनना चाहते थे, लेकिन किसी वजह से उनका यह सपना पूरा नहीं हो सका, लेकिन अब उनकी बेटी ने उनका यह सपना पूरा किया है। मैंने अपने पापा के इस सपने को जिया है।'' अनीत ने पंजाबी भाषा में अपने पापा से कहा, ''अब आपका सपना आपकी बेटी के जरिए पूरा हो गया है। जब आप कहते थे कि मैं अपना सपना तुम्हारे जरिए जी रहा हूं, तो मुझे एहसास होता था कि मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने पापा के सपने को भी साकार कर रही हूं।''

स्पीच में अनीत पड्डा ने आगे कहा, ''मैं अपनी जिंदगी में कभी इतनी खुश नहीं हुई हूं। पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं और आपकी वजह से ही आज इस मुकाम पर हूं।'' उन्होंने आगे फिल्मों को लेकर कहा, ''जब लोग फिल्मों और शोज में किसी कलाकार के अभिनय पर तालियां बजाते हैं, तो वह तालियां सिर्फ उस अभिनेता के लिए नहीं होतीं। असल में यह तालियां उस कहानी के लिए होती हैं जो स्क्रीन पर दिखाई जा रही होती है, और वह कहानी लोगों की जिंदगी और उनके अनुभवों से जुड़ी होती है। मुझे गर्व है कि मैं इन कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनकर दर्शकों तक भावनाएं पहुंचा पा रही हूं।''

जर्नलिज्म छोड़ अभिनय में बनाई पहचान, साउथ ही नहीं बॉलीवुड में भी श्रद्धा दास ने छोड़ी छाप

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार ऐसे हैं, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों से आकर अभिनय की दुनिया में नाम कमाया है। ऐसी ही एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं श्रद्धा दास, जिन्होंने पत्रकारिता की डिग्री हासिल की, लेकिन किस्मत उन्हें एक्टिंग की ओर ले आई। आज वह साउथ सिनेमा का जाना-माना चेहरा हैं और बॉलीवुड में भी अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। 4 मार्च 1987 को मुंबई के एक बंगाली परिवार में जन्मीं श्रद्धा ने मुंबई विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ मास मीडिया (जर्नलिज्म) की डिग्री हासिल की। कॉलेज के दिनों में ही उन्हें अभिनय का शौक हो गया। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के कलाकारों जैसे पीयूष मिश्रा और चितरंजन गिरी जैसे एक्टर्स के साथ थिएटर वर्कशॉप की, थिएटर में अच्छी ट्रेनिंग ली और फिर एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। श्रद्धा ने साल 2008 में तेलुगू फिल्म 'सिद्धु फ्रॉम सिकाकुलम' से अभिनय की शुरुआत की, जिसमें वह अभिनेता नरेश के साथ नजर आईं। यह उनका साउथ डेब्यू था। तेलुगू के बाद उन्होंने तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली और हिंदी फिल्मों में भी काम किया। साउथ में वह 'आर्या 2', 'डार्लिंग', 'नागावल्ली', और 'गुंटूर टॉकीज' जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। वहीं, कई फिल्मों में उन्हें 'सीक्वल क्वीन' का टैग भी मिला, क्योंकि वह कई सीक्वल में नजर आईं। श्रद्धा ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से साउथ और बॉलीवुड दोनों में मजबूत जगह बनाई। मॉडलिंग से शुरुआत करने वाली श्रद्धा ने एक्टिंग ट्रेनिंग पर खास ध्यान दिया। वह चुलबुली, तेज और रोमांटिक रोल्स में बखूबी जंचती हैं। श्रद्धा के बॉलीवुड में काम की बात करें तो उन्होंने डेब्यू साल 2010 में फिल्म 'लाहौर' से किया, जिसमें उन्होंने इदा का किरदार निभाया था। इसके बाद 'दिल तो बच्चा है जी', 'लकी कबूतर', 'सनम तेरी कसम', 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती' जैसी फिल्मों में काम किया।

'सनम तेरी कसम' में उनका किरदार दर्शकों को खासा पसंद आया। फिल्म में उनके किरदार का नाम रूबी रहता है। बॉलीवुड में वह सपोर्टिंग रोल्स में ज्यादा नजर आईं, लेकिन अपनी खूबसूरती, तेज-तर्रार अंदाज और रोमांटिक भूमिकाओं से दर्शकों के बीच प्रभाव छोड़ा। श्रद्धा दास अब तक 50 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं, जो अलग-अलग भाषाओं में हैं। बेहतरीन एक्टिंग के साथ ही श्रद्धा एक शानदार डांसर भी हैं, जो उनके परफॉर्मेंस को और आकर्षक बनाता है। फिल्मों के अलावा वह वेब सीरीज और टीवी शोज में भी काम कर चुकी हैं।

केन्या में कैसी रही वाराणसी की शूटिंग

प्रियंका ने दी जानकारी

प्रियंका चोपड़ा जल्द ही इंडियन सिनेमा में फिल्म 'वाराणसी' से वापसी कर रही हैं। यह बड़े पैमाने पर बन रही है। अभी इस फिल्म पर काम चल रहा है। ऐसे में प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि केन्या में फिल्म की शूटिंग का अनुभव कैसा रहा है।

केन्या में कैसी रही शूटिंग?

प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि केन्या में शूटिंग बहुत अच्छी रही। उन्होंने कहा 'मैं वाराणसी के लिए अफ्रीका के केन्या में शूटिंग कर रही थी। हम जंगली जानवरों के साथ शूटिंग कर रहे थे। उसी दौरान मैं और मेरे को-एक्टर महेश बाबू इन जंगली जानवरों के बीच में थे जो माइग्रेट करते समय हमारे चारों ओर थे। मुझे यह दृश्य बहुत अच्छा लग रहा था। जब आप जंगल में इन जानवरों को देखते हैं तो आपको अच्छा लगता है।' इससे पहले, महेश बाबू ने भी बातचीत में इसी शूटिंग के बारे में बात की थी। एक्टर ने माना कि पहले तो चीजें डरावनी लगीं। जंगली जानवरों से घिरे होने की वजह से शूटिंग का पहला दिन काफी टेंशन भरा था।

सिद्धांत चतुर्वेदी, निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ मिलकर बनाएंगे बलिया पर फिल्म

छोटे शहर बलिया से निकलकर मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा तक अपनी पहुंच बनानेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी अब अपनी ज़िंदगी के अनुभवों को परदे पर लाने की तैयारी में जुटे हैं। हाल ही में सिद्धांत चतुर्वेदी ने खुद ये बात कही कि वे अपने डियर फ्रेंड और निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ मिलकर अपने होम टाऊन बलिया को केंद्र में रखकर एक फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। गौरतलब है कि 'गली बॉय' से अपने करियर की शुरुआत करने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'गहराइयाँ', 'खो गए हम कहाँ' और 'धड़क 2' जैसी फ़िल्में की और हमेशा लेयर्ड और हटकर किरदार चुने। यही वजह है कि अपनी हर फिल्म में अपने हर परफॉर्मेंस के लिए सिद्धांत ने अपने दर्शकों की सराहना बटोरी। फिलहाल अब वह अपने करियर के एक ऐसे मोड़ पर हैं, जहां वे चाहते हैं कि कहानी सीधे उनके जीवन और यादों से निकलकर सामने आए। इस बारे में खुलकर बात करते हुए सिद्धांत ने कहा, 'अभी तक ये ऑफिशियल नहीं है, लेकिन मुझे लगता है ये वही स्टेज है जहां मैं बोल देना चाहता हूं। मैं अपनी रूट्स (जड़ों) पर वापस जाना चाहता हूं। मुझे बलिया की कहानी कहनी है। वहां की ज़िंदगी मैंने देखी है, और मैं वही एक्सपीरियंस स्क्रीन पर लाना चाहता हूं।' उन्होंने इस फिल्म में निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ अपने सहयोग को लेकर भी उत्साह ज़ाहिर करते हुए कहा, 'अभिषेक चौबे के साथ हम एक बलिया-बेस्ड स्टोरी पर काम कर रहे हैं। ये वाकई बहुत ही कमाल की कहानी है। इस पर काफी चर्चा चल रही है और मुझे लगता है कि बहुत जल्द ये सबके सामने आएगी।'

'जेलर 2' में होगा शाहरुख का कैमियो

पहले भी शाहरुख खान की फिल्म 'रा.वन' में रजनीकांत के मशहूर किरदार चिट्टी का कैमियो दिखाया गया था, लेकिन बाद में अभिनेता सुरेश मेनन ने बताया था कि उस सीन में खुद रजनीकांत मौजूद नहीं थे। वहीं रोहित शेट्टी की फिल्म 'चेन्नई एक्सप्रेस' के गाने लुंगी डांस में भी रजनीकांत को ट्रिब्यूट दिया गया था। लेकिन अब खबरें आ रही हैं कि जेलर 2 में दोनों साथ में नजर आ सकते हैं। खबरें है कि निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म 'जेलर 2' में दोनों स्टार्स एक साथ दिखाई देंगे। यह जानकारी अभिनेता मोहनलाल के स्टाइलिस्ट जिहाद शमसुद्दीन के इंस्टाग्राम स्टोरी से सामने आई, जिसके बाद फैंस के बीच एक्साइटमेंट और चर्चा तेज हो गई है। हालांकि फिल्म के मेकर्स की ओर से अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन फैंस के बीच इस खबर की वजह से एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

क्यों हुई चर्चाएं तेज

दरअसल, जिशाद ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक एआई से बनी तस्वीर शेयर की, जिसमें ग्रे-हेयर लुक में शाहरुख खान कार चलाते नजर आ रहे हैं, उनके साथ आगे की सीट पर मोहनलाल बैठे हैं, जबकि पीछे की सीट पर रजनीकांत और शिव राजकुमार दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर के कैप्शन में लिखा था कि फैंस 'जेलर 2' में ऐसा फ्रेम देखने का इंतजार कर रहे हैं। इस पोस्ट को री-शेयर करते हुए जिशाद ने लिखा, 'कंदिप्पा इरुक्कुम यानी (पक्का होगा)', जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में इन सभी स्टार्स का एक साथ सीन हो सकता है।

पहली बार साथ दिखाई दे सकते हैं दोनों स्टार्स

बता दें कि मोहनलाल ने 2023 की हिट फिल्म जेलर में रजनीकांत के किरदार मुथुवेल पांडियन आईपीएस (टाइगर) के दोस्त मैथ्यू के रूप में कैमियो किया था और वह सीक्वल में भी वापसी करेंगे।

शैतान वाले रोल ने मेरे शरीर को पूरा निचोड़ लिया

गुजराती सिनेमा का जाना-पहचाना चेहरा बन चुकीं ऐक्ट्रेस जानकी बोड़ीवाला अब बॉलिवुड में भी अपने कदम मजबूत कर रही हैं। गुजराती फिल्म वश में जबरदस्त अभिनय के लिए नैशनल अवॉर्ड जीतने वाली जानकी अजय देवगन-आर माधवन स्टारर शैतान के बाद हाल ही में रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 में भी अहम रोल में नजर आईं।

डॉक्टर बनते-बनते ऐक्टर कैसे बन गई

मेरे पापा को फिल्मों का बहुत क्रेज है तो मैंने भी बचपन से ही खूब बॉलिवुड फिल्में देखी हैं। हमारे घर पर एक मिनी थिएटर था, जो अभी भी है। हमारे घर पर हर शुक्रवार को फिल्मों की स्क्रीनिंग होती थी। जब मैं बोर होती थी तो भी कोई ना कोई डीवीडी चला लेती थी तो जाने-अनजाने में सिनेमा के साथ मेरा रिश्ता बचपन से था। ऐक्टिंग की शुरुआत भी पापा के कहने से ही हुई। मैं डेंटिस्ट की फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रही थी। ब्रेक चल रहा था। पापा ने बोला कि उनके कोई दोस्त फिल्म बना रहे हैं, तुम ऑडिशन देने जाओगी?

वश और फिर उसकी हिंदी रीमेक शैतान में आपकी भूमिका बहुत ही डिमांडिंग है। उसे निभाना कितना चुनौतीपूर्ण रहा?

मुश्किल तो निश्चित तौर पर था। मुझे एक ही किरदार दूसरी बार निभाना था। पहली बार तो मुझे भी अहसास नहीं था कि फिल्म कैसी बन रही है। मुझे याद है कि जब हम शूट कर रहे थे तो एक बार 10-15 दिन का ब्रेक मिला था और मैं काफी अपसेट थी कि यार, सब अच्छा जा रहा है, मेरा लिंक टूट जाएगा लेकिन दूसरे-तीसरे दिन मुझे बॉडी में बहुत थकान महसूस हुई।

'मर्दानी 3' की दुनिया भी काफी स्याह है। गर्ल चाइल्ड ट्रैफिकिंग जैसी घटनाओं के बारे में पढ़कर-सुनकर क्या प्रतिक्रिया होती है?

गुस्सा आता है, डर लगता है। जब भी हम ऐसा कुछ पढ़ते या सुनते हैं, रूह कांप जाती है क्योंकि कई बार लड़कियों संग बहुत ही भयावह घटनाएं होती हैं। इसलिए, जरूरी है कि हम स्ट्रॉन्ग रहें। मर्दानी उदाहरण है कि आज के दौर में औरत कैसी होनी चाहिए। मुझे लगता है कि आज की पीढ़ी की लड़कियां बहुत स्ट्रॉन्ग हैं। वे ऐसी कोई सिचुएशन आई तो अपने लिए खड़ी रहेंगी।

वैसे आज की पीढ़ी यानी जेन जी के लिए ऐसा भी कहा जाता है कि वे अपने काम/जॉब आदि के लोग गंभीर नहीं हैं। आपकी इस पर क्या राय है?

दरअसल, जेन जी से पहले की जो पीढ़ी है, वो इतनी सीरियस रह चुकी है कि उनको लगता है कि जेन जी सीरियस नहीं है। लेकिन यह वो पीढ़ी है, जो अपनी जिंदगी खुशी-खुशी जी रही है, जैसा कि आपको जीना चाहिए। जेन जी युद्ध या झगड़ों में नहीं मानते।

रानी से पहली मुलाकात कैसी रही?

जब नैशनल अवॉर्ड अनाउंस हुआ था तो हम आधी फिल्म शूट कर चुके थे। उसके बाद जब हम सेट पर मिले तो एक छोटा सा जश्न भी मनाया। एक-दूसरे को बधाई दी। यह बहुत ही बड़ी बात थी हम दोनों एक ही फिल्म कर रहे थे और हम दोनों को एक ही साल में नैशनल अवॉर्ड मिला। यह बहुत ही खास पल था। इसके बाद उन्होंने मेरी फिल्म वश देखी, जो उन्हें बहुत पसंद आई। वैसे, हमारी पहली मुलाकात तो रीडिंग के दौरान ही हो गई थी। असल जिंदगी में भी वह मुझे अपने किरदार शिवानी जैसी ही लगीं। प्रेरणादायी, उत्साही, मजबूत, उनसे मिलकर एक प्रेरणा मिली। फिर उनके साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करके बहुत मजा आया था। मैंने बचपन से उन्हें अलग-अलग करैक्टर निभाते हुए देखा था तो उनके साथ काम करना यादगार रहा।

बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉइ हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर –

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ–साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ–सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंप्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।

इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तककि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ–साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही। दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान हो है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।

हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारू रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।

कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे ~ लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं ~ पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं है और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्यॉरिटी स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी–बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई–गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंट्रानेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी–खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।